19 सितंबर 2025
शुक्रवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

अधिकारों की अनदेखी और फर्जी मुकदमे से तंग जनता अब निर्णायक संघर्ष को तैयार : खेतिहर मजदूर मोर्चा

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

बोले राहुल... देश के युवा, जेन-जी लोकतंत्र की रक्षा करेंगे

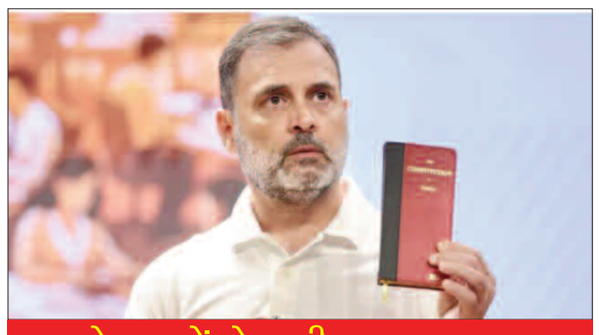

नेपाल में जेन-जी रहा था अहम

एजेंसी/नई दिल्ली

कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि देश के युवा, देश के छात्र, देश की जेन जी संविधान को बचाएंगे, लोकतंत्र की रक्षा करेंगे और वोट चोरी को रोकेंगे। मैं उनके साथ हमेशा खड़ा हूं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तरफ से कहा गया है कि देश के युवा, छात्र और जेन-जी लोकतंत्र की रक्षा करेंगे और वोट चोरी को रोकेंगे। राहुल गांधी ने जेन-जी के इस्तेमाल पर सबसे अधिक चर्चा हो रही है। दरअसल, पड़ोसी देश नेपाल में जेन-जी आंदोलन के बाद इसी हफ्ते सत्ता परिवर्तन हुआ है। बता दें कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आज ही वोट चोरी के अपने दावे को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की है। इस दौरान उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर वोट चोरों और लोकतंत्र को बर्बाद करने वाले लोगों को बचाने का आरोप लगाया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तरफ से कहा गया है कि देश के युवा, छात्र और जेन जी लोकतंत्र की रक्षा करेंगे और वोट चोरी को रोकेंगे। कांग्रेस नेता ने अपने पोस्ट जेन-जी का जिक्र किया है, हालांकि ये कोई नया शब्द नहीं है। लेकिन ये इन दिनों काफी चर्चा में है, दरअसल हाल ही में हमारे पड़ोसी देश नेपाल में बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन के बाद सत्ता परिवर्तन हुआ है। इस सत्ता परिवर्तन के पीछे जेन-जी का विरोध-प्रदर्शन और सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। इसके परिणामस्वरूप नेपाल में प्रधानमंत्री से लेकर मंत्री-सांसदों का इस्तीफा हुआ और नई अंतरिम सरकार का गठन हुआ।

राहुल के पुराने आरोप, चुनाव आयोग का जवाब : राहुल गांधी ने इस बार भी कुछ मतदाताओं के पते के नाम पर कुछ अस्पष्ट शब्द लिखने का आरोप लगाया। पिछली बार उन्होंने कहा था कि कई मतदाताओं के पते के नाम पर केवल शून्य दर्ज किया गया है। राहुल गांधी ने इसे एक फ्रॉड बताया था, लेकिन चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया था कि जिन मतदाताओं के पास स्थाई आवास नहीं होते, वे सड़कों पर रहते हैं या रैन बसेरों में निवास करते हैं, उनके आवास के पते के रूप में शून्य दर्ज किया जाता है।

इन दिनों चर्चा में 'जेन-जी' शब्द: राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में लिखा है कि देश की जेन जी संविधान को बचाएंगे, लोकतंत्र की रक्षा करेंगे और वोट चोरी को रोकेंगे। मैं उनके साथ हमेशा खड़ा हूं। कांग्रेस नेता ने अपने पोस्ट जेन-जी का जिक्र किया है, हालांकि ये कोई नया शब्द नहीं है। लेकिन ये इन दिनों काफी चर्चा में है, दरअसल हाल ही में हमारे पड़ोसी देश नेपाल में बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन के बाद सत्ता परिवर्तन हुआ है। इस सत्ता परिवर्तन के पीछे जेन-जी का विरोध-प्रदर्शन और सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। इसके परिणामस्वरूप नेपाल में प्रधानमंत्री से लेकर मंत्री-सांसदों का इस्तीफा हुआ और नई अंतरिम सरकार का गठन हुआ।

राहुल के पुराने आरोप, चुनाव आयोग का जवाब : राहुल गांधी ने इस बार भी कुछ मतदाताओं के पते के नाम पर कुछ अस्पष्ट शब्द लिखने का आरोप लगाया। पिछली बार उन्होंने कहा था कि कई मतदाताओं के पते के नाम पर केवल शून्य दर्ज किया गया है। राहुल गांधी ने इसे एक फ्रॉड बताया था, लेकिन चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया था कि जिन मतदाताओं के पास स्थाई आवास नहीं होते, वे सड़कों पर रहते हैं या रैन बसेरों में निवास करते हैं, उनके आवास के पते के रूप में शून्य दर्ज किया जाता है। राहुल गांधी ने कहा कि चुनाव आयोग जानता है कि यह कौन कर रहा है। मैं चाहता हूं कि भारत का हर युवा यह जाने कि वे आपके भविष्य के साथ ऐसा कर रहे हैं।

वोट चोरी की धार घुसपैठ से कुंद करने की तैयारी में विपक्ष : अमित शाह

एजेंसी/भागलपुर

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बेगूसराय में राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोप की धार बदलने की कोशिश की। जनसभा में उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने जो यात्रा निकाली थी, वह यात्रा घुसपैठियों को बचाने के लिए थी। घुसपैठियों को हमारे गरीबों का पांच किलो मुफ्त अनाज, हमारे युवाओं का रोजगार, घर मिलना चाहिए क्या। गृहमंत्री ने गुरुवार को सीएम नीतीश कुमार, डिप्टी सम्राट चौधरी, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलिप जायसवाल समेत अन्य वरिष्ठ भाजपा नेताओं से भेंट की। । इस दौरान अमित शाह ने कहा कि राहुल बाबा यहां आए थे। उन्होंने जो यात्रा निकाली थी, वह यात्रा घुसपैठियों को बचाने के लिए थी। अमित शाह ने कहा कि मुंगेर और

पटना प्रमंडल के सभी कार्यकताओं से पूछना चाहता हूं कि इन घुसपैठियों का हमारी मतदाता सूची में नाम होना चाहिए। घुसपैठियों को हमारे गरीबों का पांच किलो मुफ्त अनाज, हमारे युवाओं का रोजगार, घर मिलना चाहिए क्या। पांच लाख तक का इलाज फ्री में मिलना चाहिए क्या। अमित शाह यहीं नहीं रुके। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को गरीबों की नहीं, बांग्लादेश से आए घुसपैठियों की चिंता है।

चुनावी घोषणा से पहले बिहार के युवाओं के लिए एनडीए सरकार का बड़ा ऐलान

ग्रेजुएट बेरोजगारों के खाते में हर महीने आएंगे एक हजार रुपये : सीएम नीतीश

एजेंसी/पटना

बिहार में साल के अंत तक विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनाव से पहले सरकार फुल एक्शन मोड में है चाहे पीएम मोदी के दौरे पर राज्य को विकास परियोजनाओं की सौगात देना का ऐलान कर रहे है। चुनाव को देखते हुए राजनीतिक पार्टियां तैयारियों में जुट गई हैं। टीचर, रसोईयों, बीएलओ समेत कई विभागों में तैनात कर्मचारियों का वेतन बढ़ाकर सीएम नीतीश पहले ही सरकार वर्ग को लुभा चुके हैं। इस बार सीएम ने बेरोजगार युवाओं के लिए योजना निकाली। उन्होंने बेरोजगार युवाओं के लिए बड़ा ऐलान किया है। सीएम नीतीश कुमार ने हर महीने बेरोजगार युवा और युवतियों को 1 हजार रुपये देने का वादा किया है। हर युवा को अधिकतम 2 साल तक इसका लाभ मिल सकेगा। चुनाव से पहले सीएम नीतीश कुमार का यह बड़ा कदम माना जा रहा है। सीएम ने जानकारी दी कि इंटर

पास युवक, युवतियों को पहले से दी जा रही स्वयं सहायता भत्ता योजना का लाभ अब कला, विज्ञान एवं वाणिज्य उत्तीर्ण स्नातक बेरोजगार युवक, युवतियों को भी दिए जाने का निर्णय लिया गया है। 20 से 25 साल के स्नातक पास युवक, युवतियां जो कहीं अध्ययनरत नहीं हैं। साथ ही नौकरी, रोजगार हेतु प्रयास कर रहे हैं। उनका कोई स्वरोजगार नहीं है अथवा सरकारी, निजी, गैर सरकारी नियोजन प्राप्त नहीं है। उन्हें 1000 रूपए प्रतिमाह की दर से अधिकतम 2 वर्षों तक मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना का भुगतान किया जाएगा। 20-25 आयु वर्ग के वैसे स्नातक उत्तीर्ण युवक-युवतियां जो कहीं अध्ययनरत नहीं हैं तथा नौकरी-रोजगार के लिए प्रयास कर रहे हैं, उनका कोई स्वरोजगार नहीं है अथवा सरकारी, निजी, गैर सरकारी नियोजन प्राप्त नहीं है, को भी 1000 रुपए प्रतिमाह की दर से अधिकतम दो वर्षों तक मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना का विस्तार किया गया है। सीएम के ऐलान को वैसे को चुनावी रेवड़ियां बताए जाने की चर्चा है। लेकिन नीतीश ने इसे भविष्य सुरक्षित करने का माध्यम माना है। सीएम कहा कि उन्हें उम्मीद है कि इस सहायता भत्ता का उपयोग युवक, युवतियां आवश्यक प्रशिक्षण प्राप्त करने तथा प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारियों में करेंगे, इससे उनका भविष्य सुरक्षित हो सकेगा। यहां के शिक्षित युवा आत्मनिर्भर, दक्ष और रोजगारोन्मुखी बनें।

20 से 25 साल के युवाओं को मिलेगा योजना का लाभ

सीएम नीतीश कुमार के अनुसार जिन ग्रेजुएट युवाओं की उम्र 20-25 साल के बीच है और वे नौकरी ढूंढने की कोशिश में जुटे हैं, उन्हें इस योजना का लाभ मिलेगा। युवा किसी तरह के बिजनेस से जुड़ा नहीं होना चाहिए। साथ ही युवा या युवती सरकारी, निजी या गैर सरकारी नियोजन में नौकरी नहीं करना चाहिए। मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना के तहत दो साल तक 1000 रुपये महीना मिलेंगे। इस दौरान युवा अपने लिए नौकरी ढूंढ सकते हैं। आवेदक बिहार का नागरिक होना चाहिए। इस योजना का लाभ लेने के लिए उम्र 20 से 25 साल के बीच होनी चाहिए। 12वीं या ग्रेजुएशन के बाद पढ़ाई छोड़ दी हो और रोजगार की तलाश में हो युवाओं को किसी और तरह की सरकारी मदद न मिल रही हो जिस दिन युवा को नौकरी मिल जाएगी। उसी दिन से भत्ता मिलना बंद हो जाएगा।

एएआई अफसर पर 232 करोड़ की गड़बड़ी के आरोप

एजेंसी/देहरादून

सीबीआई अफसर ने बताया कि एएआई के वरिष्ठ प्रबंधक (वित्त एवं लेखा) राहुल विजय को पिछले महीने गिरफ्तार किया गया था। उन पर आरोप है कि उन्होंने देहरादून में अपनी तैनाती के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी के 232 करोड़ रुपये से अधिक धन को ट्रेडिंग के उद्देश्य से अपने निजी खाते में स्थानांतरित कर दिया था।वहीं सीबीआई ने अफसर के खिलाफ जयपुर हवाई अड्डे पर अपने कार्यकाल के दौरान प्राधिकरण के खातों से 18.12 करोड़ रुपये की हेराफेरी का नया मामला दर्ज किया गया। सीबीआई अफसर ने बताया कि एएआई के वरिष्ठ प्रबंधक (वित्त एवं लेखा)

राहुल विजय को पिछले महीने गिरफ्तार किया गया था। उन पर आरोप है कि उन्होंने देहरादून में अपनी तैनाती के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी के 232 करोड़ रुपये से अधिक धन को ट्रेडिंग के उद्देश्य से अपने निजी खाते में स्थानांतरित कर दिया था। अधिकारियों ने बताया कि निलंबित विजय के खिलाफ नया मामला जयपुर हवाई अड्डे के एएआई के एक प्रबंधक (वित्त) की शिकायत पर दर्ज किया गया। इसमें आरोप लगाया गया कि जयपुर हवाई अड्डे पर तैनात रहते हुए विजय ने अक्टूबर 2024 और फरवरी 2025 के बीच एएआई द्वारा उसे सौंपी गई 18.12 करोड़ रुपये की राशि का धोखाधड़ी से गबन किया और इसे अपने दो भारतीय स्टेट बैंक खातों में स्थानांतरित कर दिया। उन पर आरोप लगाया गया है कि उन्होंने एएआई के बैंक खाते पर नियंत्रण प्राप्त करने तथा जयपुर हवाई अड्डे पर रखे गए व्यय खाते तक प्रशासकीय पहुंच प्राप्त करने के बाद धोखाधड़ी की योजना बनाई। उन्होंने बैंक भुगतान लेनदेन के अधिकृत हस्ताक्षरकताओं और अनुमोदकों में से एक बनकर घोटाले को अंजाम

बोले प्रशांत किशोर... शाह गुजरात की फैक्ट्री पर बिहार में वोट नहीं ले सकते

एजेंसी/पटना

प्रशांत किशोर का अमित शाह के बिहार दौरे पर जोरदार प्रहार किया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बिहार दौरे पर कहा कि लोकतंत्र में सभी नेताओं को आने का अधिकार है, लेकिन जनता अब असली सवाल पूछेगी। उन्होंने पलायन और बेरोजगारी को लेकर केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा कि बिहार केवल नारेबाजी से नहीं, बल्कि ठोस विकास और रोजगार चाहता है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में हर किसी को आने का अधिकार है, चाहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हों, गृह मंत्री अमित शाह हों या फिर कांग्रेस नेता राहुल गांधी लेकिन बिहार की असली ताकत यही है

कि जो भी नेता यहां आएगा, उसे जनता के असली सवालों का जवाब देना पड़ेगा। प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार की जनता दशकों से पलायन और बेरोजगारी की मार झेल रही है। हर चुनाव में बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, लेकिन हकीकत यह है कि आज भी लाखों लोग रोजगार के लिए दिल्ली, पंजाब, महाराष्ट्र और गुजरात की

पीएम मोदी ने नेपाल की पीएम सुशीला कार्की से बात की

नेपाल में जल्द बहाल होगी शांति व्यवस्था, सुधरेगा हालत : मोदी

एजेंसी/नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को नेपाल की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की से बात की। इस दौरान पीएम मोदी ने शांति और स्थिरता बहाल करने के उनके प्रयासों के प्रति भारत के दृढ़ समर्थन की पुष्टि की। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट कर कहा कि नेपाल की अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की के साथ गर्मजोशी से बातचीत हुई। हाल ही में हुई दुखद जनहानि पर हार्दिक संवेदना व्यक्त की और शांति एवं स्थिरता बहाल करने के उनके प्रयासों के प्रति भारत के दृढ़ समर्थन की पुष्टि की। साथ ही मैंने उन्हें और नेपाल की जनता को कल उनके राष्ट्रीय दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं दीं। आपको बता दें कि यह बातचीत 8 सितंबर को हिंसक झड़पों और विरोध प्रदर्शनों की वजह से संसद भंग होने के बाद सुशीला कार्की की ओर से नेपाल में अंतरिम प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के कुछ दिनों बाद हुई है। इन विरोध प्रदर्शनों

का नेतृत्व मुख्य रूप से जेनरेशन जेड युवा कार्यकताओं ने किया था। प्रदर्शन भ्रष्टाचार, जवाबदेही की कमी और राजनीतिक अभिजात वर्ग की कथित विफलता को लेकर बढ़ती निराशा से उपजे थे। आंदोलन तत्कालीन नेपाली सरकार की ओर से सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने के बाद शुरू हुआ था। नेपाल की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश और अब पहली महिला प्रधानमंत्री कार्की को जेनरेशन जेड के नेतृत्व वाले आंदोलन का समर्थन प्राप्त है, जिसने पिछले कुछ दिनों में देश के राजनीतिक परिदृश्य को बदल दिया है। वह 5 मार्च, 2026 तक इस पद पर रहेंगी, जिसके बाद इस पद के लिए नए चुनाव होंगे, जिनका चयन निर्वाचित संसद द्वारा किया जाएगा।

एसडीओ कोर्ट में वकीलों और अधिकारी के बीच विवाद, दोनों पक्षों ने लगाए आरोप

- अधिवक्ता संघ ने किया बहिष्कार का ऐलान, एसडीओ ने वकीलों पर लगाया दबाव बनाने का आरोप

केटी न्यूज/बक्सर

सदर एसडीओ कोर्ट गुरुवार को उस समय चर्चा का केंद्र बन गया, जब वकीलों और एसडीओ के बीच कहासुनी बढ़ते-बढ़ते हाथापाई तक पहुंच गई। इस घटना के बाद अधिवक्ता संघ और एसडीओ दोनों ने एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

मामला उस समय तूल पकड़ गया जब 14 सितंबर को जेल भेजे गए एक व्यक्ति के जमानत आवेदन को लेकर विवाद खड़ा हुआ। अधिवक्ताओं का कहना है कि जमानतदारों की रसीद सही थी, लेकिन एसडीओ ने उसे क्लोन बताकर आपत्ति दर्ज की और कहा कि संबंधित सीओ से जांच के बाद ही जमानत दी जाएगी। इसी बिंदु पर वकीलों और एसडीओ के बीच तीखी नोकझोंक शुरू हो गई।

हाल ही में वेलफेयर टिकट में लगभग पचास हजार रुपये की चोरी का मामला पकड़ा था और इसकी जानकारी अधिवक्ता संघ के सचिव को दी थी। इसके अलावा, उनके अनुसार, कुछ दिनों पहले एक अधिवक्ता ने महिला लीगल एडवाइजर के साथ बदसलूकी की थी, जो मामला थाने तक गया। बाद में समझौते के चलते प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई। यहां प्रैक्टिस करने वाले अधिवक्ता जमीन से जुड़े मामलों में बिना जांच रिपोर्ट के ही धारा-144 लगाने का दबाव बनाते हैं। विवाद के दौरान वकीलों ने मेरा दो मोबाइल फोन भी छीन लिए थे।

अविनाश कुमार, सदर एसडीओ, बक्सर

अधिवक्ताओं का आरोप है कि सदर एसडीओ अविनाश कुमार ने न केवल अपशब्द कहे, बल्कि मारपीट भी की। अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष बबन ओझा ने बताया कि यह पहली बार नहीं है, एसडीओ लगातार अधिवक्ताओं के साथ अनुचित व्यवहार कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वकीलों ने एसडीओ के साथ किसी तरह की मारपीट नहीं की, बल्कि उल्टा उनके साथ ही दुर्व्यवहार किया गया। संघ ने इस विवाद के बाद एक प्रस्ताव पारित किया है, जिसके तहत तय किया गया है कि कोई भी अधिवक्ता फिलहाल एसडीओ कोर्ट में पेशी नहीं करेगा।

हालांकि, इस विवाद का एक वीडियो भी वायरल हो रहा है, जिसमें अधिवक्ता एसडीएम के बॉडीगार्ड से हाथापाई करते दिखाई दे रहे है। केशव टाइम्स इस वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है, लेकिन यह वीडियो इस बात का प्रमाण है कि एसडीओ कार्यालय में कैसे कानून को हाथ में लिया गया है।

बहरहाल कचहरी, कलेक्ट्रेट के अलावे पूरे शहर में इस बात की चर्चा दिनभर होते रही।

फिलहाल मामला अधिवक्ता संघ और एसडीओ के बीच तनातनी का रूप ले चुका है। जहां वकील न्यायिक कार्य बहिष्कार की तैयारी में हैं, वहीं एसडीओ का कहना है कि वे किसी भी दबाव में काम नहीं करेंगे और कानून के मुताबिक ही कार्रवाई करेंगे।

इस पूरे विवाद ने बक्सर जिले में प्रशासनिक और न्यायिक माहौल को गरमा दिया है। अब देखना होगा कि इस टकराव का समाधान प्रशासनिक स्तर पर कैसे किया जाता है और दोनों पक्षों के बीच तनाव कब तक कम होता है।

अधिकारों की अनदेखी और फर्जी मुकदमे से तंग जनता अब निर्णायक संघर्ष को तैयार : खेतिहर मजदूर मोर्चा

- कंपनी के खिलाफ उबल रहा गुस्सा, बनारपुर में गूंजा किसानों-मजदूरों का स्वर

केटी न्यूज/चौसा

बक्सर जिले के बनारपुर पंचायत भवन पर गुरुवार को खेतिहर मजदूर मोर्चा के आह्वान पर किसान, महिला मजदूर, बेरोजगार युवा और स्थानीय ग्रामीण बड़ी संख्या में जुटे। बैठक की अध्यक्षता राजनारायण चौधरी ने और संचालन डॉ. विजय नारायण राय ने किया। मंच पर बिहार कांग्रेस प्रवक्ता अनुपम, भारतीय किसान यूनियन बिहार प्रदेश अध्यक्ष दिनेश कुमार सिंह, दुग्ध उत्पादक संघ महासचिव अशोक प्रसाद सिंह और युवा हल्ला बोल अध्यक्ष प्रशांत कमल मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे।

सभा में उपस्थित जनसमूह का गुस्सा साफ झलक रहा था। वक्ताओं ने एक स्वर से कहा कि एसटीपीएल कंपनी के खिलाफ हो रही जांच सिर्फ दिखावा है। आरोप लगाया गया कि जिन अधिकारियों पर खुद भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं, वही लोग एयरकंडीशनर वाले कमरों में बैठकर किसानों से बयान ले रहे हैं। सवाल उठा कि जब जांचकर्ता ही आरोपी की कुर्सी पर हों तो निष्पक्षता की उम्मीद कैसे की जाए।

भ्रामक दावों से किसानों में बढ़ी नाराजगी

कंपनी द्वारा यह दावा किया जाना कि उसने सभी किसानों और मजदूरों की देनदारियां चुका दी हैं, सभा में मौजूद लोगों ने सिरे से खारिज कर दिया। वक्ताओं ने कहा कि वास्तविकता यह है कि अधिकांश किसानों का हक अब तक अधूरा है और मजदूर आज भी अपने बकाए के लिए दर-दर भटक रहे हैं। आरोप लगाया गया कि जिला प्रशासन और कंपनी की मिलीभगत से प्रभावित लोगों के साथ अन्याय हो रहा है। भूमि अधिग्रहण अधिनियम 2013 और संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा बनाए गए कानूनों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। किसानों और ग्रामीणों पर फर्जी मुकदमे लादकर उन्हें डराने-धमकाने का प्रयास किया जा रहा है। महिला मजदूरों ने भी अपनी व्यथा साझा करते हुए कहा कि उन्हें न तो काम मिला, न भुगतान, उल्टा उत्पीड़न और मुकदमों का बोझ थमा दिया गया।

फर्जी मुकदमे और दमन अब नहीं सहेंगे किसान

सभा में जोरदार नारों के बीच वक्ताओं ने साफ कहा कि यह संघर्ष अब पीछे हटने वाला नहीं है। किसानों और मजदूरों को चुप कराने के लिए प्रशासन और कंपनी चाहे जितने हथकंडे अपनाए, लेकिन अब जनता सचेत हो चुकी है। वक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि मांगों का समाधान जल्द नहीं हुआ तो यह आंदोलन भीषण जनाक्रोश में बदल जाएगा। सभा में वक्ताओं ने चौसा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को भी इस संघर्ष से जोड़ा। वक्ताओं ने कहा कि जिस धरती ने कभी हुमायूं जैसी ताकतवर सत्ता को धूल चटाई थी, वही चौसा की धरती आज फिर से अन्याय के खिलाफ निर्णायक आंदोलन की गवाह बनेगी। यहां उठने वाला जनसैलाब कंपनी और भ्रष्टाचार के गढ़ को हिला देगा।

जनता का संकल्प, निर्णायक होगी लड़ाई

बैठक के अंत में सर्वसम्मति से यह संकल्प लिया गया कि जब तक किसानों, मजदूरों और ग्रामीणों को न्याय नहीं मिलेगा, आंदोलन जारी रहेगा। यदि सीबीआई जांच की पारदर्शिता सुनिश्चित नहीं की गई और फर्जी मुकदमे वापस नहीं लिए गए, तो किसान-मजदूर मिलकर जिला मुख्यालय तक कूच करेंगे। बनारपुर की यह बैठक सिर्फ एक पंचायत स्तर की सभा नहीं रही, बल्कि यह संकेत बन गई कि अन्याय, भ्रष्टाचार और दमन के खिलाफ अब एक बड़ा जनांदोलन आकार ले रहा है। किसानों-मजदूरों का यह स्वर सत्ता और कंपनी की सांटगांठ पर निर्णायक चोट साबित हो सकता है।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः– सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

होटल से नाबालिग श्रमिक मुक्त, मालिक पर एफआईआर

केटी न्यूज/बक्सर

जिला प्रशासन ने गुरुवार को इटाढ़ी प्रखंड अंतर्गत उनवास बाजार में बाल श्रमिकों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। जिलाधिकारी के आदेश पर गठित धावा दल ने बाजार स्थित एक होटल में छापेमारी कर वहां कार्यरत एक नाबालिग को मुक्त कराया। इस अभियान में श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी इटाढ़ी, राजपुर, चौसा एवं चौगाई के साथ इटाढ़ी थाना पुलिस और सेवा संस्थान के प्रतिनिधि शामिल थे। धावा दल ने बताया कि मुक्त कराए गए बालक को आगे की प्रक्रिया के तहत जिला बाल कल्याण समिति को सुपुर्द किया जाएगा। प्रशासन ने होटल संचालक पर एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। साथ ही नियोजक से 20 हजार रुपये जुमार्ना वसूला जाएगा। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बाल श्रमिक नियोजन करने वालों पर अब किसी भी सूरत में नरमी नहीं बरती जाएगी। वहीं, विमुक्त बच्चे को सरकार की विभिन्न योजनाओं से पुनर्वासित करने की तैयारी है। उसे मुख्यमंत्री राहत कोष योजना के तहत 25 हजार रुपये बैंक खाते में उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके अलावा तत्काल राहत के रूप में 3 हजार रुपये भी दिए जाएंगे। जिला प्रशासन ने संदेश दिया है कि बाल श्रम कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ ऐसी कठोर कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। अधिकारियों का कहना है कि बच्चों का भविष्य सुरक्षित करना और उन्हें शिक्षा से जोड़ना ही प्रशासन की प्राथमिकता है।

कैमूर स्टेट हाइवे पर हादसा, मवेशी बचाने में युवक की जान गई

- अस्पताल कर्मी का पुत्र सोनू बना सड़क सुरक्षा की लापरवाही का शिकार, ग्रामीणों में आक्रोश

केटी न्यूज/चौसा

कैमूर स्टेट हाइवे पर बुधवार को हुए दर्दनाक हादसे ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं और इलाके में शोक की लहर दौड़ा दी। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के अखौरीपुर गोला और बनारपुर के बीच हुई इस दुर्घटना में सोनपा निवासी तारकेश्वर प्रसाद के 24 वर्षीय पुत्र सोनू कुमार की मौत हो गई। सोनू चौसा सीएचसी में फर्माशिष्ट के बेटे थे और उनकी असमय मौत से न केवल परिवार बल्कि स्वास्थ्यकर्मी भी गहरे सदमे में हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सोनू अस्पताल से घर लौट रहे थे। इसी दौरान सड़क पर अचानक एक मवेशी आ गया। उसे बचाने के प्रयास में उनकी बाइक सामने से आ रहे ई-रिक्शा से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में सोनू गंभीर रूप से घायल हो गए, वहीं ई-रिक्शा पर सवार कोचाढ़ी गांव निवासी 16 वर्षीय अल्ताफ भी घायल हो गया।

स्थानीय ग्रामीणों ने फौरन एंबुलेंस बुलाकर दोनों घायलों को चौसा सीएचसी पहुंचाया। डॉक्टरों ने सोनू की गंभीर स्थिति को देखते हुए पहले सदर अस्पताल और बाद में वाराणसी रेफर कर दिया। लेकिन, बेहतर इलाज के लिए वाराणसी ले जाते वक्त रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। उधर, घायल अल्ताफ को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। सोनू के घर जैसे ही हादसे की खबर पहुंची, परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। बताया जाता है कि तारकेश्वर प्रसाद के दो पुत्र थे और सोनू छोटा बेटा था। उनका स्वभाव बेहद मृदुल और मिलनसार था। उनकी असमय मौत से न केवल परिवार बल्कि चौसा अस्पताल के कर्मी भी आहत हैं। अस्पताल में सहकर्मी उन्हें एक होनहार और संवेदनशील युवक के रूप में याद कर रहे हैं। ग्रामीणों ने इस हादसे को प्रशासनिक लापरवाही और सड़कों पर अनियंत्रित घूम रहे मवेशियों का नतीजा बताया। उनका कहना है कि कैमूर स्टेट हाइवे पर अक्सर मवेशी खुले में घूमते रहते हैं, जिससे आए दिन हादसे होते रहते हैं।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
विशाल और सुसज्जित हॉल
आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
बड़ा पार्किंग एरिया
24x7 बिजली और पानी की सुविधा
साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर
मधुबन मैरेज हॉल
सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

भाजपा छोड़ कांग्रेस में शामिल हुए पंकज राम, राजपुर विस में बदल सकता है समीकरण

- राजेश राम ने दिलाई सदस्यता, नेताओं ने किया स्वागत, कांग्रेस को मिली नई मजबूती

केटी न्यूज/बक्सर

राजपुर विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ भाजपा नेता एवं बसपा के पूर्व प्रत्याशी पंकज राम ने आज भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर ली है। पटना स्थित सदाकत आश्रम में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई और उनके उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की कामना की। इस मौके पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार पांडेय ने पंकज राम का स्वागत करते हुए कहा कि वे लंबे समय तक भाजपा के वरिष्ठ नेता रहे हैं। अब कांग्रेस परिवार से जुड़कर वे न केवल पार्टी को मजबूत करेंगे बल्कि क्षेत्र की राजनीति में भी

नई ऊर्जा भरेंगे। उन्होंने दावा किया कि आने वाले दिनों में भाजपा एवं अन्य दलों के कई वरिष्ठ नेता कांग्रेस का दामन थामने को तैयार हैं।बक्सर विधानसभा से कांग्रेस के पूर्व प्रत्याशी डॉ. प्रमोद ओझा ने भी पंकज राम के कांग्रेस में शामिल होने को बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम बताया। उन्होंने कहा कि पंकज राम बक्सर जिले में एक मजबूत स्तंभ हैं, जिनके आने से पार्टी की पकड़ और गहरी होगी। डॉ. ओझा ने यह भी उल्लेख किया कि पंकज राम कई वर्षों से परोक्ष रूप से कांग्रेस को मजबूत करने में लगे रहे हैं और अब प्रत्यक्ष रूप से पार्टी को मजबूती देंगे। सदस्यता ग्रहण करने के बाद पंकज राम ने कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं के सामने अपना संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि मैं कांग्रेस पार्टी को बक्सर जिला में मजबूत करने का काम करूंगा। पिछले चुनाव में महागठबंधन की तरह इस बार भी जिले की चारों विधानसभा सीटें गठबंधन की झोली में जाएंगी। वहीं, माना जा रहा है कि पंकज के कांग्रेस ज्वाइन करने से राजपुर विस में समीकरण बदल सकते है। फिलहाल राजपुर सुरक्षित विधानसभा सीट से कांग्रेस के ही विश्वनाथ राम विधायक है। वैसे पंकज को भी इस सुरक्षित विस क्षेत्र का दावेदार माना जा रहा है।

कार्यक्रम के दौरान प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अरुण पाठक, अमरेंद्र कुमार सिंह, धर्मेंद्र धारी सिंह, मोहन दुबे, राजेंद्र ओझा सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। युवा कांग्रेस की ओर से प्रदेश सचिव पंकज उपाध्याय, बक्सर जिला कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण उपाध्याय, डॉ. सत्येंद्र ओझा, शाहिद सैकड़ों कार्यकताओं के साथ शामिल हुए। राजनीतिक हलकों में पंकज राम के कांग्रेस में आने को लेकर चचाओं का दौर तेज है। माना जा रहा है कि बक्सर जिले में कांग्रेस संगठन को इससे सीधा बल मिलेगा और महागठबंधन की चुनावी रणनीति को भी मजबूती प्राप्त होगी।

बेलामोहन में बिजली समस्या से त्रस्त ग्रामीण, जेई ने मौके पर किया निरीक्षण

केटी न्यूज/डुमरांव

बेलामोहन (नावाडेरा निषाद टोला) के ग्रामीण लगातार हो रहे शॉर्ट सर्किट से परेशान होकर गुरुवार को विद्युत कार्यालय पहुंचे। बीडीसी सदस्य पुनीत कुमार चौधरी के नेतृत्व में ग्रामीणों ने कनीय विद्युत अभियंता (जेई) जितेंद्र कुमार को आवेदन सौंपकर तकनीकी खामी दुरुस्त कराने की मांग की।

ग्रामीणों का कहना है कि मेन लाइन के तारों में बार-बार शॉर्ट सर्किट होने से उपभोक्ता लंबे समय से भारी असुविधा झेल रहे हैं। कई बार मरम्मत के बावजूद समस्या का समाधान स्थायी रूप से नहीं हो पाया।

उपभोक्ताओं ने चेताया कि यदि इस ओर गंभीर कदम नहीं उठाया गया तो कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। आवेदन प्राप्त होते ही जेई जितेंद्र कुमार स्वयं गांव पहुंचे और बिजली आपूर्ति प्रणाली का भौतिक निरीक्षण किया। उन्होंने जर्जर तारों और अन्य बाधक संसाधनों की पहचान करते हुए भरोसा दिलाया कि इन्हें जल्द बदला जाएगा। जेई ने स्पष्ट कहा कि उपभोक्ताओं की सुरक्षा और सुविधा विभाग की प्राथमिकता है, इसलिए त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

उनकी इस तत्परता से ग्रामीणों में संतोष का माहौल देखने को मिला। बीडीसी सदस्य पुनीत चौधरी ने भी अभियंता की सक्रियता की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रशासन और विभाग यदि इसी तरह संवेदनशीलता के साथ कार्य करें, तो गांव की अधिकांश समस्याओं का समाधान समय पर संभव है।

इस मौके पर दीपक गोंड, दीपक कुमार, मुकेश कुमार, विजयमल, देवराज चौधरी, रिंकू चौधरी, सनोज चौधरी, शिव किश्वर चौधरी, मनोज गोंड, रामनाथ चौधरी, घूरूल चौधरी, देवनाथ चौधरी, अलगू गोंड, हेमंत कुमार चौधरी, महेश चौधरी, विक्की कुमार, चंदू चौधरी, नारायण कुमार, सुनील यादव सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद रहे।

लगातार हो रही विद्युत खामियों से परेशान उपभोक्ताओं को अब उम्मीद जगी है कि विभाग की सक्रियता से उनकी समस्या जल्द खत्म होगी और गांव में निर्बाध बिजली आपूर्ति बहाल हो सकेगी।

एक नजर

रास्ते के विवाद में कलंकित हुआ रिश्ता, पुलिस ने आरोपित बेटे व पोते को किया गिरफ्तार

डुमरांव। नया भोजपुर थाना क्षेत्र के चिलहरी गांव में एक लोमहर्षक घटना देखने को मिली है, जहां, रास्ते के विवाद में रिश्ते कलंकित हो गए। एक बुजुर्ग को उसके पुत्र व पोते ने ही जमकर पिटाई कर दी। अपने पुत्र व पोते की पिटाई से आहत बुजुर्ग ने नया भोजपुर थाने की शरण ली। हालांकि, पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित पिता-पुत्र को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार चिलहरी गांव निवासी नंद किशोर यादव का अपने पुत्र रंजन यादव के साथ रास्ते का विवाद चल रहा था। इसी विवाद में रंजन ने अपने पुत्र शिवजी के साथ मिल अपने पिता की पिटाई कर दी। हालांकि, बुजुर्ग ने तुरंत घटना की जानकारी नया भोजपुर पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही नया भोजपुर के प्रभारी थानाध्यक्ष सुमन कुमार तत्काल मौके पर पहुंचे तथा मामले की जांच किए। प्रारंभिक जांच में बुजुर्ग द्वारा लगाया गया आरोप सही पाया गया। इसके बाद पुलिस ने रंजन व शिवजी को गिरफ्तार कर लिया। प्रभारी थानाध्यक्ष ने बताया कि दोनों आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। वहीं, इस घटना को ले गांव में कई तरह की चर्चाएं हो रही है। मामूली जमीन के लिए रिश्ते को कलंकित करने वाली इस घटना को लोग शर्मनाक बता रहे है।

केसठ मंडल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 75वां जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

केसठ । देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 75वां जन्मदिन बुधवार को केसठ मंडल में उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष चंद्रकांत तिवारी की अध्यक्षता में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें पार्टी कार्यकताओं ने प्रधानमंत्री मोदी के लंबे और स्वस्थ जीवन की कामना की। कार्यक्रम में भाजपा जिला प्रवक्ता कमलेश प्रताप सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष प्रिय व्रत सिंह, मंडल उपाध्यक्ष सोनू कुशवाह, जमुना बारी बूथ अध्यक्ष कमलेश दुबे और लक्ष्मीकांत तिवारी सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने प्रधानमंत्री मोदी की जनसेवा, देशहित में किए गए कार्य और उनके नेतृत्व में भारत की बढ़ती शक्ति पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम के दौरान कार्यकताओं ने केक काटकर खुशी का इजहार किया और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। साथ ही प्रधानमंत्री मोदी के सेवा ही संगठन के संकल्प को आगे बढ़ाने का संकल्प भी लिया। उपस्थित कार्यकताओं ने कहा कि मोदी जी का जीवन देश के लिए प्रेरणा स्रोत है और उनके नेतृत्व में भारत नए आयाम छू रहा है।

डेयरी फार्म की गाड़ी की चपेट में आ महिला की मौत, गांव में आक्रोश

सिमरी। बक्सर जिले के सिमरी थाना क्षेत्र के नगरपुरा गांव में गुरुवार को घरेलू सामान खरीदने निकली 55 वर्षीय महिला पानमुनी देवी की मौत डेयरी फार्म की गाड़ी की चपेट में आने से हो गई। हादसे के बाद से ग्रामीणों में गहरी नाराजगी देखी जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मृतका पानमुनी देवी, जो सर्वजीत राम की पत्नी थीं, गांव की ही एक दुकान की ओर जा रही थीं। तभी तेज रफ्तार से आ रही डेयरी फार्म की गाड़ी ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि पानमुनी देवी ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद गाड़ी चालक वाहन समेत फरार हो गया, जिससे ग्रामीणों का आक्रोश और बढ़ गया।ग्रामीणों का कहना है कि डेयरी फार्म की गाड़ियां अक्सर गांव के रास्तों पर तेज रफ्तार से दौड़ती हैं, लेकिन प्रशासन इस पर कोई ठोस कदम नहीं उठाता। इस लापरवाही का नतीजा पानमुनी देवी को अपनी जान देकर चुकाना पड़ा। हादसे के बाद गांव के लोगों ने प्रशासन से दोषी चालक की शीघ्र गिरफ्तारी और पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग की है।

शांति और सौहार्दपूर्ण माहौल में पर्व मनाएं जिलेवासी, उपद्रवियों पर रहेगी नजर : डीएम-एसपी

दुर्गापूजा पर्व को लेकर बक्सर में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक संपन्न, जिलाधिकारी ने दिए कई आवश्यक निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर

आगामी दुर्गापूजा पर्व को लेकर समाहरणालय सभागार में जिला स्तरीय शांति समिति की अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह एवं पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने संयुक्त रूप से की। इस दौरान जिले भर से आए शांति समिति के सदस्यों के अलावा जिला व अनुमंडल स्तरीय पदाधिकारी भी मौजूद रहे। बैठक में पर्व को शांति, सौहार्द और सुरक्षा के साथ मनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए और जिम्मेदारियों का बंटवारा किया गया।

बैठक की शुरूआत शांति समिति के सदस्यों के विचार-विमर्श से हुई। इसके बाद जिलाधिकारी ने सभी पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि पर्व से पूर्व सभी तैयारियां हर हाल में पूरी कर ली जाएं। नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारियों को विशेष रूप से निर्देश दिया गया कि दुर्गापूजा के पहले सभी मार्गों की साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए। वहीं, बिजली विभाग को लूज एवं लटके तारों की मरम्मत तत्काल करने का आदेश दिया गया।

पंडालों की सुरक्षा और मानक

बैठक में यह साफ कर दिया गया कि सभी पूजा समितियां अपने-अपने पंडालों और विसर्जन जुलूस के लिए अनुज्ञप्ति अनिवार्य रूप से प्राप्त करें। मूर्ति की ऊंचाई 20 फीट से अधिक न हो, जबकि ऊपर की संरचना 40 फीट से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। पंडालों में सीसीटीवी कैमरे लगाना, वैध विद्युत कनेक्शन लेना और फायर सेफ्टी के प्रावधान पूरे करना अनिवार्य होगा। डीएम ने निर्देश दिया कि पूजा समितियां कृत्रिम रंगों में पारा, कैडमियम, आर्सेनिक जैसी जहरीली धातुओं का प्रयोग न करें। साथ ही, भीड़ नियंत्रण, पार्किंग व्यवस्था और वॉलंटियर्स की पूरी सूची प्रशासन को उपलब्ध कराई जाए। प्रत्येक वॉलंटियर को पहचान पत्र जारी करना भी आवश्यक होगा।

जुलूस और विसर्जन पर विशेष निर्देश

बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि जुलूस पुराने मार्गों पर ही निकाले जाएंगे और इसके लिए अनुमति पूर्व शर्तों के पालन के बाद ही दी जाएगी। जुलूस निकालने वाले आयोजकों की पहचान अनिवार्य होगी। कम से कम 10 से 15 प्रतिभागियों के आधार कार्ड व मोबाइल नंबर प्रशासन को देने होंगे। जुलूस में हथियार ले जाना, भड़काऊ नारे लगाना और अश्लील या उत्तेजक गाने बजाना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। डीजे पर पूर्णतः रोक रहेगी और प्रतिमाओं का विसर्जन कृत्रिम तालाब में ही किया जाएगा। नदी में नावों के परिचालन पर भी रोक लगाने का निर्णय लिया गया।

स्वास्थ्य और अग्निशमन व्यवस्था अलर्ट

सिविल सर्जन को निर्देश दिया गया कि सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, अनुमंडल अस्पतालों और सदर अस्पताल में 24 घंटे आपातकालीन सेवाएं उपलब्ध रहें। एम्बुलेंस, आवश्यक दवाएं और चिकित्सकों की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। वहीं, अग्निशमन विभाग को पर्व की अवधि में बक्सर व डुमरांव में अग्निशमन वाहन और कर्मियों को पूरी तरह तैयार रखने का आदेश दिया गया।

पुलिस-प्रशासन की सख्त निगरानी

पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने कहा कि सभी मुख्य चौक-चौराहों और मार्गों पर मजिस्ट्रेट एवं पुलिस अधिकारियों की तैनाती रहेगी। बाइक गश्ती के अलावा सोशल मीडिया पर भी पैनी नजर रखी जाएगी और किसी भी आपत्तिजनक पोस्ट पर त्वरित कार्रवाई होगी। उन्होंने बताया कि विसर्जन जुलूस के दौरान पुलिस स्कॉट की व्यवस्था की जाएगी। यातायात व्यवस्था के लिए ट्रैफिक प्लान तैयार रहेगा। रावण वध कार्यक्रम के पूर्व किला मैदान में एंटी-सबोटाज जांच भी कराई जाएगी। सभी पंडालों के आसपास पुलिस बल और पेट्रोलिंग पार्टियां तैनात रहेंगी। बैठक में उप विकास आयुक्त आकाश चौधरी, अपर समाहर्ता, जिला परिवहन पदाधिकारी, विशेष कार्य पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी बक्सर-डुमरांव, भवन और विद्युत प्रमंडल के अभियंता, सिविल सर्जन, अग्निशाम पदाधिकारी समेत जिला स्तरीय शांति समिति के सम्मानित सदस्य उपस्थित थे। डीएम और एसपी ने कहा कि दुर्गापूजा न केवल धार्मिक आस्था का पर्व है बल्कि सामाजिक सौहार्द का भी प्रतीक है। अतः सभी लोग मिलकर इसे शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से मनाएं। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नावानगर में प्रखंड स्तरीय किसान गोष्ठी का आयोजन

केटी न्यूज/नावानगर

गुरुवार को स्थानीय प्रखंड के कृषि कार्यालय परिसर में प्रखंड स्तरीय किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन प्रखंड उद्यान पदाधिकारी, कृषि विभाग के कर्मियों एवं पंचायतों से आए जागरूक किसानों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। गोष्ठी का संचालन कृषि समन्वयक शंकर दयाल यादव ने किया। गोष्ठी में खरीफ फसल के दौरान लगने वाले विभिन्न रोग-व्याधियों और उनके रोकथाम के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही किसानों को समय पर उर्वरक का प्रयोग करने, आधुनिक तकनीक अपनाने तथा फसल की देखरेख से संबंधित सुझाव दिए गए।

इस अवसर पर कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं की भी जानकारी साझा की गई, जिससे किसानों को

लाभ मिल सके। कार्यक्रम का आयोजन सहायक तकनीकी प्रबंधक अंकुर राज द्वारा किया गया। प्रखंड उद्यान पदाधिकारी ने किसानों को धान एवं गेहूं के अलावा बागवानी की फसलों की खेती करने पर जोर देते हुए बताया कि इससे आय में वृद्धि हो सकती है। उन्होंने किसानों को आम, अमरूद, सब्जियों और अन्य बागवानी फसलों की खेती अपनाने की सलाह दी। गोष्ठी में प्रखंड लेखापाल राम नारायण त्रिवेदी, कार्यपालक सहायक मोहम्मद इबरार, किसान सलाहकार अशोक कुमार सिंह, रणजीत कुमार, हरे कृष्ण गुप्ता, मुन्ना मंसूरी एवं अमित कुमार समेत बड़ी संख्या में विभागीय कर्मी उपस्थित रहे। मौके पर सैकड़ों किसान भी शामिल हुए और कृषि विभाग की योजनाओं एवं तकनीकी जानकारी का लाभ उठाया।

डुमरांव अग्निशमन कार्यालय में विश्वकर्मा पूजा का भव्य आयोजन, जवानों ने मांगी सुरक्षा और कुशलता की कामना

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव अग्निशमन कार्यालय में बुधवार को भगवान विश्वकर्मा की पूजा बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर कार्यालय परिसर को रंग-बिरंगे फूलों और गुब्बारों से सजाया गया था। अग्निशमन विभाग के जवानों ने पूरी निष्ठा और उत्साह के साथ इस कार्यक्रम का आयोजन किया। सुबह से ही पूजा की तैयारियां शुरू हो गईं थीं। कार्यालय में मौजूद सभी गाड़ियों, उपकरणों और मशीनों की साफ-सफाई कर उन्हें सजाया गया। मान्यता है कि भगवान विश्वकर्मा को मशीनों और उपकरणों का देवता माना जाता है, इसलिए उनकी पूजा कर उनसे कुशलता और सुरक्षा का आशीर्वाद मांगा जाता है। पूजा में जवानों के साथ-साथ उनके परिवार के सदस्य और स्थानीय लोग भी शामिल हुए। मुख्य पूजा दोपहर में

संपन्न हुई। पंडित जी ने विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कराई।

इस दौरान अग्निशमन कार्यालय के सभी वाहन और उपकरण पूरी तरह से बंद रहे। जवानों ने भगवान विश्वकर्मा से प्रार्थना की कि वे उन्हें और उनके उपकरणों को सुरक्षित रखें, ताकि वे हमेशा लोगों की सेवा कर सकें। पूजा के बाद प्रसाद और अन्य पारंपरिक पकवानों का भोग लगाया गया। इस दौरान कार्यालय में एक मेले जैसा माहौल बन गया था। जवानों ने एक-दूसरे को बधाई दी और मिलकर खुशियां बांटीं। अनुमंडल अग्निशमन प्रभारी शिखा कुमारी ने बताया कि यह पूजा हर साल बड़े ही उत्साह के साथ मनाई जाती है। यह न केवल हमारी संस्कृति का हिस्सा है, बल्कि यह हमारे काम के प्रति हमारी श्रद्धा को भी दशार्ता है। हम सभी भगवान से प्रार्थना करते हैं कि वे हमें हर चुनौती का सामना करने की शक्ति दें और हमें हमेशा सुरक्षित रखें।

मौके पर भानू प्रताप, नीरज कुमार, अभय कुमार, संजू कुमार, मुन्ना, शिवा, मणिभूषण, राजनंदनी, आशा, रूपेश, प्रियंका सहित अन्य मौजूद थे।

जिलेभर में धूम-धाम से मना विश्वकर्मा पूजा

इसके अलावे जिलेभर में विश्वकर्मा पूजा का त्योहार धूम-धाम व पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया गया। सभी पार्ट-पुर्जे की दुकानों, इलेक्ट्रानिक दुकानों आदि जगहों पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ देवशिल्पी भगवान विश्वकर्मा की पूजा अर्चना की गई।

प्रधानमंत्री जन्मदिन पर राज्यसभा सांसद खेल महोत्सव का हुआ उद्घाटन

केटी न्यूज/बक्सर

भारतीय जनता पार्टी के नेता और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर 2025 को बक्सर किला मैदान पर राज्यसभा खेल महोत्सव का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन केन्द्रीय कोयला मंत्री सतीश चंद्र दूबे ने किया, मुख्य अतिथि के रूप में बिहार विधान सभा के सभापति अवधेश नारायण सिंह मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा के जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश भुवन तथा संचालन जिला उपाध्यक्ष पुनीत सिंह ने किया। स्वागत भाषण में भाजपा नेताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर यह खेल महोत्सव अपने आप में एक भावनात्मक वातावरण को विकसित करने का भाग है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी जीवन

में खेल के महत्व को प्राथमिकता दे कर बच्चों और बच्चीयों के साथ-साथ राष्ट्र के निर्माण में खेल की महता को समझा है। उन्होंने कहा कि खेल की सकारात्मक भावनाओं से भाई चारा की उत्पत्ति होती है, जिससे राष्ट्रीय भावना को बल मिलता है। नेताओं का कहना था कि कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में खेलों के प्रति रुचि बढ़ाना, गांव गली में छिपी हुई प्रतीभा को सामने लाने के साथ क्षेत्रीय स्तर पर खेल संस्कृति को बढ़ावा देना है। उनका कहना था कि भारत सरकार के सहयोग से बिहार की एनडीए सरकार के मुखिया नीतीश कुमार के नेतृत्व में खिलाड़ीयों के लिए अनेकों योजनाएं चल रही है जिसमें मेडल लाओ नौकरी पाओ, खेल छात्रवृत्ति योजना, 8053 पंचायतों में खेल मैदान, ब्लॉक स्तर पर स्टेडियम, जिला स्तर पर मल्टी पर्पज हॉल, जिम और स्टैडियम, सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए विशेष छूट आदि कई सराहनीय कार्य सरकार ने चला रखा है। मानव जीवन में खेल का महत्वपूर्ण स्थान है। खेल से खिलाड़ी के साथ साथ देश का भी सर्वांगिण बिकास होता है। कार्यक्रम के अंत में

ध्यनवाद ज्ञापन दुर्गेश उपाध्याय संयोजक क्रीड़ा मंच बक्सर ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अरविंद कुमार ओझा उर्फ बबलू ओझा की सराहनीय भूमिका रही। साथ ही संतोष पाठक, प्रदीप दुबे, धन्नजय राय, रानी चौबे, कैमूर जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश पाण्डेय, अमित पाण्डेय, कृपा शंकर चौबे, धनंजय मिश्रा, सतीश दुबे, रमेश गुप्ता, संध्या पाण्डेय, वर्षा पाण्डेय, जय प्रकाश राय, सतीश दूबे, उमाशंकर पाण्डेय, तेज प्रताप छोटे, विनय उपाध्याय, संजय साह,अभिनन्दन सिंह तथा उमाशंकर राय जिला मीडिया प्रभारी भाजपा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अनया थाना से शक्तिद्वार तक रोड निर्माण शुरू होने से नगरवासियों में खुशी

केटी न्यूज/डुमरांव।

नया थाना मोड़ से पुराना थाना रोड होते हुए शक्तिद्वार जाने वाले रोड की नींव लगभग दस दिन पहले स्थानीय विधायक अजीत कुमार कुशवाहा ने रखी थी। नींव रखने के बाद जब रोड बनाने का काम शुरू नहीं हुआ तो नगरवासियों ने विधायक से शिकायत की। विधायक ने स्टेशन रोड और नया थाना से शक्तिद्वार तक रोड बना रहे संवेदक से बात किया। बात करने के दौरान उन्होंने दशहरा पूजा को देखते हुए संवेदकों से कहा की हर हाल में 22 सितंबर 2025 तक रोड का निर्माण हो जाना चाहिए। सभी संवेदकों ने हामी भरते हुए कहा कि कम्पलीट कर दिया जाएगा। मालूम हो कि स्टेशन रोड के मरम्मतिकरण का कार्य लगभग पंद्रह रोज से शुरू है, फिर नया थाना से पुराना थाना होते हुए शक्तिद्वार तक रोड बनाने का काम दो दिन पहले शुरू किया गया। दोनों रोड के निर्माण कार्य शुरू होने से ट्रैफिक व्यवस्था चरमरा कर रह गया है। बड़े वाहनों का शहर में प्रवेश पहले ही रोक दिया गया था, वहीं छोटे वाहन टेम्पों, टैक्सी, कार व बाइक को आने-जाने की छूट मिली हुई थी। दोनो रोड में काम शुरू होने से यातायात व्यवस्था चरमरा गया था। इसकी शिकायत लोगों के द्वारा विधायक तक पहुंची फिर उन्होंने रोड बना रहे दोनों संवेदकों को तलब किया। फिर उनके साथ बैठक कर उन्हें 22 सितंबर तक रोड का निर्माण पूरा कर देने के लिये आदेशित किया। संवेदकों ने उनके प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए रोड का निर्माण करा देने की बात कही। विधायक की पहल किये जाने को लेकर लोगों में खुशी व्याप्त है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद कुमार चक्रवर्ती ने किया और मंच संचालक इंजीनियर विशाल कुशवाहा ने किया

अंबेडकर कल्याण संघ ने पेरियार साहब का धूमधाम से मनाया जयंती

केटी न्यूज/रोहतास

अखिल भारतीय अंबेडकर कल्याण संघ के तत्वाधान में ईवी रामासामी पेरियार का जन्मदिवस एक सभागार में मनाया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद कुमार चक्रवर्ती ने किया और मंच संचालक इंजीनियर विशाल कुशवाहा ने किया। कार्यक्रम का उद्घाटन काराकाट के सांसद राजाराम सिंह ने किया।

अवसर पर राजा राम सिंह ने बताया कि पेरियार साहब ईश्वर में विश्वास नहीं रखते थे और वे द्रविड़ आंदोलन के बहुत बड़े नेता थे। महिलाओं, अछूतों और समाज के वंचित वर्गों के लिए वे काफी संघर्ष किये। मंदिर प्रवेश के लिए उन्होंने

अछूतों के खातिर आंदोलन किया। रामास्वामी पेरियार बहुत बड़े समाज सुधारक थे। जो छुआछूत उच्च नीच भेदभाव का विरोध करते थे। समाज में गैर बराबरी के विरोध और महिलाओं को उचित स्थान दिलाने के लिए वह हमेशा संघर्ष करते रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में बिहार सरकार के पूर्व मंत्री और नोखा के विधायक अनीता देवी ने बताया की पेरियार हमारे पूर्वज हैं और उनके बताए हुए रास्ते पर चलकर के ही हमारा समाज प्रगति के पथ पर जाएगा। अंधविश्वास और पाखंड से समाज को मुक्ति दिलाई जा सकती है। यदि समाज को मुख्य धारा में लाना है तो उनके विचार को अमल में लाना होगा. उन्होंने बताया की हमारा मुक्ति का मार्ग मंदिर नहीं विद्यालय है आपको धार्मिक किताबों के साथ-साथ संविधान को अवश्य पढ़ाना चाहिए। संविधान हमारा अधिकार दिलाता है। कार्यक्रम में विशिष्ट स्थिति के रूप में उपस्थित अरवल के पूर्व विधायक रविंद्र सिंह ने बताया कि धर्म एक मकर जाल है जो आपको मानसिक गुलाम बनाता है और विज्ञान से दूर करता है। प्रगतिशील समाज को हमेशा विज्ञान का साथ देना चाहिए। विज्ञान के बिना जीवन में कुछ भी संभव नहीं है। तार्किक जीवन मनुष्य को प्रगति के पद पर ले जाता है। कामरेड अशोक बैठा ने बताया कि यदि विज्ञान नहीं रहेगा तो मनुष्य नंगा हो जाएगा हमारे पास जो भी संसाधन है वह सब विज्ञान का है. कपड़ा चश्मा मोबाइल टीवी यह सारा चीज विज्ञान का है इसमें धर्म का इसमें कोई योगदान नहीं है। इसलिए हमें विज्ञान के पथ पर चलना चाहिए। भाजपा नेता मंटू यादव ने बताया कि हमें पाखंडवाद से दूर रहना चाहिए तभी हमारे बहुजन समाज का कल्याण संभव है अथवा हम मनुवादी लोगों के गुलाम रहेंगे, जो हमें मानसिक गुलाम बनाता है। लोहिया विचार मंच के संयोजक संजय सिंह ने कहा कि जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण मिलना चाहिए और कॉलेजियम सिस्टम को खत्म करना चाहिए तो ही इस देश के वंचितों का उद्धार होगा। कार्यक्रम में जेपी सेनानी वशिष्ठ सिंह, तेज प्रताप यादव, सुग्रीव यादव, संतोष पासवान,परमहंस कुमार,अशोक पासवान राहुल कुमार,प्रेम प्रकाश चंद्रवंशी, धर्मेंद्र कुमार,अनिल कुमार, शिवजी यादव, नगीना सिंह, नैना देवी,किरण देवी, राजो देवी,ज्योति देवी, चन्द्रावती कुंवर, चंदा देवी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

अमित शाह बोले : बिहार में फिर से बनानी है प्रचंड बहुमत की सरकार

डेहरी में भाजपा की क्षेत्रीय बैठक

केटी न्यूज/रोहतास

भारतीय जनता पार्टी के शाहाबाद एवं मगध प्रमंडल की क्षेत्रीय बैठक गुरुवार को डेहरी में आयोजित हुई। इस बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह चुनाव केवल सरकार बनाने का नहीं बल्कि प्रचंड बहुमत की सरकार बनाने का है। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे गांव-गांव, घर-घर जाकर नरेंद्र मोदीझनीतीश कुमार की सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों को जनता तक पहुंचाएं। शाह ने कहा कि एनडीए की सरकार ने बिहार में

हर घर को 125 यूनिट मुफ्त बिजली दी है, विधवा, बुजुर्गों और दिव्यांगों की पेंशन 1100 रुपये की गई है, ममता एवं आशा कार्यकताओं, रसोइयों, रात्रि प्रहरियों और शारीरिक शिक्षकों का मानदेय बढ़ाया गया है। युवाओं के लिए भी कई योजनाएं लागू की गई हैं। गृह मंत्री ने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि लालू प्रसाद यादव ने जीवनभर मुख्यमंत्री रहते हुए भी वह काम नहीं कर सकते जो एनडीए सरकार ने किया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष सिर्फ भ्रष्टाचार में डूबा रहा। बोफोर्स, चारा, लैंड फॉर जॉब, रेलवे जमीन और बेनामी संपत्ति जैसे घोटाले इसकी गवाही देते हैं। शाह ने कहा कि एक तरफ भ्रष्टाचारियों की लंबी सूची है, दूसरी तरफ 24 साल से प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के रूप में जनता की सेवा करने वाले नरेंद्र मोदी हैं, जिन पर कभी कोई आरोप नहीं लगा। उन्होंने कहा कि बिहार के विकास के बिना विकसित भारत की परिकल्पना संभव नहीं है, इसलिए कार्यकर्ता जनता को समझाएं कि बिहार का भविष्य नरेंद्र मोदी के साथ ही सुरक्षित है। वर्ष 2047 तक प्रधानमंत्री की परिकल्पना विकसित भारत बनाने की है। बैठक में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने भी कार्यकताओं को संबोधित किया। कार्यक्रम में शाहाबाद और मगध प्रमंडल के भाजपा कार्यकर्ता भारी संख्या में शामिल हुए और उत्साहित नजर आए। मंच पर गृहमंत्री अमित शाह के साथ उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के अलावा भाजपा के वरीय नेता राजेश वर्मा, ऋतुराज सिन्हा, भीखू भाई दलसानिया, विनोद तावड़े, प्रेम कुमार, गोपाल नारायण सिंह, डॉ. अजय और विवेक ठाकुर, संतोष सिंह,पूर्व विधायक राजेश्वर राज,सहित कई नेता मौजूद रहे।

राष्ट्रीय पोषण माह कार्यक्रम का बीडीओ ने हरी झंडी दिखा किया शुभारंभ

केटी न्यूज/रोहतास

काराकाट प्रखंड के गोड़ारी स्थित बाल विकास परियोजना कार्यालय में पोषण माह एवं स्वीप कार्यक्रम का आयोजन बड़े उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बीडीओ राहुल कुमार सिंह एवं बाल विकास परियोजना पदाधिकारी रीता कुमारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया । कार्यक्रम के दौरान महिला पर्यवेक्षिका मीना देवी एवं सभी सेविकाओं ने पोषण संबंधी स्टॉल लगाकर विभिन्न प्रकार के पौष्टिक व्यंजनों का प्रदर्शन किया। इस पहल के जरिए उपस्थित जनसमूह को संतुलित आहार और पोषण के महत्व से अवगत कराया गया। इसी क्रम में स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता रैली का भी आयोजन किया गया । रैली में शामिल प्रतिभागियों ने आगामी चुनावों में शत-प्रतिशत मतदान की अपील करते हुए लोगों को जागरूक करने का संदेश दिया। इसके साथ ही कार्यक्रम स्थल पर रंगोली बनाकर पोषण माह एवं मतदाता जागरूकता का संदेश भी प्रस्तुत किया गया । इस अवसर पर प्रखंड के सभी अधिकारी, आंगनबाड़ी सेविकाएं एवं अन्य कर्मी लोग मौजूद रहे।

अखिल भारतीय परिवार ने माता गायत्री का मनाया 11वीं स्थापना दिवस

केटी न्यूज/रोहतास

अखिल भारतीय गायत्री परिवार के तरफ से हर साल की भांति 18 से 25 सितंबर को 11वीं गायत्री माता स्थापना दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ महावीर मंदिर दिनारा के पावन पुनीत एवं पवित्र प्रांगण में मनाया गया । सुबह में हवन यज्ञ प्रवचन हुआ दोपहर में प्रसाद का पान किया गया और द्वितीय पाली में प्रवचन एवं यज्ञ के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से आओ गढ़ए

संस्कारवान पीढी।

बच्चों को संस्कारवान बनाए। मौके पर ज्वाला सिंह लक्ष्मण चौबे सत्यनारायण सिंह जगनारायण शाह बृजेश सिंह, रामजी सिंह, विकास कुमार, मनोज सिंह, जिला समन्वयक, संचालक राधा मोहन चौधरी, धनंजय राम, दया शंकर सिंह, मोहित कुमार, हनुमान सहित दिनारा क्षेत्र के सभी गायत्री परिवार की महिला उपस्थित रही। शक्तिपीठ सासाराम के ओझा जी संचालक उपस्थित थे। प्रवचनकर्ता तहत टोली चौगाई के टीम शामिल थी। टीम लीडर राजेंद्र प्रसाद सिंह,गायत्री चेतन केंद्र गंगा बलिया से सत्यनारायण सिंह, जवाहर सिंह, टमाटर सिंह, वरुण देव, मुनि सिंह, वीरेंद्र, बृज किशोर राय,बसंती देवी, रामवती देवी, आशा देवी, रविता देवी सहित समस्त गायत्री परिवार शामिल हुआ।

स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण पर बीडीओ के साथ अधिकारियों ने लिया संकल्प

काराकाट । लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत 17 सितंबर स्वच्छ उत्सव कार्यक्रम का सफल आयोजन काराकाट प्रखंड कार्यालय गोड़ारी परिसर में किया गया। कार्यक्रम के दौरान वृक्षारोपण सह स्वच्छता शपथ का आयोजन कर उपस्थित लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर काराकाट प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल कुमार सिंह एवं प्रखंड समन्वयक आलोक आनंद सहित अन्य कर्मी मौजूद रहे। जबकि अधिकारियों एवं कर्मियों ने सामूहिक रूप से अपने घर,आसपास के वातावरण एवं पर्यावरण को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया। मौके पर अधिकारियों ने कहा कि स्वच्छता से ही समाज स्वस्थ और सुंदर बन सकता है। वृक्षारोपण एवं स्वच्छता अभियान को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित होकर स्वच्छ भारत के निर्माण में सहयोग करने का वचन लिया।

एक नजर

शिक्षक के आकस्मिक निधन से विद्यालय में शोक की लहर

बिक्रमगंज। स्थानीय प्रखंड के जोन्ही गांव निवासी स्व. रामजी सिंह के करीब 44 वर्षीय पुत्र एवं दिनारा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय हरिवंशपुर में शिक्षक पद पर कार्यरत राघवेंद्र कुमार सिंह उर्फ टिंकू सिंह के आकस्मिक निधन से पूरे प्रखंड, गांव एवं विद्यालय परिवार में शोक की लहर दौड़ गई । जानकारी के अनुसार स्वर्गीय राघवेंद्र कुमार सिंह अपने पीछे पत्नी प्रीति सिंह,करीब सात वर्षीय बड़े पुत्र सक्षम एवं करीब पांच वर्षीय पुत्री समीक्षा व पुत्र संभव तीन बच्चों समेत भरा-पूरा परिवार छोड़ अचानक इस दुनिया को अलविदा कह गए । उनके असामयिक निधन की खबर मिलते ही क्षेत्र में गम का माहौल छा गया। गुरुवार की सुबह उनके पैतृक आवास पर अंतिम श्रद्धांजलि देने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। सभी ने श्रद्धा सुमन अर्पित कर स्वर्गीय सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि दी । उपस्थित लोगों ने उनके बताए गए दिशा-निदेर्शों और आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। उनकी अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, सहकर्मी शिक्षकों एवं गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। मौत की खबर के बाद पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसरा है।

कल्याणी फीडर का आज 9 घंटे तक ठप रहेगी विद्युत आपूर्ति

बिक्रमगंज । विद्युत आपूर्ति प्रशाखा सूर्यपुरा अंतर्गत 33 केवी कल्याणी फीडर के निकट 132 केवी नया लाइन का निर्माण होने व पीरो से बिक्रमगंज ट्रांसमिशन लाइन के द्वितीय सर्किट स्ट्रिंगिंग का प्रोग्रामिंग कार्य चलने को लेकर 11 केवी कल्याणी फीडर का विद्युत आपूर्ति 19 सितम्बर दिन शुक्रवार यानी आज सुबह 8 बजे से 17 यानी पांच बजे तक बन्द रहेगी, कनीय विद्युत अभियंता सूर्यपुरा आनंद कुमार ने सभी उपभोक्ताओं से आग्रह किया गया है कि विद्युत आपूर्ति बंद होने से पहले ही बिजली संबंधित अपना जरूरी काम निपटा लेंगे।

जन्मदिन : प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश लिख रहा विकास का नया इतिहास : डॉ. मनीष

बिक्रमगंज । काराकाट भाजपा नेता सह प्रदेश कार्य समिति सदस्य डॉ. मनीष रंजन ने पीएम नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन पर उन्हें हार्दिक बधाई दी। जन्मदिन के अवसर पर डॉ. मनीष ने केक काट सभी एनडीए कार्यकताओं को खिला प्रधानमंत्री के जन्मदिन को धूमधाम से मनाया। साथ ही प्रधानमंत्री के लिए स्वस्थ,सार्थक, सामंजस्यपूर्ण, समावेशी और सकारात्मक जीवन की कामना की। भाजपा नेता डॉ. मनीष ने पीएम मोदी के कार्यकाल को एक परिवर्तनकारी काल बताया। जिसने भारत को एक वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित किया। जो मोदी के 'सबका साथ-सबका विकास' के दृष्टिकोण ने देश भर के नागरिकों को सशक्त बनाया है। जबकि जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी के बाद मोदी भारत के तीसरे सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले प्रधानमंत्री हैं और निर्बाध कार्यकाल के मामले में दूसरे स्थान पर हैं। यदि भाजपा 80 के दशक के अंत में अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी के दोहरे नेतृत्व में कांग्रेस के लिए मुख्य चुनौती बनकर उभरी थी, तो मोदी के नेतृत्व में इसने मुख्य विपक्षी पार्टी को लोकप्रिय समर्थन और चुनावी प्रभुत्व में बहुत पीछे छोड़ दिया है। क्योंकि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा अब देश की एक लोकप्रिय पार्टी बन गई हैं। जो देश की जनता के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आइकॉन बन गए हैं। जिनके कार्यकाल में भारत के विकास की गाथा पूरे विश्व में चर्चा का विषय बना हैं। दूसरी तरफ आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन पीएम मोदी के नेतृत्व में प्रभावशाली जीत हासिल कर पुनः एक बार एनडीए का सरकार बनायेगा।

अनुमंडल क्षेत्र में धूमधाम से भगवान विश्वकर्मा का लोगों ने किया पूजन

बिक्रमगंज । अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत सभी प्रखंडों के सभी कस्बों में बड़े ही धूमधाम से विश्वकर्मा पूजा मनाया गया। जो हर वर्ष 17 सितंबर को पूरे बिक्रमगंज अनुमंडल में बड़े ही उत्साह और श्रद्धा के साथ विश्वकर्मा जयंती मनाई जाती है। उसी क्रम में विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल बिक्रमगंज के विभिन्न प्रशाखओं मे धूमधाम से विश्वकर्मा पूजा मनाई गयी। इस दिन ग्रहों के राजा सूर्य कन्या राशि में प्रवेश करते हैं, इसलिए कन्या संक्रांति भी मनाई जाती है। मान्यता है कि इस दिन भगवान विश्वकर्मा का जन्म हुआ था। वे सृष्टि के रचयिता भगवान ब्रह्मा के सातवें पुत्र माने जाते हैं। यही नहीं भगवान विश्वकर्मा को संसार का प्रथम शिल्पकार और इंजीनियर भी कहा जाता है और इस तिथि पर उनकी उपासना से व्यक्ति के कारोबार में आ रही समस्याएं दूर होती हैं और व्यापार आगे बढ़ता है। हिंदू धर्म में इस दिन का विशेष महत्व माना जाता है। इसलिए विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर सभी कारखानों,दुकानों और दफ्तरों में औजारों व मशीनों की पूजा की गई।

छापेमारी कर पुलिस ने नशे की पदार्थ बिक्री करने वाले तीन लोगों को भेजा जेल

बिक्रमगंज । स्थानीय थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम घुसियां कला पानी टंकी स्थित रंगीला पान दुकान के गुमटी से गांजा एवं धनगाई वार्ड संख्या 10 स्थित मुन्ना प्रसाद के घर से पुलिस ने हिरोईन सेवन मादक पदार्थ की बरामदगी की है प्रेस विज्ञप्ति जारी कर रोहतास एसपी रौशन कुमार ने बताया कि बुधवार 17 सितंबर को ग्राम घुसियां कला पानी टंकी स्थित रंगीला पान दुकान की गुमटी से भान प्रकाश मौर्या नाम के व्यक्ति द्वारा गांजा की बिक्री एवं धनगाई वार्ड संख्या 10 स्थित मुन्ना प्रसाद के द्वारा हिरोईन को अपने घर में भंडार किए जाने की गुप्त सूचना पर सहायक पुलिस अधीक्षक सह अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बिक्रमगंज संकेत कुमार के निर्देशन में एक छापेमारी दल का गठन किया गया।

मुख्यमंत्री बालिका कैंसर प्रतिरक्षण योजना के अंतर्गत छात्राओं ने ली एचपीवी टीका

केटी न्यूज/रोहतास

काराकाट (रोहतास) काराकाट प्रखंड में गुरुवार को मुख्यमंत्री बालिका कैंसर प्रतिरक्षण योजना के तहत छात्राओं को एचपीवी का टीका लगाया गया। यह टीकाकरण अभियान महिलाओं में बढ़ते सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के उद्देश्य से विभिन्न विद्यालयों में यूनिसेफ बीएमसी पदाधिकारी प्रमीत कुमार के नेतृत्व में चलाया गया। बीएमसी पदाधिकारी प्रमीत कुमार ने कहा कि मानव पैपिलोमावायरस (एचपीवी) का टीकाकरण कार्यक्रम आयोजित करना, गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर जैसी बीमारियों को रोकने की दिशा में एक महत्वपूर्ण

कदम है। यह कार्यक्रम आमतौर पर 9-14 वर्ष की लड़कियों के लिए लक्षित होता है, जिसमें माता-पिता की सहमति और शिक्षा महत्वपूर्ण होती है। इस अभियान के तहत लगभग तीन सौ छात्राओं को ह्यूमन पैपिलोमा वायरस-एचपीवी का टीका लगाया गया। यह टीका उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय मोहनपुर, राधा रमेश उच्च एवं मध्य काराकाट और कन्या मध्य विद्यालय मोथा सहित अन्य विद्यालयों में लगाया गया। पीएचसी के प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. राजीव कुमार ने विद्यालयों पर लगे शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने शिविर में कार्यरत चिकित्सक और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डॉ. सिन्हा ने बताया कि इस योजना के तहत 9 से 14 वर्ष की आयु की सभी बालिकाओं को यह टीका लगाया जा रहा है। एचपीवी टीका गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर सहित कई अन्य गंभीर बीमारियों से बचाव में सहायक है। एक अनुमान के अनुसार, यह टीका 90 प्रतिशत तक कैंसर के मामलों को रोकने में प्रभावी हो सकता है। प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक कौशलेंद्र शर्मा ने बताया कि टीकाकरण अभियान सुचारु रूप से संपन्न हुआ।

प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर महाविद्यालय में मनाया गया स्वच्छता अभियान

केटी न्यूज/रोहतास

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर नागेंद्र झा महिला महाविद्यालय परिवार बिक्रमगंज द्वारा स्वच्छता दिवस के रूप में महाविद्यालय प्रांगण के साथ-साथ आसपास मोहल्ले में स्वच्छता अभियान चलाया गया। महाविद्यालय के इर्द-गिर्द स्थानों की साफ-सफाई कर इसे समय-समय पर कार्य रूप देते हुए छात्र-छात्राओं एवं उपस्थित जन समुदाय से जनजागरण करने का निर्णय लिया गया। महाविद्यालय के संस्थापक सचिव सह भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य प्रो० डॉ बलिराम मिश्रा के मार्गदर्शन में स्वच्छता अभियान का श्रीगणेश किया गया। स्वच्छता अभियान पर

विशेष बल देते हुए प्रोफेसर मिश्रा ने कहा कि स्वच्छता किसी परिवार,समाज,गांव या देश के विकास का दर्पण होता है। मौके पर नगर अध्यक्ष नागेश्वर कुशवाहा,नगर महामंत्री सुदर्शन प्रसाद वैश्य,भाजपा नेता रवि पान्डेय, महाविद्यालय प्राचार्य डॉ०अमरेंद्र मिश्रा,निलेश तिवारी, विजय मिश्रा,मृत्युंजय पाठक,धनंजय ओझा, मो. एनएम कुरैसी,महेंद्र साह,कंप्यूटर शिक्षिका चांदनी कुमारी,छात्रा माही कुमारी,आशु कुमारी, होमा प्रवीन,सलोनी कुमारी,नंदनी कुमारी,वर्षा कुमारी, नित्या मिश्रा सहित छात्राओं उपस्थित थे।

10 पिचें और इनडोर हॉल, होगी वर्ल्ड क्लास सुविधा

पटना में बनेगा एक और इंटरनेशनल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स!

एजेंसी। पटना

बिहार की राजधानी पटना के गर्दनीबाग में भवन निर्माण विभाग द्वारा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण कराया जायेगा. इस स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 10 पिचें बनाई जाएंगी. इसके अलावे 5 पिचें खिलाड़ियों के अभ्यास के लिए बनाई जाएंगी. इससे खिलाड़ियों को खेल और अभ्यास के लिए ज्यादा स्पेस मिलेगा. लगभग 9.64 एकड़ भूमि पर इस स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के निर्माण के लिए 28.66 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है. स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 6070 मीटर का क्रिकेट ग्राउंड विकसित किया जाएगा. यहां दर्शकों के लिए बैठने की व्यवस्था होगी.

इसके अलावा 36.18 मीटर के दो इनडोर क्रिकेट अभ्यास हॉल बनाए जाएंगे. कॉम्प्लेक्स में क्रिकेट के अलावा बास्केटबॉल, वॉलीबॉल जैसी अन्य खेल सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी. कैंपस में दो मंजिला, 6000 वर्ग फीट का एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लॉक, जिम, शौचालय, टीम रूम और रेस्टोरेंट जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी.क्रिकेट ग्राउंड के आसपास 120900 स्क्वायर फुट का ग्रीन लैंडस्केप एरिया बनाया जाएगा. गाड़ी पार्किंग के लिए 8388 स्क्वायर फुट का कार पार्किंग एरिया और 4000 स्क्वायर फुट का टू-व्हीलर पार्किंग क्षेत्र होगा. कैंपस में 6 मीटर चौड़ा ड्राइववे भी बनाया जाएगा जिससे गाड़ियों को आने-जाने में आसानी होगी. भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि ने बताया कि स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के लिए जल्द ही निर्माण का काम शुरू कर दिया जाएगा. उन्होंने कहा कि यह कॉम्प्लेक्स लेटेस्ट टेक्नोलॉजी और सुविधाओं से लैस होगा. पटना के कंकड़बाग में पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स है. यह बिहार राज्य खेल प्राधिकरण (BSSA) के तहत संचालित होता है. यहां इंडोर और आउटडोर दोनों खेलों की सुविधा है. इस 16 एकड़ में फैले कॉम्प्लेक्स में एक 400 मीटर एथलेटिक ट्रैक, एक स्विमिंग पूल, जिम और 200 खिलाड़ियों के ठहरने की सुविधा है. यहां फुटबॉल, कबड्डी, वॉलीबॉल, टेबल टेनिस और मुक्केबाजी जैसे कई खेलों का आयोजन होता है।

पूर्णिया में साइबर गिरोह का भंडाफोड़, पीएम की रैली में उड़ाए थे लोगों के फोन, 81 मोबाइल बरामद

एजेंसी। पूर्णिया

बिहार के पूर्णिया जिले के सहायक खजांची थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक साइबर ठग गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जो मोबाइल की चोरी कर उससे यूपीआई के जरिए एक फेक अकाउंट बनाकर उसमें पैसा ट्रांसफर कर लेते थे और फिर मोबाइल को बेच देते थे. पकड़े गए लोगों ने हाल ही में पूर्णिया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हुई जनसभा में 23 लोगों के फोन उड़ाए थे. पुलिस के एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि सहायक खजांची थानाध्यक्ष को गुप्त सूचना मिली कि सात व्यक्ति चोरी के मोबाइल के साथ पश्चिम बंगाल जाने की तैयारी में पूर्णिया बस स्टैंड में बैठे हैं.इस सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए सहायक खजांची थानाध्यक्ष के द्वारा एक गश्ती दल को पूर्णिया बस स्टैंड भेजा गया. गश्ती दल के बस स्टैंड पहुंचने पर पुलिस की गाड़ी को देखकर बस स्टैंड पर बैठे सभी सात व्यक्ति घबरा गए. पुलिस ने शक के आधार पर सभी सातों व्यक्ति को पुलिस हिरासत में लेकर तलाशी ली, तो उनके पास से चोरी के 81 मोबाइल सहित कुल 84 मोबाइल बरामद किए गए. पूर्णिया की पुलिस अधीक्षक स्वीटी सहरावत ने बताया कि बरामद सभी मोबाइल को जब्त करते हुए पकड़े गए सभी लोगों को गिरफ्तार किया गया. गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध अग्रतर कार्रवाई की जा रही है. उन्होंने बताया कि इनके पास से आठ सिम कार्ड और चार आधार कार्ड भी बरामद किए गए हैं।

युवाओं के लिए नीतीश कुमार का बड़ा तोहफा!

20 से 25 साल के स्नातक पास युवाओं को अब मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता

एजेंसी। पटना

बिहार सरकार ने ग्रेजुएट बेरोजगार युवाओं को बड़ी सौगात दी है. 20 से 25 साल के स्नातक पास युवाओं को अब ह्लमुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ताह्व योजना के तहत हर महीने 1000 रुपये दो साल तक मिलेंगे. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बताया कि यह कदम युवाओं को रोजगार, प्रतियोगी परीक्षाओं व स्किल डेवलपमेंट में सहायक होगा. मुख्यमंत्री ने बताया कि यह सुविधा उन ग्रेजुएट युवाओं को दी जाएगी जो नौकरी या स्वरोजगार के लिए प्रयासरत हैं लेकिन इस समय उनके पास न तो रोजगार है और न ही किसी प्रकार का नियोजन. अब तक इस योजना का लाभ केवल इंटर पास बेरोजगार युवाओं को मिल रहा था, लेकिन राज्य सरकार ने इसे विस्तार देते हुए ग्रेजुएट युवाओं को भी इसमें शामिल करने का फैसला लिया है. नीतीश कुमार ने अपने संदेश में लिखा कि नवंबर 2005 में नई सरकार बनने के बाद से ही राज्य सरकार की प्राथमिकता अधिक से अधिक युवाओं को नौकरी और रोजगार उपलब्ध कराना रही है. उन्होंने कहा कि अगले पांच सालों में एक करोड़ युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार देने का लक्ष्य तय किया गया है. इसके लिए सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर अवसर सृजित किए जाएंगे.इस निर्णय से बिहार के हजारों स्नातक पास युवाओं को राहत मिलने की उम्मीद है. अभी तक इंटर पास विद्यार्थियों को यह भत्ता दिया जा रहा था, लेकिन स्नातक स्तर के बेरोजगार युवा लंबे समय से इस तरह की योजना की मांग कर रहे थे. सरकार के इस कदम को युवाओं के लिए एक और बड़ा तोहफा माना जा रहा है।

युवाओं के लिए सहायक होगा ये कदम

मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य के युवाओं को इस लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए व्यापक स्तर पर स्किल डेवलपमेंट का काम उपलब्ध कराया जा रहा है, ताकि वे अपनी योग्यता और क्षमता के अनुसार काम पा सकें. उनका कहना था कि यह भत्ता केवल आर्थिक मदद नहीं बल्कि युवाओं के भविष्य निर्माण की दिशा में एक सहायक कदम है।

हर युवा हो सक्षम: नीतीश कुमार

उन्होंने उम्मीद जताई कि यह सहायता राशि स्नातक उत्तीर्ण युवक-युवतियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, आवश्यक प्रशिक्षण प्राप्त करने और स्वरोजगार की दिशा में पहल करने में सहायक होगी. मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार चाहती है कि राज्य का हर युवा सक्षम और सशक्त बनकर अपने दम पर सुरक्षित भविष्य की राह तैयार कर सके।

नई सरकार में नौकरी देना रहा पहला काम

नीतीश कुमार ने अपने संदेश में लिखा कि नवंबर 2005 में नई सरकार बनने के बाद से ही राज्य सरकार की प्राथमिकता अधिक से अधिक युवाओं को नौकरी और रोजगार उपलब्ध कराना रही है. उन्होंने कहा कि अगले पांच सालों में एक करोड़ युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार देने का लक्ष्य तय किया गया है. इसके लिए सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर अवसर सृजित किए जाएंगे।

सहरसा नगर निगम में 70-80 करोड़ के गबन का खुलासा, जांच के लिए पहुंची उड़नदस्ता टीम

एजेंसी। सहरसा

सहरसा नगर निगम अपने कारनामों से हमेशा सुर्खियों में रहता है, इसी को लेकर बुधवार चार सदस्यी उड़नदस्ता प्रकोष्ठ की जांच टीम सहरसा पहुंची. नगर विकास एवं आवास विभाग के जरिए गठित जांच टीम नगर निगम में 70 से 80 करोड़ के गबन के शिकायत पर जांच पर पहुंची थी. चार सदस्यीय जांच टीम जब नगर निगम के कर्मी से अभिलेख उपलब्ध कराने को कहा तो अभिलेख उपलब्ध नहीं कराया गया. हालांकि जेम पोर्टल के यूजर आईडी के माध्यम से जांच हो रही है. जांच करने आए हरेंद्र कुमार उपाध्याय अधीक्षण अभियंता (उड़नदस्ता) नगर विकास एवं आवास विभाग ने जानकारी देते हुए कहा कि तत्कालीन प्रभारी नगर आयुक्त अनुभूति श्रीवास्तव के समय जेम पोर्टल से खरीद की गई. सामानों में 70 से 80 करोड़ रुपया का गबन का परिवाद दायर किया गया था. जेम पोर्टल का यूजर आईडी उपलब्ध कराया गया है. अभिलेख उपलब्ध कराए जाने के बाद जांच की जाएगी. वहीं नगर निगम के कर्मी के जरिए जांच टीम के जरिए अभिलेख मांगे जाने पर अभिलेख उपलब्ध नहीं कराया गया और जांच में सहयोग नहीं किए जाने का इशारे-इशारे में बात कही।

बिहार में दर्दनाक हादसा : डैम में नहाने गए 8 युवक डूबे, 2 की मौत से मचा हड़कंप

नालंदा । बिहार के नालंदा जिले से एक दर्दनाक हादसा की खबर आई है, जहां नहाने गए दो युवकों की डूबने से मौत हो गई। घटना राजगीर थाना क्षेत्र के गिरियक घोड़ा कटोरा स्थित पंचाने नदी डैम में बुधवार की है। मृतकों की पहचान सिलाव थाना क्षेत्र के करिअन्ना गांव निवासी असलम आलम मलिक का 19 वर्षीय पुत्र फैसल आलम और मोहम्मद अशरफ आलम का 23 वर्षीय पुत्र अनस आलम के रूप में की गई है। जानकारी के मुताबिक, गांव के लगभग आठ युवक दोपहर में नहाने के लिए पंचाने नदी डैम गए थे। वहीं, पानी में उतरते समय सभी युवक एक साथ गहराई में चले गए और डूबने लगे। इस स्थिति में शोर मच गया और मौके पर मौजूद लोगों ने आनन-फानन में मुश्किल से छह युवक की जान बचा पाए। लेकिन दो युवकों को गहरे पानी से निकालने में देरी हुई। जिस कारण दोनों की मौत हो गई। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष अपने दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी।

17 विदेशी श्रद्धालुओं ने मोक्ष प्राप्ति के लिए गयाजी में किया पितरों का पिंडदान

एजेंसी। गयाजी

गयाजी में विदेश से आए मेहमानों ने शहर के देवघाट पर पिंडदान कर्मकांड किया. स्थानीय पंडा द्वारा पूरे धार्मिक विधि विधान से पिंडदान कर्मकांड की प्रक्रिया संपन्न कराई गई. विभिन्न देशों से लगभग 17 की संख्या में आए महिला-पुरुष विदेशी मेहमानों ने श्राद्ध कर्मकांड किया.इस दौरान विदेशी महिला ने बताया कि यहां आकर काफी अच्छा लगा है. आज का दिन बहुत ही खास है. ऐसा सुना था कि भारत के गयाजी में आकर पिंडदान करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है, इसी को लेकर पिंडदान कर्मकांड हमलोगों ने किया है.यह भी कहा कि स्थानीय पुरोहित के द्वारा पिंडदान कर्मकांड संपन्न कराया गया है, जिसके बाद काफी अच्छा महसूस कर रहे हैं. यहां के लोगों से भी मिलकर काफी खुशी हुई है. पहली बार गयाजी पहुंचे हुए हैं.स्थानीय पंडा ने बताया कि रूस, यूक्रेन, स्पेन सहित कई देशों के 17 महिला-पुरुष श्रद्धालु गया पहुंचे हैं, जहां पितरों की मोक्ष की प्राप्ति के लिए पिंडदान कर्मकांड किया है. धार्मिक अनुष्ठान के साथ पिंडदान कर्मकांड संपन्न कराया गया है.जानकारी के मुताबिक, इनमें से एक विदेशी के द्वारा संस्कृत भाषा की पढ़ाई उत्तर प्रदेश के बीएचयू में की जा रही है. उन्हीं से प्रेरित होकर और भी कई लोग गयाजी पहुंचे हैं, जहां विदेशी मेहमानों के द्वारा पिंडदान कर्मकांड किया गया है।

बिहार : पॉलिटेक्निक कॉलेज के प्रिंसिपल को 60 हजार रुपये घूस लेते निगरानी ने दबोचा

पटना। बिहार में आए दिन घूसखोर विजिलेंस के हत्थे चढ़ रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद घूसखोर अपनी आदतों से बाज नहीं आ रहे हैं। ऐसा लगता है कि इन्होंने घूस लेने की कसम खा ली है। रिश्वत के पैसे के आगे ये लोग जरा भी नहीं सोचते हैं कि उनके पकड़े जाने पर समाज में कितनी बदनामी होती है। बीवी-बच्चे और पूरा परिवार किसी को मुंह दिखाने के लायक नहीं बचते। पढ़े लिखे होने के बावजूद लोग घूसखोरी जैसे कृत को करते हैं और एक ना एक दिन पीड़ित की शिकायत पर निगरानी विभाग की टीम के हत्थे चढ़ जाते हैं। इस बार कैमूर के पॉलिटेक्निक कॉलेज के प्रिंसिपल को विजिलेंस ने 60 हजार रुपये घूस लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया है।

बिहार में नवरात्रि से पहले मानसून की वापसी

भारी बारिश और आंधी-तूफान का येलो अलर्ट जारी

एजेंसी। पटना

नवरात्रि के शुरू होने से पहले मानसून ने बिहार में फिर से रफ्तार पकड़ ली है। मौसम विभाग पटना में गुरुवार को राजधानी पटना समेत राज्य के कई जिलों बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। बीते 24 घंटे की अगर बात करें तो शिवहर, सीवान, नालंदा, बेतिया, रक्सौल, समस्तीपुर और गोपालगंज सहित कई जिलों भारी बारिश हुई है। भारी बारिश के चलते राज्य की नदियों के जलस्तर में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। इसके साथ ही मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों के लिए राज्य में हल्की से भारी बारिश की संभावना जताई है।मौसम विभाग पटना ने गुरुवार को जमुई, मुंगेर, बांका, भागलपुर मधुबनी, सुपौल, अररिया, पूर्णिया, कटिहार और खगड़िया में भी भारी बारिश का अलर्ट है। इसके अलावा राजधानी पटना सहित भभुआ और लखीसराय जैसे दक्षिणी जिलों में भी हल्की बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने पूरे राज्य में आंधी-तूफान और ठनका गिरने की चेतावनी देते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। साथ ही ये भी कहा गया है कि अगले दो दिनों कर पूरे राज्य में ऐसी स्थिति बनी रह सकती है।मौसम विभाग का कहना है कि राज्य में लगातार हो रही बारिश के कारण अधिकतम और न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज हो सकती है. ऐसे में बदलते मौसम में सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि बंगाल की खाड़ी में लो-प्रेशर एरिया मजबूत होने की वजह से प्रदेश में नमी का स्तर बढ़ा है और मानसून दोबारा सक्रिय हो गया है. राज्य में ऐसी स्थिति 20 सितंबर तक रहने की संभावना है।

सुभाषितम्

प्राण क्या है देशहित के लिए, देश खोकर हम जिए तो क्या जिए। - कामताप्रसाद गुरु

दो बैंकों में मर्ज होंगे देश के सारे बैंक

भारत सरकार और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया भारत के निजी और सरकारी क्षेत्र के बैंकों को 2 बैंकों में विलय करने की योजना पर काम कर रही है। राष्ट्रीयकृत बैंकों को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में तथा निजी क्षेत्र के बैंकों को एचडीएफसी बैंक में विलय कराने की योजना तैयार की जा रही है। सरकार का मानना है, भारत में दो बड़े बैंक बना दिए जाने के बाद भारतीय बैंकों को वैश्विक मानचित्र में दुनिया के 20 बड़े बैंकों की सूची में शामिल कराया जा सकता है। दो बड़े बैंक होंगे, तो वैश्विक स्तर पर भारत को इसका लाभ मिलेगा। भारत की अर्थव्यवस्था को गतिशीलता मिलेगी। अंतराष्ट्रीय प्रति स्पर्धा में भारतीय बैंक अन्तर्राष्ट्रीय बैंकों के मुकाबले में खड़े हो सकेंगे। सरकार का कहना है, अभी छोटे-छोटे बैंक होने से वैश्विक स्तर पर भारत के बैंक अपनी बेहतर भूमिका का निर्वाह नहीं कर पा रहे हैं। वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है, भारत के बैंकों की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है। जिस तरह से भारतीय बैंकों में नगदी का संकट है। बैंकों का एनपीए लगातार बढ़ता चला जा रहा है। बैंकों का मुनाफा कम हुआ है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के लाभ की राशि को सरकार हर साल प्राप्त करती है। जिसके कारण बैंकों की आंतरिक आर्थिक हालत भी खराब है। वह चाहकर भी बैंकों का जोखिम नहीं उठा सकती है। इस स्थिति से निपटने के लिए सरकार और रिजर्व बैंक ने मिलकर दो बैंकों में भारत के सभी बैंकों के विलय की योजना पर काम करना शुरू किया है। यदि सभी बैंकों का इन दो बैंकों में विलय कर दिया जाता है। तो दिवालिया होने का जो खतरा अभी दिख रहा है, वह टल जाएगा। सरकार का मानना है, आर्थिक स्थिति को बनाये रखने और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए यह जरूरी हो गया है। भारत में 2 सबसे बड़े पूंजी वाले बैंकों को तैयार किया जाए। उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार किया जाए। इससे राष्ट्रीकृत और निजी बैंकों की परिचालन लागत घटेगी। बैंकों का आर्थिक आधार आर्थिक सुधार होगा। जिसके कारण भारत के बैंकों को वैश्विक वित्तीय सहायता ज्यादा प्राप्त हो सकेगी। ग्राहकों को भी बेहतर कर्ज की सुविधा दी जा सकती है। बैंक लंबी अवधि के प्रोजेक्ट को कर्ज दे सकते हैं। इसका भारतीय अर्थव्यवस्था में असर पड़ेगा। बैंक के कारोबार में डिजिटल सेवाओं को बढ़ाने में मदद मिलेगी। वैश्विक मुद्राओं के आदान-प्रदान में भी बैंकों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। सही मायने में भारत के बैंकों की आर्थिक हालत दिन प्रतिदिन खराब होती जा रही है। 2008 के अमेरिका में आए आर्थिक संकट के कारण सैकड़ो बैंक वहां दिवालिया हो गए थे भारत की वित्तीय संस्थाओं का सबसे ज्यादा निवेश शेयर बाजार में है। शेयर बाजार में अस्थिरता देखने को मिल रही है। इसका असर बैंकों पर पड़ना तय है। उससे बचने के लिए सरकार के सामने बैंकों के विलय के अलावा और कोई विकल्प नहीं बचा है। सरकार बैंकों का विलय करके, बैंकों के खर्च को घटाना चाहता है। कर्मचारियों की छटनी और स्थानांतरण से बैंकों के हजारों कर्मचारियों की नौकरी खत्म हो सकती है। बैंकों में इससे असंतोष भी बढ़ सकता है। छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों के बैंक उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। उपभोक्ताओं के लिए भाषा संबंधी एवं बैंकों की शाखा होने से जो विश्वास बना रहता था। उसमें अंतर आ सकता है। सिर्फ दो बैंक होने के कारण बैंकों का एकाधिकार बढ़ सकता है। जिसके कारण ग्राहकों की सुविधा और शुल्क में इसका असर देखने को मिल सकता है। बैंकिंग व्यवस्था अब हर परिवार से जुड़ी हुई है। चाहे वह गरीब हो या अमीर हो या मध्यम वर्ग हो। बैंकिंग में गरीबों की संख्या 65 फीसदी तक है, जो बैंकिंग से जुड़े हुए हैं। सरकार बैंकों को दिवालिया होने से बचाने के लिए सभी बैंकों को 2 बैंकों में विलय की तैयारी कर रही है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है, इसके जो भी परिणाम सामने आएंगे, उसका दूरगामी असर हो सकता है। पिछले एक दशक में बैंकिंग की दुनिया में भारी परिवर्तन हुआ है ऑनलाइन लेनदेन लगातार बढ़ा है। साइबर फ्रॉड भी बड़ी तेजी के साथ बढ़े हैं।

चिंतन-मनन

सम्मान करो संपूर्णता से

तुम किसी का सम्मान उसकी ईमानदारी, बुद्धिमत्ता, प्रेम और कार्य कुशलता जैसे सद्गुणों के लिए करते हो परंतु सबका के साथ-साथ इन गुणों में परिवर्तन आता है। जिसके कारण तुम उनका सम्मान नहीं कर पाते। तुम केवल सद्गुणों का, महानता का सम्मान करते हो। मैं संपूर्णता से हर एक का सम्मान करता हूं। इसीलिए किसी भी व्यक्ति के लिए मेरा सम्मान कम नहीं होता। सम्मान पाने के लिए किसी को महान होने की आवश्यकता नहीं। जीवन का सम्मान महान बनाता है। दूसरों से सम्मान की अपेक्षा मत करो। यह कमजोर बनाता है। आत्मा का सम्मान करो। तब कोई तुम्हारे आत्म सम्मान को ले नहीं सकता। जब कोई तुम्हें सम्मान देता है, तो इसलिए नहीं कि तुममे कुछ विशेष गुण हैं। यह उनकी महानता और उदारता के कारण है। यदि तुम कहते हो, ईश्वर महान है, यह तुम्हें महान बनाता है। ईश्वर तो महान हैं ही- तुम्हारे कहने से ईश्वर को कोई फर्क नहीं पड़ता। जब तुम किसी को सम्मान देते हो, यह तुम्हारी विशालता दर्शाता है। यदि तुम सबका सम्मान करते हो तो उतना अधिक तुम्हारा मोल है। वह ज्ञानी है, जो सबका सम्मान करता है। सम्मान देना उन्नत चेतना का गुण है। आत्मा के प्रति सम्मान निष्ठा है और निष्ठा है उन्मुक्त होना। जिस प्रकार तुम मुझे सम्मान देते हो, उसी तरह सबको सम्मान दो। परंतु जो अपेक्षा तुम सबसे करते हो, वह सबसे मत करो। प्रायः तुम इसका उल्टा करते हो। तुम सबको वह आदर नहीं देते, जो मुझको देते हो पर आशा करते हो कि वे तुम्हें खुशी दें, तुमसे उत्तम व्यवहार करें। जब उनका व्यवहार तुम्हारी अपेक्षानुसार नहीं होता, तब तुम निराश होते हो और उनको दोषी ठहराते हो, उनकी निन्दा करते हो। निन्दा करने से, अभिशाप देने से, तुम्हारी आध्यात्मिक शक्ति क्षीण होती है। आशीर्वाद तुम्हारी आध्यात्मिक शक्ति बढ़ाता है। सहनशीलता, धैर्य और विवेक से कुशलतापूर्वक आगे बढ़ो। यदि तुम्हारे आसपास मूर्ख हैं, तो समझो, वे तुम्हें और बुद्धिमान बनाएंगे। तुम कितने केंद्रित हो, यह तुम्हारे आसपास रहने वाले मूर्खों की संख्या से मालूम पड़ता है।

नेपाल का जेन-जी आंदोलन और दक्षिण एशिया का जनविद्रोह

-डॉ हिदायत अहमद खान

नेपाल में भले ही ओली की अप्रत्याशित विदाई के साथ ही पूर्व जस्टिस सुशीला कार्की के नेतृत्व में अंतरिम सरकार ने सत्ता संभाल ली है, लेकिन यहां हालात सामान्य होने में अभी कुछ वक्त और लगेगा। वजह साफ है कि जिस जेन-जी की वजह से तख्तापलट हुआ उसे खुश कर पाना फिलहाल किसी के वश की बात नहीं है। ऐसा कहना इसलिए सही लगता है क्योंकि इससे पहले बांग्लादेश में युवाओं ने जिस तरह से शेख हसीना की सत्ता को उखाड़ फेंका था और उसके बाद प्रमुख सलाहकार यूनुस वाली अंतरिम सरकार ने सब कुछ अपने हिसाब से करने की कोशिश की, लेकिन उससे आंदोलनकारी छात्र खुश नहीं हो सके। अब गाहे-बगाहे बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के खिलाफ भी आवाजें उठती सुनाई और दिखाई दे जाती हैं। वैसे भी यह वह समय है जिसमें दक्षिण एशिया ही नहीं बल्कि दुनियां के अधिकांश देश राजनीतिक उथल-पुथल के दौर से गुजर रहे हैं। दुनियां की तमाम शक्तियां जंग के झमेले में उलझी नजर आ रही हैं। यहां भारत के पड़ोसी देशों की ही बात कर लें तो श्रीलंका, बांग्लादेश और अब नेपाल में जनता के खासतौर पर युवाओं के असंतोष ने सरकारों को परिणाममूलक घेराव किया है। तीनों देशों में आंदोलन की शैली, युवाओं पर आधारित जनसहभागिता और सत्तात्मक प्रतिक्रिया को देखते हुए इसे

एक जनविद्रोह मॉडल की संज्ञा दी जाने लगी है। इस मॉडल में सोशल मीडिया की भूमिका, युवा शक्ति की भागीदारी और आर्थिक-सामाजिक असंतोष की गहरी जड़ें साफ झलकती हैं। यहां विचार करने वाली बात यह भी है कि यह विद्रोह दो-चार दिन में पैदा नहीं हुआ, बल्कि लगातार सुनवाई नहीं होने और संकट के विकराल रुप लेने से उपजा था। युवाओं को उचित शिक्षा के साथ ही समय पर रोजगार न मिलना और सरकार द्वारा उनका लगातार तिरस्कार करना भी एक प्रमुख कारण रहा है। तिरस्कार इस बावत कि नेता और अधिकारियों के अधिकांश बच्चे तो विदेशों में पढ़ते और अपना बेहतर भविष्य बनाते नजर आए, लेकिन देश में रहने वाले युवाओं की ओर किसी का ध्यान ही नहीं गया। इससे कुंठित युवा वर्ग एकजुट होता चला गया और धीरे-धीरे उनका विरोध जनविद्रोह मॉडल तक पहुंच गया। यहां सर्वप्रथम श्रीलंका के जनआंदोलन की बात कर लेते हैं, जो कि आर्थिक तबाही से सत्ता पलट तक चला। दरअसल श्रीलंका में हुआ साल 2022 का जनआंदोलन एक ऐतिहासिक मोड़ साबित हुआ था। तब राजपक्षे सरकार की आर्थिक नीतियां फेल होती हुई दिखीं थीं, जिस कारण देश में कर्ज.संकट सामने आया। इसके चलते विदेशी मुद्रा भंडार का खात्मा होता हुआ दिखाई दिया और लोगों पर सीमा से परे भार पड़ता दिखाई दिया। परेशान लोग सरकार के खिलाफ सड़कों पर आ गए। कहते हैं जब जनता किसी सत्ता के खिलाफ सड़क पर आ जाती है तो उसका सामना करने की ताकत किसी मानवीय शक्ति में तो नहीं ही होती है। यही वजह थी कि श्रीलंका के हालात इस कदर बिगड़े कि प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति भवन तक पर कब्जा जमा लिया। इस आंदोलन के बाद राष्ट्रपति राजपक्षे को देश छोड़कर विदेश भागना पड़ गया था। राष्ट्रपति के पलायन के साथ ही सत्ता परिवर्तन का दृष्य सामने आया। इस आंदोलन की खासियत की बात करें तो यह स्वस्फूर्त, नेतृत्वविहीन और सोशल मीडिया पर आधारित था, जो कि जंगल में लगी आग की तरह तेजी से फैला। श्रीलंका के जनआंदोलन से थोड़ा हटकर बांग्लादेश का छात्र आंदोलन रहा है। दरअसल यह आंदोलन आरक्षण व्यवस्था से शुरू हुआ और देखते ही देखते सरकार के खिलाफ हिंसक बगावत में तब्दील हो गया। यहां बताते चलें कि साल 2024 में बांग्लादेश में शुरू हुआ छात्र आंदोलन सरकारी नौकरियों में आरक्षण (कोटा) के विरोध में खड़ा किया गया था। शेख हसीना सरकार को शुरू में लगा था कि छात्रों को समझा-बुझाकर या दबाव बनाकर रास्ते में ले आएंगे, लेकिन पुलिस ने जब कठोर कार्रवाई शुरू की तो यही आंदोलन जनविद्रोह का रूप धारण कर लिया। देखते ही देखते लाखों युवा सड़कों पर उतर आए और शेख हसीना सरकार को जड़ से उखाड़ दिया। प्रारंभ में यह आंदोलन विश्वविद्यालय परिसरों से शुरू हुआ जो पूरे देश में फैल गया। शांतिपूर्ण आंदोलन कब हिंसक रुप अख्तियार कर लिया समझ से परे रहा और इसमें सैकड़ों मौतें हुईं और इस कारण सरकार गिरती दिखी। तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को भारत में शरण लेना पड़ी। जेल में कैद राजनीतिज्ञों की रिहाई के साथ ही अंतरिम सरकर बनी जिसके प्रमुख सलाहकार यूनुस को बना दिया गया। कुछ ऐसी ही तस्वीर हाल ही में नेपाल में भी बनती देखी गई, जबकि प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सरकार के खिलाफ जेन-जी (26 वर्ष से कम उम्र के युवा) सोशल मीडिया प्रतिबंध और भ्रष्टाचार के विरोध में सड़कों पर उतर आए। इन आंदोलनकारी युवाओं ने संसद को घेरने और सरकारी भवनों पर कब्जे करने से लेकर हागजनी की घटनाओं को भी खूब अंजाम दिया। आंदोलनकारी युवाओं और पुलिस के बीच हुई झड़पों में हुई मौतों ने आग में घी डालने का काम किया। गुस्साए आंदोलनकारियों ने न सिर्फ नेताओं के बंगलों और सरकारी संस्थाओं में आगजनी कि बल्कि सुप्रीम कोर्ट तक को आग के हवाले कर दिया। इस उग्र आंदोलन को देख कर किसी ने सोचा भी नहीं होगा कि सोशल मीडिया प्रतिबंध, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी का मामला इतना खतरनाक मोड़ पर आ जाएगा कि तख्तापलट करके रख देगा। सोशल मीडिया प्रतिबंध के बावजूद युवा लामबंद हुए और संसद और राजधानी काठमांडू को घेरने में कोई कोताही नहीं की। परिणाम स्वरुप ओली पर इस्तीफे का दबाव बना और देश में राजनीतिक अस्थिरता सामने आ गई। इन तीनों देशों के तख्तापलट आंदोलन पर विश्लेषणात्मक दृष्टि डालते हैं तो मालूम चलता है कि इनके जरिए राष्ट्रीय ही नहीं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर युवा शक्ति का उदय हुआ। इन तीनों ही आंदोलनों में युवाओं, खासकर छात्रों और जेन-जी पीढ़ी नेतृत्व करती नजर आई। इन आंदोलनों में सोशल मीडिया ने अहम भूमिका निभाई। आधुनिक सूचना तंत्र के तौर पर सोशल मीडिया भीड़ जुटाने में सबसे बड़ा हथियार साबित हुआ है। इन तीनों ही देशों में राजनीतिक असंतोष का विस्फोट किसी एक मुद्दे को लेकर शुरू हुआ और क्रमशः आर्थिक संकट, कोटा और सोशल मीडिया प्रतिबंध ने एक तरह से सूखी घांस में चिंगारी गिराने का काम किया। इस आग में घी डालने का काम भीतर ही भीतर लंबे समय से युवाओं के मन में दबा गुस्से ने किया। तत्कालीन सरकारें युवाओं को आंदोलन के रास्ते जाने से रोक भी सकती थीं, लेकिन उसके लिए संवाद बहुत जरुरी होता है। यहां बातचीत के रास्ते बहुत हद तक बंद कर दिए गए थे। सरकार और सुरक्षा-तंत्र से कठोर प्रतिक्रियाएं मिलती देख आंदोलन भड़का। पुलिस गोलीबारी, इंटरनेट प्रतिबंध, कर्फ्यू और गिरफ्तारियों जैसी कार्रवाइयों ने आंदोलनों को भड़काने में मदद की। इन कारणों ने सरकार की उपलब्धता और वैधता पर सवाल खड़े कर दिए। परिणाम तख्ता पलट के तौर पर सामने आए, जिससे अन्य राष्ट्रों को सबक लेने की आवश्यकता है। शासन-प्रशासन को चाहिए कि युवाओं के लिए जहां शिक्षा और रोजगार के बेहतर अवसर तलाशे वहीं देश के समस्त नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं के साथ ही साथ रोटी-कपड़ा और मकान का माकूल इंतजाम करे। इससे देश में अराजकता फैलने से बचेगी और जो युवा आक्रोश पनप रहा है उससे भी देश व सरकार को राहत मिलेगी।

पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण : भारत की बौद्धिक अस्मिता का संकल्प

- डॉ सत्यवान सौरभ

डिजिटलीकरण से सुरक्षित होगी धरोहर, रुकेगी बौद्धिक चोरी, और खुलेगा राष्ट्रीय पुनर्जागरण का मार्ग

भारत की प्राचीन पांडुलिपियाँ केवल कागज पर लिखे शब्द नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता की आत्मा हैं। इनमें विज्ञान, चिकित्सा, दर्शन और कला का अनमोल खजाना है। उपेक्षा और उपनिवेशकाल की लूट ने इन्हें खतरे में डाल दिया। प्रधानमंत्री मोदी का आह्वान कि पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण ह्लबौद्धिक चोरीह्व को रोकेगा, समयानुकूल है। डिजिटलीकरण से संरक्षण, शोध और वैश्विक स्तर पर भारत की बौद्धिक अस्मिता सुनिश्चित होगी। यह केवल सांस्कृतिक परियोजना नहीं, बल्कि राष्ट्रीय पुनर्जागरण का अभियान है। भारत एक ऐसा देश है जिसकी पहचान उसकी सभ्यता और सांस्कृतिक परंपरा से होती है। यहाँ हजारों वर्षों से ज्ञान की धारा निरंतर बहती रही है। वेदों और उपनिषदों से लेकर आयुर्वेद, गणित, खगोल, साहित्य और संगीत तक, हमारी पांडुलिपियों ने विश्व को वह दिया है जो आज भी अद्वितीय और अनुपम है। किंतु इस धरोहर को व्यवस्थित ढंग से सुरक्षित करने और दुनिया तक पहुँचाने में हम बार-बार चूकते रहे। यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का हालिया कथन कि पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण ह्लबौद्धिक चोरीह्व को रोकेगा, अत्यंत प्रासंगिक और दूरदर्शी है। यह कथन केवल तकनीकी समाधान की ओर इशारा नहीं करता, बल्कि हमारी सांस्कृतिक अस्मिता की रक्षा का संकल्प भी है। भारतीय पांडुलिपियाँ

केवल कागज या ताड़पत्र पर लिखे शब्द नहीं हैं। वे समाज की स्मृति हैं, परंपराओं की कहानी हैं और ज्ञान की धरोहर हैं। इनमें विज्ञान, चिकित्सा, खगोल, दर्शन और कला से लेकर जीवनशैली तक का संपूर्ण अनुभव सुरक्षित है। आयुर्वेद की पांडुलिपियों में आज भी ऐसी औषधियों और चिकित्सा विधियों का उल्लेख मिलता है जिनकी प्रासंगिकता आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी मानता है। गणित और खगोल से संबंधित पांडुलिपियों में शून्य, दशमलव और ग्रह-नक्षत्रों की गति का इतना विस्तृत विवरण है कि पश्चिमी जगत ने उनसे प्रेरणा लेकर अपने वैज्ञानिक शोध को दिशा दी। संगीत और नृत्य की पांडुलिपियाँ हमारी कलात्मक परंपरा को जीवित रखने का आधार हैं। दुर्भाग्य यह रहा कि इन पांडुलिपियों की रक्षा के मामले में हम लापरवाह साबित हुए। उपनिवेशकाल में अंग्रेज और अन्य यूरोपीय विद्वान यहाँ से अनगिनत ग्रंथ ले गए। उन्होंने उनका अध्ययन किया और कई बार उनके अनुवाद अपने नाम से प्रकाशित कर दिए। योग और ध्यान की पद्धतियाँ, जो भारत की आत्मा हैं, विदेशों में अलग रूप में प्रस्तुत की गईं और उनसे भारी व्यावसायिक लाभ उठाया गया। आयुर्वेदिक नुस्खों और औषधीय पौधों पर विदेशी पेटेंट दर्ज हुए। हल्दी और नीम जैसे सामान्य ज्ञान पर भी कंपनियों ने अपना अधिकार जताने का प्रयास किया। यह सब हमारे लिए चेतावनी है कि यदि हम अपने ज्ञान की रक्षा नहीं करेंगे, तो दुनिया उसे हड़प लेगी। यही वह संदर्भ है जिसमें डिजिटलीकरण का महत्व बढ़ जाता है। जब कोई पांडुलिपि डिजिटल रूप में दर्ज होगी तो उसका स्रोत और स्वामित्व स्थायी रूप से भारत के नाम पर रहेगा। यह बौद्धिक चोरी को रोकने का सबसे प्रभावी साधन होगा। इसके अतिरिक्त, डिजिटलीकरण से पांडुलिपियाँ सुरक्षित रहेंगी। समय, नमी, कीड़े और तापमान परिवर्तन से कागज व ताड़पत्र पर लिखी पांडुलिपियाँ क्षरण का शिकार होती हैं। डिजिटलीकरण उन्हें पीढ़ी-दर-पीढ़ी संरक्षित रखेगा। सबसे बड़ी बात यह है कि डिजिटलीकृत सामग्री दुनिया भर के शोधकताओं और विद्यार्थियों को उपलब्ध होगी। भारत का ज्ञान केवल संग्रहालयों की अलमारियों में बंद न रहकर वैश्विक मंच पर जीवंत रूप में सामने आएगा। यह कार्य आसान नहीं है। भारत में अनुमानतः पचास लाख से अधिक पांडुलिपियाँ हैं। वे अलग-अलग भाषाओं और लिपियों में लिखी गई हैं—संस्कृत, पाली, प्राकृत, तमिल, तेलुगु, मलयालम, उर्दू, अरबी, फारसी और अन्य भाषाओं में। कई लिपियाँ अब प्रचलन से बाहर हैं। उन्हें पढ़ना, समझना और डिजिटलीकरण करना विशेषज्ञता की मांग करता है। प्रामाणिकता बनाए रखना भी चुनौती है। अनुवाद या डिजिटल स्कैनिंग के दौरान यदि त्रुटियाँ रह गईं तो मूल ज्ञान विकृत हो सकता है। इसके अतिरिक्त, इतने बड़े कार्य के लिए वित्तीय संसाधन, प्रशिक्षित विशेषज्ञ और आधुनिक तकनीक की भी भारी आवश्यकता होगी। सरकार ने राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन जैसी पहल की है, जो सराहनीय कदम है। परंतु यह कार्य केवल सरकारी संस्थानों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों, निजी संगठनों और तकनीकी विशेषज्ञों को भी इसमें भागीदारी करनी होगी। आधुनिक तकनीक का पूरा उपयोग करना होगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और ब्लॉकचेन जैसी तकनीकें न केवल डिजिटलीकरण को आसान बना सकती हैं, बल्कि डेटा की सुरक्षा और खोजने की प्रक्रिया को भी विश्वसनीय बना सकती हैं। यहाँ हमें वैश्विक अनुभव से भी सीखना चाहिए। यूरोप में ह्लए४१ङ्कस्त्रींल्लंह्व परियोजना के तहत लाखों दस्तावेज और कला कृतियाँ ऑनलाइन उपलब्ध कराई गईं। अमेरिका और जापान ने भी अपनी सांस्कृतिक धरोहर का डिजिटलीकरण कर उसे वैश्विक स्तर पर साझा किया।

आधुनिक चलन : विरासत में राजनीतिः वरदान या अभिशाप...?

- ओमप्रकाश मेहता

हमारे आजाद भारत में राजनीति एक ऐसा व्यवसाय बन गया है, जिसमें न तो किसी शैक्षणिक योग्यता की बाध्यता और न किसी अन्य दक्षता की जरूरत और शायद इसी व्यवसाय के कारण ह्यरंग लगे न फिटकरी, रूप चैखा हायेह्व कहावत का जन्म हुआ है और जबसे राजनीति विरासत की वस्तु बनी है, तबसे तो इस व्यवसाय में दिन दूनी रात चैगुनी वृद्धि हुई है। आज सैकड़ों ऐसे राजनेता है जिन्हें विरासत में राजनीति मिली है, हम दूर कहां जाएं? हमारे प्रदेश की ही इस संदर्भ में चर्चा करें तो मध्यप्रदेश में आज 270 जनप्रतिनिधि है, जिनमें से 57 जनप्रतिनिधियों को विरासत में राजनीति हासिल हुई है, अर्थात हमारे प्रदेश के हर चैथे सांसद-विधायक की जड़े परिवारवाद से जुड़ी हुई है, वे इस विरासत पर ऐश कर रहे हैं। वैसे यदि इस मामले में हम अपने आपको राष्ट्रीय स्तर पर परखें तो हम अपने आपको छठवें क्रम पर पाते है, पहले क्रम पर उत्तरप्रदेश है, जहां 604 सांसद-विधायकों में से 141 अर्थात 23 प्रतिशत वंशवाद से जुड़े, इसके बाद दूसरे क्रम पर महाराष्ट्र है, जहां के 403 जनप्रतिनिधियों में 129 अर्थात 32 फीसदी वंशवाद से सम्बंध रखते है, तीसरें क्रम पर बिहार जहां 360 जनप्रतिनिधियों में से 96 अर्थात 27 फीसदी, पांचवें क्रम पर कर्नाटक जहां 326 जनप्रतिनिधियों में से 94 अर्थात 29 प्रतिशत और इसके बाद आंध्रप्रदेश जहां 255 जनप्रतिनिधियों में से 86 अर्थात 34 फीसदी और छठवें क्रम पर हमारा मध्यप्रदेश है जहां 270 जनप्रतिनिधियों में से 57 वंशवादी है जो कुल का 21 फीसदी है, यह हमारे देश की वंशवादी राजनीति की तस्वीर है और यदि प्रमुख चेहरों की बात करें तो ज्योतिरादित्य सिंधिया, दिग्विजय सिंह, उमंग सिंघार तथा प्रदेश भाजपा के मौजूदा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवार इनमें शामिल है। ये तो कुछ जाने-माने प्रमुख चेहरे है, वैसे कुल मिलाकर इनके अलावा दो दर्जन से अधिक ऐसे राजनेता या जनप्रतिनिधि है, जिन्हें राजनीति विरासत में मिली है और व अब अपनी अगली पीढ़ी को भी इस वंश परम्परा के लिए तैयार कर रहे है। ये दो दर्जन नेता सांसद या विधानसभा के सदस्य है। यह कथन कपोलकल्पित नही बल्कि एडीआर की ताजा रिपोर्ट का हिस्सा है, यह रिपोर्ट प्रदेश के 29 लोकसभा तथा 11 राज्यसभा के सांसदों व 230 विधानसभा सदस्यों पर आधारित है। इसी रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि मध्यप्रदेश के 21 फीसदी नेता परिवार की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाने में जुटे है। एडीआर (एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफार्म) ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि देश में लोकसभा-राज्यसभा और विधानसभाओं में कुल 5204 सांसद-विधायक है, इनमें से 1107 यानी लगभग 21 प्रतिशत ऐसे है जिनका राजनीतिक जुड़ाव वंशवाद से है, रिपोर्ट में इस बात का विशेष उल्लेख किया गया है कि मौजूदा सांसदों में नौ सांसद ऐसे है, जो परिवार या वंशवाद को हर तरीके से बढ़ावा देने में संलग्न है। इस प्रकार कुल मिलाकर आज की राजनीति भी वंशवाद को आगे बढ़ाने में अग्रणी बनी हुई है और आज ह्यजनप्रतिनिधिह्व या ह्यजनसेवकह्व की स्वनिर्मित उपलब्धियां सिर्फ दर्शनीय रह गई है, इनका वास्तव में इनके नाम के अर्थ से कोई सम्बंध नही रह गया है। अब यह वरदान है या अभिशाप? इसका फैसलो पाठकों पर छोड़ता हूँ।

आज का राशिफल

राशि	फल	राशि	फल
मेष	दिन चुनौतियों से भरा रह सकता है। जिम्मेदारियां उठानी पड़ सकती हैं।	तुला	अपने सभी कामों को समय पर पूरा करने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है।
वृषभ	क्षेत्र में दिन बेहतरीन रहने वाला है और आप धीरे-धीरे सफलता की राह पर आगे बढ़ते जाएंगे।	वृश्चिक	व्यवसाय के क्षेत्र में कोई महत्वपूर्ण अनुबंध या फैसला आपके पक्ष में फाइनल हो सकता है।
मिथुन	दिन सामान्य रहने वाला है। बौद्धिक व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता प्राप्त हो सकती है।	धनु	कारोबार के मामले में दिन बेहतरीन रहने वाला है और समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।
कर्क	आज कार्यक्षेत्र में आपके द्वारा लिए गए निर्णय सही साबित होंगे, जिससे लाभ मिलने की भी संभावना है।	मकर	आज आपका दिन मिलाजुला रह सकता है। समाज में सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ेगी।
सिंह	आज आपको हर मामले में भाग्य का साथ मिल सकता है, जिससे मन को संतुष्टि महसूस होगा।	कुंभ	आज कार्यक्षेत्र में आपको अपने प्रयासों और मेहनत का अब शुभ फल प्राप्त हो सकता है।
कन्या	आज कार्यक्षेत्र में दिन सामान्य से बेहतर बना रहेगा और विरोधी की आपके खिलाफ बनाई गई।	मीन	आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है और भाग्य का पूरा साथ मिलने से मन प्रसन्न रहेगा।

विशेष

असम के बोडोलैंड परिषद के चुनाव में अग्नि परीक्षा

2026 के अप्रैल में असम विधानसभा के चुनाव होने हैं। उसके पहले 22 सितंबर को बोडोलैंड क्षेत्रीय परिषद की 40 सीटों पर चुनाव होने जा रहे हैं। असम में सभी राजनीतिक दलों की इस चुनाव में परीक्षा हो जाएगी। कौन कितने पानी में हैं। बीटीसी में अभी भाजपा का बहुमत है। भाजपा ने हागरामा महलारी की पार्टी को चुनाव जीतने के बाद अलग कर दिया था। उन्होंने प्रमोद बोडो की पार्टी के साथ गठबंधन कर लिया है। आदिवासी क्षेत्र में वर्तमान सरकार के खिलाफ जबरदस्त माहौल है सही परीक्षा इस चुनाव में हो जाएगी त्रिकोणी संघर्ष के कारण किसके पक्ष में परिणाम जाएंगे कहना मुश्किल है।

मोदी की फोटो के साथ विज्ञापन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ कंपनियों के विज्ञापन को लेकर तरह-तरह की चचाएं होती हैं। नोटबंदी की घोषणा के अगले दिन पेटीएम के विज्ञापन में नरेंद्र मोदी की तस्वीर छापी गई थी। जीएसटी की दरें कम होने के बाद कंपनियां प्रधानमंत्री मोदी की फोटो के साथ विज्ञापन छाप रहे हैं। सीमेंट मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन एवं महिंद्रा समूह ने जो विज्ञापन जारी किए हैं। उसमें प्रधानमंत्री का फोटो है।हीरो कंपनी ने भी प्रधानमंत्री के फोटो के साथ विज्ञापन छापा है। यह विज्ञापन प्रधानमंत्री कार्यालय की अनुमति से छाप रहे हैं, या अब कोई भी विज्ञापन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फोटो छाप सकता है। इसको लेकर तरह-तरह की चचाएं होने लगी हैं।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1668: पोलैंड नरेश जान द्वितीय ने गद्दी छोड़ी. 1799: ब्रिटिश फौजों ने आस्ट्रिया रूस की संयुक्त फौज को हालैंड में पराजित किया. 1870: फ्रैंकों प्रसियन युद्ध में फ्रांस ने वार्साई जर्मनी के हवाले कर दिया. 1893: स्वामी विवेकानंद ने विश्व धर्म संसद में अपना ओजस्वी भाषण दिया. 1936: हिन्दुस्तानी संगीत के अग्रणी विष्णु नारायण भातखंडे का निधन. 1955: सैनिक विद्रोह के बाद अर्जेन्टीना के राष्ट्रपति जुआन पेरों को सत्ता से हटा दिया गया. 1960: भारत-पाकिस्तान के बीच सिंध जल समझौता हुआ. 1968: सोवियत संघ के दबाव में चेकोस्लोवाकिया के विदेश मंत्री जिरी हाजेक को इस्तीफा देना पड़ा. 1971: फ्रांस का यात्री विमान दुर्घनाग्रस्त हुआ, जिसमें 171 लोग मारे गए. 1972: इजरायली दूतावास में पत्र बम विस्फोट में एक राजनयिक मारा गया और एक अन्य घायल हो गया.

दैनिक पंचांग

19 सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	कन्या	05.38 बजे से
चंद्र	कर्क में	तुला	07.53 बजे से
मंगल	तुला में	वृश्चिक	10.08 ब.से
बुध	कन्या में	धनु	12.24 बजे से
गुरु	मिथुन में	मकर	14.29 बजे से
शुक्र	सिंह में	कुंभ	16.15 बजे से
शनि	मीन में	मीन	17.48 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	19.19 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	20.59 बजे से
राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक		मिथुन	22.57 बजे से
		कर्क	01.10 बजे से
		सिंह	03.26 बजे से

शुक्रवार 2025 वर्ष का 262 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण
तिथि त्रयोदशी 23.38 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आश्लेषा 07.06 बजे को समाप्त।
योग सिद्ध 20.41 बजे को समाप्त।
करण गर 11.28 बजे तदनन्तर वणिज 23.38 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.8 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 01° 28'
सूर्य उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872472
जूलियन दिन 2460937.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रवि उलावल **तारीख** 26
विशेष त्रयोदशी श्राद्ध, प्रदोष व्रत, मासिक शिवरात्रि।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

झारखंड की जनसंख्या : बीते 1 दशक में बढ़ी करीब 69 लाख लोगों की आबादी, लातेहार और रांची में सबसे अधिक

रांची, एजेंसी। झारखंड की जनसंख्या लगातार बढ़ रही है। वर्ष 2011 में हुई जनगणना के अनुसार झारखंड की आबादी लगभग 3.30 करोड़ थी। राज्य सरकार के सांख्यिकी निदेशालय द्वारा किये गये आकलन में वर्ष 2024 तक राज्य की आबादी बढ़ कर लगभग 3.99 करोड़ होने का अनुमान लगाया गया है। यानी पिछले एक दशक में झारखंड की आबादी में करीब 69 लाख लोगों का इजाफा हुआ है। राज्यभर में सबसे अधिक जनसंख्या वृद्धि लातेहार जिले में होने का अनुमान लगाया गया है। वहीं दूसरे स्थान पर राजधानी रांची और तीसरे स्थान पर गिरिडीह की जनसंख्या में सबसे ज्यादा वृद्धि संभावित है। इनमें लातेहार में 5.84 लाख, रांची में 4.94 लाख और गिरिडीह में 4 ।38 लाख जनसंख्या वृद्धि का अनुमान है।

जंगल से अज्ञात लड़की का शव बरामद, हत्या की आशंका, पुलिस जांच में जुटी

मेदिनीनगर (पलामू), एजेंसी। नावाबाजार थाना क्षेत्र के राजदरिया के जंगल से पुलिस ने रविवार को एक अज्ञात लड़की का शव बरामद किया। शव की हालत देखकर हत्या की आशंका जताई जा रही है। मृतका के पैर में जंजीर बंधी हुई थी, जबकि चेहरे और शरीर के कई हिस्सों पर चोट व जख्म के निशान मिले हैं। स्थानीय लोगों ने झाड़ी में शव होने की सूचना पुलिस को दी थी। सूचना मिलते ही नावाबाजार थाना प्रभारी संजय कुमार यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लिया। थाना प्रभारी ने बताया कि लड़की की हत्या कर शव को जंगल में फेंका गया है। इधर,घटना की जानकारी फैलते ही शव देखने के लिए आसपास के ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई। फिलहाल पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए एमएमसीएच भेज दिया है। पहचान न होने की स्थिति में शव को 72 घंटे तक सुरक्षित रखा जाएगा। इसके बाद नियम के मुताबिक अंतिम संस्कार कर दिया जाएगा। पुलिस आसपास के थाना क्षेत्रों से भी संपर्क कर रही है ताकि मृतका की पहचान हो सके ।थाना प्रभारी ने कहा कि मामले की जांच तकनीकी आधार पर भी की जा रही है। कॉल डिटेल्स, इलाके में सक्रिय संदिग्धों और हाल के मामलों की छानबीन की जा रही है। पुलिस का मानना है कि हत्या कहीं और कर शव यहां लाकर डाला गया हो सकता है ।जिस इलाके से शव बरामद हुआ है, वह आर्केस्ट्रा आयोजनों के लिए भी कुख्यात माना जाता है। पूर्व में भी यहां लड़कियों से जुड़े कई आपराधिक मामलों का तार आर्केस्ट्रा कलाकारों से जुड़ चुका है। इस पृष्ठभूमि में पुलिस इस पहलू की भी जांच कर रही है।

1पलामू में दुर्गा पूजा को लेकर पुलिस की हाई लेवल मीटिंग, पाल्हे के इलाके में विशेष निगरानी के निर्देश

पलामू, एजेंसी। दुर्गा पूजा को लेकर पुलिस प्रशासन की पलामू में हाई लेवल बैठक हुई। बैठक में पलामू एसपी रीष्मा रमेशन ने सभी एसडीपीओ एवं थाना प्रभारी को कई बिंदुओं पर दिशा निर्देश जारी किए हैं। जुलाई महीने में मुहर्रम के दौरान पलामू के पाटन थाना क्षेत्र में दो पक्षों के बीच झड़प हुई थी। जिसे देखते हुए एसपी ने पाल्हे इलाके में विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। दुर्गा उत्सव को लेकर पलामू जिला प्रशासन तैयारियों में जुटा है। पूरे मामले में पुलिस मुख्यालय की तरफ से भी दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। एसपी रीष्मा रमेशन ने दुर्गा पूजा को लेकर बैठक की है। पलामू में दुर्गा उत्सव के दौरान 680 के करीब पूजा पंडाल तैयार किए गए हैं। कई इलाकों में विजयदशमी के दिन और विजयदशमी के अगले दो दिनों तक मूर्ति विसर्जन होती है और जिले में महालया के दिन जुलूस भी निकलता है ।दुर्गा पूजा को लेकर कई बिंदुओं पर दिशा निर्देश जारी किया गया है। सभी पूजा पंडालों में पुलिस बल की तैनाती की जानी है। दुर्गा पूजा को लेकर विभिन्न स्थानों में शांति समिति की बैठक हुई है और बैठक का दौर जारी है : रीष्मा रमेशन, एसपीदरअसल मुहर्रम के दौरान पलामू के पाटन थाना क्षेत्र के पाल्हे के इलाके में दो पक्षों में विवाद हुआ था। जिसके बाद पाल्हे इलाके में पुलिस की खास निगरानी रहेगी एवं अतिरिक्त बल की तैनाती की जाएगी। बैठक में हुसैनाबाद एसडीपीओ मोहम्मद याकूब, मेदिनीनगर सदर एसडीपीओ मणिभूषण प्रसाद, लेस्लीगंज एसडीपीओ मनोज कुमार झा, छतरपुर एसडीपीओ अवध कुमार यादव मौजूद थे।

खूंटी का कोचा बना क्लाइमेट स्मार्ट गांव, ग्रामीण विकास मंत्री ने किया उद्घाटन

खूंटी, एजेंसी। समुदाय आधारित क्लाइमेट स्मार्ट गांव के तहत खूंटी के तोरपा प्रखंड के कोचा गांव में क्लाइमेट स्मार्ट गांव का उद्घाटन हुआ। जिसके तहत सोलर संचालित लिफ्ट इरिगेशन, हर घर में सोलर लाइट, सोलर पंखा का इस्तेमाल किया जाएगा। इसके साथ ही धान से चावल बनाने की प्रोसेसिंग यूनिट, लाह प्रोसेसिंग यूनिट, तेल उत्पादक यूनिट समेत कई समुदाय आधारित योजनाओं की सौगात ग्रामीणों को दी गई।

कोचा गांव बना क्लाइमेट स्मार्ट विलेज: तोरपा प्रखंड के कोचा गांव में सोलर आधारित संरचनाओं के उद्घाटन से पूरा गांव क्लाइमेट स्मार्ट गांव के रूप में अपनी पहचान बना चुका है। इस गांव के 110 परिवार सोलर लाइट से रोशन हुए हैं। इसके साथ ही प्रत्येक परिवार एक फैन भी चला रहा है। सोलर आधारित लाइट और फैन की उपलब्धता से गांव अब पावर कट की समस्या से बाहर आ गया है।

आत्मनिर्भरता की ओर कोचा गांव : इसके साथ ही गांव में महिला और युवा किसानों की आर्थिक सशक्तिकरण के लिए, विभिन्न प्रोसेसिंग यूनिट भी बहाल की गई है, जिसमें सरसों और धान की प्रोसेसिंग यूनिट, लाह की प्रोसेसिंग यूनिट और अन्य वनोत्पादों की प्रोसेसिंग यूनिट शामिल है। कोचा गांव आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है और पूरा गांव आर्थिक आजीविका में महत्वपूर्ण बढ़त बना चुका है।

कोचा गांव से रुकेगा पलायन : एफपीओ के माध्यम से प्रोसेसिंग किए गए उत्पादों की मार्केटिंग भी की जाएगी। कोचा गांव के किसानों और महिला समूह के लोगों को उम्मीद है कि अब इस क्षेत्र से पलायन भी रुकेगा और

आर्थिक सशक्तिकरण भी होगा। गांव की महिलाओं ने बताया कि परिवर्तन दिख रहा है। उन्हें रोजगार और काम मिल रहा है, अब आगे देखना है कि यह परिवर्तन कितना व्यापक होता है।

कोचा गांव की तस्वीर बदलने में महिलओं का बड़ा हाथ : तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया ने इस मौके पर ग्रामीण विकास मंत्री की तारीफ करते हुए कहा कि मंत्री बनने के साथ ही उन्होंने तोरपा प्रखंड क्षेत्र के ग्रामीण इलाके में विकास की नींव रख दी थी और लगातार खूंटी के विकास के लिए प्रयासरत हैं। विधायक ने कहा कि कोचा गांव की तस्वीर आज इसलिए बदल रही है कि सबसे पहले यहां की महिलाओं ने नशाबंदी को अपने क्षेत्र में लागू किया।

सांसद कालीचरण मुंडा ने कहा कि प्रदान जैसी संस्थाएं सरकार के साथ मिलकर विकास का बेहतर विकल्प ग्रामीणों को दे रहे हैं। सोलर आधारित संसाधनों के इस क्षेत्र में बहाल होने से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और पलायन रुकेगा। आज कोचा गांव में प्रदान संस्था द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया है। गांव में काम होते हुए देखा गया। निश्चित ही परिवर्तन होगा।

पारंपरिक खेती को आधुनिक तकनीक से जोड़ने का बेहतरीन उदाहरण : वहीं ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने बताया कि खूंटी की पहचान, भगवान बिरसा मुंडा से रही है इसलिए मेरा जुड़ाव भी रहा है। उन्होंने कहा कि यहां कोचा गांव में जो व्यवस्था की गई है, वह पारंपरिक खेती को आधुनिक तकनीक से जोड़ने का बेहतरीन उदाहरण है। पारंपरिक तरीके से खेतीबारी होती है लेकिन जब उसमें थोड़ी सी तकनीक जुड़ जाती है तो जीवन कितना आसान हो जाता है, यह यहां स्पष्ट दिखाई देता है।

रंग लाई समुदाय आधारित योजना : ईश्वर ने जल, जंगल और जमीन दिया है। जब इन्हीं नदी और पोखरों पर सोलर पंप या लिफ्ट एरिगेशन के पंप लगाए जाते हैं और खेतों तक पानी पहुंचाया जाता है, जिससे किसान एक फसल की जगह तीन फसल कर सकते हैं, यही असली उन्नति है। जिस समझदारी से समुदाय आधारित योजना बनाई गई है, वह सराहनीय है। महिलाएं पारंपरिक तरीके से खेती करेंगी लेकिन धान का छिलका हटाने या लाह से बटन बनाने के लिए मशीनों का उपयोग करेंगी, घरों में सोलर ऊर्जा होगी और उससे ही मशीन चलेगी।

सफल मॉडल को हर गांव में पहुंचाने की जरूरत : मंत्री ने आगे कहा कि यह सामूहिक प्रयास वाकई प्रेरणादायी है। इस योजना को सफल बनाने के लिए, मैं प्रदान संस्था और सहयोगी संस्था को विशेष धन्यवाद देती हूं, यहां जो मॉडल बनाया गया है, उसे हर गांव तक पहुंचाने का प्रयास होना चाहिए। मंत्री के रूप में मैं आश्वस्त करती हूं कि कोचा गांव की यह व्यवस्था सही ढंग से संचालित हो और यदि एक साल तक सफलतापूर्वक चले तो इसे सरकारी योजना के रूप में आगे बढ़ाने का हर संभव प्रयास करूंगी।

समुदाय आधारित क्लाइमेट स्मार्ट गांव में बतौर मुख्य अतिथि ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पाण्डेय सिंह, खूंटी के सांसद कालीचरण मुंडा, तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया, तोरपा प्रमुख, जिला परिषद सदस्य, मुखिया समेत प्रदान और सहयोगी संस्था श्नाइडर इलेक्ट्रिक इंडिया फाउंडेशन के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जतरा मेले में चाउमीन खाने से 35 बच्चे बीमार, समय पर इलाज से बची जान

लातेहार, एजेंसी। लातेहार जिले के सदर थाना क्षेत्र के टेमकी गांव में बुधवार को आयोजित जतरा मेले में अचानक अफरातफरी मच गई, जब मेले में बिक रही चाउमीन खाने से लगभग 35 बच्चे बीमार पड़ गए। बच्चों को अचानक पेट दर्द, उल्टी और सिर चकराने जैसी समस्याएं होने लगीं। देखते ही देखते स्थिति गंभीर हो गई और मौके पर मौजूद लोग घबरा उठे। स्थानीय लोगों ने तुरंत पूर्व मुखिया राजेश उरांव और जिला परिषद सदस्य विनोद उरांव को इसकी सूचना दी। दोनों जनप्रतिनिधियों ने तत्परता दिखाते हुए एम्बुलेंस की व्यवस्था की और सभी बीमार बच्चों को तुरंत सदर अस्पताल लातेहार भेजा। ग्रामीणों ने भी मिलकर बच्चों को अस्पताल पहुँचाने में मदद की।

अस्पताल में ड्यूटी पर मौजूद चाइल्ड स्पेशलिस्ट डॉ। जय प्रकाश जायसवाल ने बताया कि यह फूड पॉइजनिंग का मामला है। उन्होंने कहा कि मेले में परोसी गई चाउमीन बच्चों की तबीयत बिगड़ने का मुख्य कारण बनी। डॉक्टर ने कहा कि जैसे ही बच्चे अस्पताल लाए गए, उनका तुरंत इलाज शुरू कर दिया गया। समय पर इलाज मिलने की वजह से अब सभी बच्चे खतरे से बाहर हैं और उनकी स्थिति स्थिर है।

इस घटना के बाद टेमकी गांव और आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल बन गया। माता-पिता और परिजन अस्पताल में डटे रहे और बच्चों की हालत जानने के लिए बार-बार डॉक्टरों से संपर्क करते रहे। डॉक्टरों ने आश्वस्त किया कि चिंता की कोई बात नहीं है और सभी बच्चे जल्द ही पूरी तरह स्वस्थ हो जाएंगे। घटना की जानकारी मिलते ही स्वास्थ्य विभाग हरकत में आ गया। अधिकारियों ने अस्पताल जाकर बच्चों की स्थिति का जायजा लिया और मेले में बिकने वाले खाद्य पदार्थों की जांच करने का निर्देश दिया। बताया जा रहा है कि जिस स्टॉल पर चाउमीन बेची जा रही थी, वहां स्वच्छता मानकों की गंभीर कमी थी। स्वास्थ्य विभाग अब यह जांच कर रहा है कि भोजन में मिलावट या बासी सामग्री का इस्तेमाल तो नहीं किया गया था।

गांव के लोगों ने कहा कि जतरा मेले में बच्चों की सबसे ज्यादा भीड़ रहती है और ऐसे में अगर समय पर इलाज नहीं होता, तो बड़ी अनहोनी हो सकती थी। ग्रामीणों ने प्रशासन से अपील की है कि आगे से ऐसे मेलों में खाद्य सामग्री बेचने वालों की जांच-पड़ताल पहले से की जाए, ताकि इस तरह की घटना दोबारा न हो। फिलहाल, अस्पताल प्रशासन और डॉक्टरों की सतर्कता तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों की तत्परता के कारण 35 बच्चों की जान बच गई और एक बड़ा हादसा टल गया।

इधर, सदर अस्पताल के चिकित्सा पदाधिकारी और शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ जयप्रकाश जयसवाल ने बताया कि लगभग 35 बच्चों को फूड प्वाइजनिंग होने के बाद लातेहार सदर अस्पताल लाया गया था। इनमें से सात-आठ बच्चों की स्थिति गंभीर थी।

'स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार' अभियान का शुभारंभ

राज्यपाल व मुख्यमंत्री रहे शामिल, प्रधानमंत्री मोदी ने ऑनलाइन दिया संदेश

रांची, एजेंसी। झारखंड में महिलाओं के स्वास्थ्य और सशक्तिकरण के लिए बुधवार को स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान की शुरुआत हुई। इस अभियान का शुभारंभ सदर अस्पताल से राज्यपाल संतोष गंगवार और मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने किया। यह अभियान 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक पूरे राज्य में चलेगा। कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री डॉ। इरफान अंसारी, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, राज्यसभा सांसद आदित्य साहू, स्वास्थ्य सचिव, उपायुक्त और कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी ऑनलाइन जुड़े और सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कोई मां छूट न जाए, कोई बेटी छूट न जाए, यही सरकार का संकल्प है। पीएम ने बताया कि मातृ वंदना योजना और राष्ट्रीय पोषण अभियान के तहत अब तक 19 हजार करोड़ रुपये से अधिक महिलाओं के खातों में भेजे जा चुके हैं। उन्होंने आदिवासी क्षेत्रों में सिकल सेल एनीमिया की गंभीरता पर चिंता जताई और बताया कि विशेष क्लीनिक खोले गए हैं तथा अब तक 5 करोड़ से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग हो चुकी है। साथ ही उन्होंने स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने और 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प दोहराया।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ। इरफान अंसारी ने कहा कि झारखंड सरकार महिलाओं के स्वास्थ्य को लेकर संवेदनशील है और अबुआ स्वास्थ्य योजना इसका उदाहरण है। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने यह भी घोषणा की कि राज्य में जल्द ही रिम्स-2 अस्पताल बनाया जाएगा ताकि स्वास्थ्य सेवाएं और मजबूत हों। राज्यपाल संतोष गंगवार ने कहा कि इस अभियान की सफलता के लिए जनता की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। यह अभियान 2 अक्टूबर तक चलेगा और इसका लक्ष्य है कि स्वस्थ नारी के माध्यम से सशक्त परिवार और मजबूत समाज का निर्माण।

जंजीरों में जकड़ी लड़की की मौत, राजदरिया जंगल में आर्केस्ट्रा का खौफनाक राज

मेदिनीनगर (पलामू), एजेंसी। झारखंड के पलामू जिले के नावाबाजार थाना क्षेत्र में राजदरिया के घने जंगल ने रविवार को एक भयावह रहस्य उजागर किया। जंगल की झाड़ियों में एक अज्ञात लड़की का शव बरामद हुआ, जिसके पैरों में जंजीर बंधी थी और शरीर पर चोटों के गहरे निशान।

यह दृश्य इतना खौफनाक था कि स्थानीय लोग दहशत में आ गए। पुलिस को शक है कि यह एक सुनियोजित हत्या का मामला है, लेकिन मृतका की पहचान और हत्यारे का मकसद अब तक रहस्य बना हुआ है।

स्थानीय ग्रामीणों की सूचना पर नावाबाजार थाना प्रभारी संजय कुमार यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। शव को देखते ही साफ हो गया कि यह कोई साधारण मौत नहीं। लड़की के पैर में लोहे की जंजीर बंधी थी, जैसे किसी ने उसे कैद करके रखा हो।

चेहरे और शरीर पर चोटों के निशान बता रहे थे कि मृतका को क्रूरता का शिकार बनाया गया। थाना प्रभारी ने बताया, लगता है कि हत्या कहीं और की गई और शव को यहां जंगल में फेंका गया। घटना की खबर फैलते ही आसपास के गांवों से लोग मौके पर जुट गए। हर कोई इस रहस्यमयी मौत के पीछे की कहानी जानना चाहता था। लेकिन सवाल वही– यह लड़की थी कौन? और उसे इतनी बेरहमी से क्यों मारा गया? पुलिस ने तुरंत शव को पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीनगर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल भेजा। मृतका की पहचान के लिए पुलिस ने 72 घंटे तक शव को सुरक्षित रखने का फैसला किया है।

अगर इस दौरान पहचान नहीं हुई, तो नियमों के मुताबिक शव का अंतिम संस्कार कर दिया जाएगा। पुलिस आसपास के थानों से संपर्क कर यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या हाल के दिनों में कोई लड़की लापता हुई है।

थाना प्रभारी संजय कुमार यादव ने बताया कि जांच को तकनीकी आधार पर भी तेज किया गया है। कॉल डिटेल्स, इलाके में सक्रिय संदिग्धों और हाल के आपराधिक मामलों की छानबीन चल रही है। एक थ्योरी यह भी है कि हत्या कहीं और हुई और शव को जंगल में लाकर डाला गया, ताकि सबूत मिटाए जा सकें। लेकिन हत्यारा शायद यह भूल गया कि जंगल के सन्नाटे में भी सच की गूंज छिप नहीं सकती।

राजदरिया का जंगल न सिर्फ अपनी घनी हरियाली के लिए जाना जाता है, बल्कि आर्केस्ट्रा आयोजनों के लिए भी कुख्यात है। इस इलाके में पहले भी लड़कियों से जुड़े कई आपराधिक मामले सामने आ चुके हैं, जिनका तार आर्केस्ट्रा कलाकारों और उनके आयोजनों से जुड़ा था। पुलिस इस एंगल से भी जांच कर रही है।

क्या मृतका किसी आर्केस्ट्रा से जुड़ी थी? क्या यह किसी पुरानी रंजिश या साजिश का नतीजा है? ये सवाल जांच को और उलझा रहे हैं। जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ रही है, सवालों का जाल और घना होता जा रहा है। मृतका की उम्र, उसका पहनावा, या कोई और सुराग जो उसकी पहचान बता सके, अभी तक पुलिस के हाथ नहीं लगा।

जंगल में बंधी जंजीर और शरीर पर चोटों के निशान एक ऐसी कहानी बयां कर रहे हैं, जो खौफनाक होने के साथ-साथ रहस्यमयी भी है।

क्या यह एक प्रेम प्रसंग का दुखद अंत था? या फिर किसी गहरी साजिश का हिस्सा? पुलिस की जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट से कुछ जवाब मिलने की उम्मीद है। तब तक राजदरिया का जंगल अपने सीने में छिपे इस काले रहस्य को चुपचाप सहेजे हुए है।

आर्केस्ट्रा की अंधेरी दुनिया : राजदरिया जंगल हत्याकांड ने आर्केस्ट्रा आयोजनों की संदिग्ध दुनिया को फिर से चर्चा में ला दिया है। ये आयोजन, जो ग्रामीण इलाकों में मनोरंजन का बड़ा साधन हैं, अक्सर असुरक्षित और अनियंत्रित होते हैं। रातभर चलने वाले इन शो में बाहरी लोग बिना सत्यापन के शामिल हो जाते हैं, जिससे अपराध को बढ़ावा मिलता है।

स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, आर्केस्ट्रा में काम करने वाली कई युवतियां लालच या दबाव में फंसकर शोषण का शिकार बनती हैं। पुलिस इस मामले में आयोजकों और दर्शकों के बीच संभावित रंजिश या साजिश की जांच कर रही है।

कांग्रेस की पंचायत स्तरीय बैठक में बोले प्रदेश प्रभारी के. राजू

कमेटी में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित हो

जामताड़ा, एजेंसी। संथाल परगना में कांग्रेस पार्टी अपनी जड़ को मजबूत करने में जुटी है। पार्टी द्वारा चलाए जा रहे संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत जामताड़ा के नारायणपुर प्रखंड में पंचायत स्तर कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गई। जिसमें झारखंड कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी के। राजू, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, पूर्व सांसद फुरकान अंसारी, पूर्व मंत्री बादल पत्रलेख सहित कई प्रदेश और जिला स्तर के कई नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए।

कमेटी में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित हो: के। राजू

पंचायत स्तर के पार्टी कार्यकर्ता की बैठक में नेताओं द्वारा पंचायत कमेटी में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। 12 पंचायत कमेटी के मेंबर में चार महिला सदस्य बनाने का निर्देश दिया गया।

झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी के। राजू ने पंचायत के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पंचायत स्तर की कमेटी में महिलाओं के भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कमेटी में महिलाओं के रहने से कमेटी अच्छी चलती है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में विधानसभा और लोकसभा स्तर तक पार्टी महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देगी। इसके लिए जरूरी है कि गांव स्तर से महिला लीडर को आगे लाया जाए, ताकि वह आगे चलकर देश और राष्ट्र की सेवा कर सकें।

बिहार में एसआईआर के नाम पर वोटरों के नाए हटाए गए : पंचायत स्तर के पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए झारखंड प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के। राजू ने कहा कि बिहार में चुनाव आयोग द्वारा काफी संख्या में वोटर लिस्ट से दलित, अल्पसंख्यक और आदिवासी का वोटर लिस्ट से नाम हटाया गया है। उन्होंने कहा कि षड्यंत्र के तहत भाजपा को जीत दिलाने के लिए चुनाव आयोग ने स्क्रू क्रलाया।

पार्टी कार्यकर्ताओं से सजग रहने की अपील : झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी के। राजू ने पंचायत कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड में भी चुनाव आयोग द्वारा एसआईआर लागू किया जाएगा। इसलिए पार्टी के कार्यकर्ता अभी से सजग रहें, ताकि उनके बूथ से वोट की चोरी नहीं हो सके। आपको बता दें कि कांग्रेस संथाल परगना में संगठन सृजन कार्यक्रम चला रही है। इसके लेकर जिला और पंचायत स्तर तक कार्यक्रम आयोजित कर संगठन को मजबूत बनाने का काम किया जा रहा है। साथ ही नए सिरे से पार्टी कमेटी बनाने और कमेटी में महिलाओं कड्डी भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

मधुपुर स्वास्थ्य केंद्र में जमीन पर पड़ा शव, सांसद निशिकांत दुबे ने जताई नाराजगी; इनपर बरसे

रांची, एजेंसी। झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। बुधवार को भाजपा सांसद निशिकांत दुबे मधुपुर स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। निरीक्षण के दौरान उन्हें अस्पताल के वार्ड में एक शव जमीन पर पड़ा हुआ मिला। सांसद ने इस पर नाराजगी जताई और कहा कि मृतक किस धर्म या जाति से है, इससे फर्क नहीं पड़ता, लेकिन शव को सम्मानजनक ढंग से रखना अस्पताल प्रशासन की पहली जिम्मेदारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह घटना झारखंड सरकार और स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी की लापरवाही को उजागर करती है।

निशिकांत दुबे ने कहा कि सरकार स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के दावे करती है, लेकिन अस्पतालों की स्थिति बेहद खराब है। मरीजों और मृतकों तक को सम्मान नहीं दिया जा रहा, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। इस घटना के बाद भाजपा ने इसे स्वास्थ्य व्यवस्था की विफलता बताया है और कहा है कि पार्टी इस मुद्दे को जनता के बीच उठाएगी। वहीं, स्थानीय लोगों ने भी नाराजगी जताई और कहा कि सरकार केवल घोषणाओं तक सीमित है, जबकि जमीनी हालात बिल्कुल अलग हैं।

क्या आप इंसोमनिया के साथ ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया से भी जूझ रहे हैं

एक ऑस्ट्रेलियाई अध्ययन में 'इंसोमनिया' और 'ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया' के कॉकटेल यानी 'कॉस्मिया' को ज्यादा घातक करार दिया गया है। शोधकर्ताओं ने इसका सामना करने वाले लोगों में हृदयरोगों से मौत का खतरा कई गुना ज्यादा पाया है।

सबसे आम बीमारियां

विशेषज्ञों के मुताबिक 'इंसोमनिया' और 'ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया' नींद से जुड़ी सबसे आम बीमारियां हैं। वैश्विक स्तर पर 10 से 30 फीसदी आबादी के इनके शिकार होने का अनुमान है। बड़ी संख्या में ऐसे पीड़ित भी मौजूद हैं, जिन्हें दोनों की शिकायत होती है।

क्या हैं प्रमुख लक्षण

फ्लिंडर्स यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने बताया कि 'इंसोमनिया' में व्यक्ति को सोने में दिक्कत, बार-बार नींद टूटने और जल्द आंख खुलने की शिकायत सताती है। वहीं, 'ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया' में खर्राटे, गला चोक होने और सांस लेने में तकलीफ की समस्या आम है।

हाइपरटेंशन

डॉ.बेस्टियन लेचत के नेतृत्व में शोधकर्ताओं ने नींद की बीमारियों से जूझ रहे 5000 से अधिक मरीजों के स्वास्थ्य डाटा का विश्लेषण किया। इस दौरान 'कॉस्मिया' के शिकार लोगों में हाइपरटेंशन (उच्च रक्तचाप) का खतरा दोगुना मिला। उनमें हृदयरोगों की आशंका भी 70 फीसदी ज्यादा पाई गई।

असामयिक मौत का खतरा

कॉस्मिया से पीड़ित लोगों के वक्त से पहले मौत का शिकार होने का जोखिम भी 47 फीसदी अधिक दर्ज किया गया है। चूंकि, 'इंसोमनिया' और 'ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया' का कॉकटेल ज्यादा जानलेवा है, इसलिए एक का सामना कर रहे मरीज में दूसरे के लक्षणों पर भी गौर फरमाना जरूरी है।

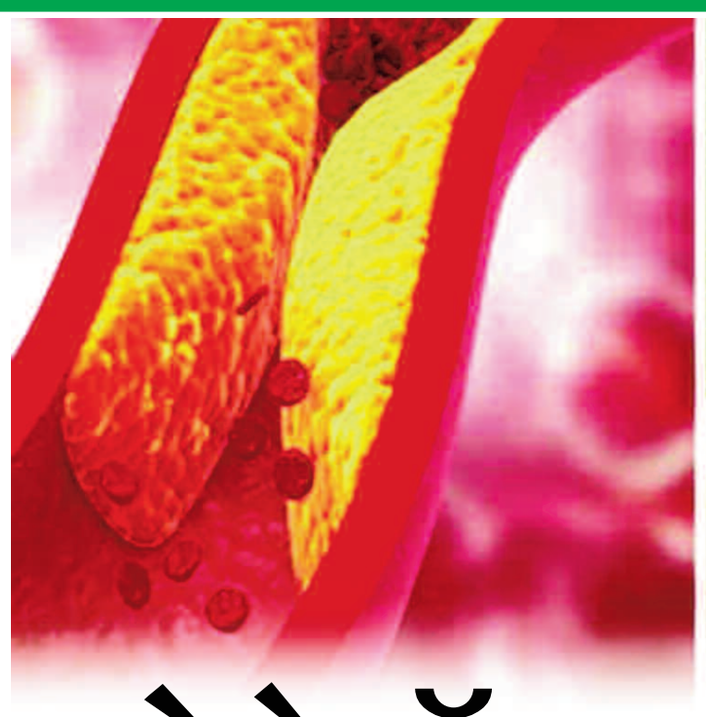

कोलेस्ट्रॉल कम करेगा अमरूद

कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ना एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है। बहुत से लोग कोलेस्ट्रॉल की समस्या से पीड़ित हैं जिसकी वजह से उन्हें दिल से जुड़े विभिन्न रोगों का सामना करना पड़ रहा है। यह मोम की तरह चिपचिपा पदार्थ होता है, जो खून की नसों में पाया जाता है। इसका निर्माण आपके द्वारा खाए जाने वाले पदार्थों से होता है, साथ ही आपका लीवर भी इसे बनाता है।

शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ने के नुकसान यह हैं कि इससे खून की नसें ब्लॉक हो सकती हैं जिससे ब्लड फ्लो बाधित हो सकता है और आप के लिए दिल के विकारों के साथ दिल के दौरा और स्ट्रोक का जोखिम पैदा हो सकता है। कोलेस्ट्रॉल कम करने के उपाय क्या हैं? नसों में जमा गंदा कोलेस्ट्रॉल कम करने का सबसे अच्छा तरीका हेल्दी डाइट और एक्सरसाइज है। हालांकि मेडिकल में कई दवाएं कोलेस्ट्रॉल कम करने का काम करती हैं। इनके अलावा आप अमरूद जैसे फाइबर से भरपूर फलों को खाकर भी इसे कम कर सकते हैं। चलिए जानते हैं कैसे। एक रिसर्च के अनुसार, सर्दियों का मौसम है और इन दिनों अमरूद खूब बिक रहा है। कोलेस्ट्रॉल लेवल कम करने के लिए आपको अमरूद का सेवन करना चाहिए। यह फल आसानी से कोलेस्ट्रॉल कम कर सकता है। सबसे अच्छी बात यह है कि शरीर में अच्छे कोलेस्ट्रॉल के विकास को बढ़ावा देता है।

कोलेस्ट्रॉल कैसे कम करता है अमरूद

इसी अध्ययन में इस बात के प्रमाण हैं कि फाइबर से भरपूर खाद्य पदार्थ जैसे ओट्स, फल और सब्जियां खाने से शरीर में जमा फैट को कम करने में मदद मिल सकती है। इतना ही नहीं फाइबर से ब्लड लिपिड को कंट्रोल करने में भी मदद मिल सकती है।

रिसर्च में हुआ खुलासा

कोलेस्ट्रॉल में अमरूद के फायदे के लिए एक अध्ययन किया गया जिसमें प्रभागियों ने 12 हफ्ते तक अमरूद का सेवन किया। शोधकर्ताओं ने पाया कि इतने दिनों के बाद हाई डेंसिटी वाला लिपोप्रोटीन कोलेस्ट्रॉल, सीरम कुल कोलेस्ट्रॉल, ट्राइग्लिसराइड्स और ब्लड प्रेशर (9.0/8.0 मिमी एचजी) तक कम हो गया था।

अमरूद के पोषक तत्व

देखने में यह एक आम फल है लेकिन स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती के लिए इसके बड़े फायदे हैं। यह आहार फाइबर, विटामिन ए, विटामिन सी, नियासिन, थियामिन, राइबोफ्लेविन, कैरोटीन और लाइकोपीन जैसे एंटीऑक्सिडेंट और कैल्शियम, फॉस्फोरस और आयरन जैसे खनिजों से भरपूर है।

पत्ते भी हैं फायदेमंद

बेशक आपको अमरूद पसंद न हो लेकिन इसके फायदे हैरान करने वाले हैं। सबसे बड़ी बात कि इस फल के पत्ते, छाल और फूल भी कई गुणों से भरे हैं। इनका पारंपरिक रूप से कई बीमारियों को ठीक करने के लिए उपयोग किया जाता है।

एलर्जी के कारण होती है नाक में खुजली

मौसम बदलने से नाक में एलर्जी के कारण खुजली महसूस होने लगती है। इस खुजली की वजह से सांस लेने में कठिनाई महसूस होती है। नाक में एलर्जी किसी बाहरी चीज के सम्पर्क में आने से भी हो सकती है। नाक में खुजली होने के बहुत से कारण हैं, उनमें से कुछ इस प्रकार हैं –

- एक्जिमा के कारण नाक में एलर्जी हो सकती है।
- नेजल एलर्जी या एलर्जिक रायनाइटिस होना।
- अस्थमा होने पर नाक में एलर्जी हो सकती है।
- सिगरेट के धुएं से भी नाक में खुजली होती है।
- नाक में धूल जाने के कारण खुजली हो सकती है।
- परफ्यूम के साइड इफेक्ट से भी नाक में खुजली होती है।
- जेनेटिक कारणों से भी नाक में खुजली महसूस हो सकती है।

घरेलू नुस्खे

नाक में हो रही खुजली को वैसे तो ईएनटी विशेषज्ञों द्वारा दी जाने वाली दवाईयों के जरिये ठीक किया जा सकता है, लेकिन नाक की खुजली को आप घरेलू नुस्खों के जरिये भी सही कर सकते हैं।

शहद और तुलसी– नाक में खुजली की वजह फंगल या बैक्टीरियल इंफेक्शन भी हो सकता है। संक्रमण दूर करने के लिए तुलसी के पत्ते का पेस्ट बना लें। इसमें शहद मिलाएं। इस पेस्ट को गुनगुने पानी के साथ लें। इस मिश्रण का सेवन करने से त्वचा में हो रही खुजली की समस्या भी दूर होती है।

पपीता– पपीते का सेवन करने से रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है। पपीते में ब्रोमलेन नाम का इंजाइम पाया जाता है जिससे नाक की सूजन और खुजली की समस्या दूर होती है। रोजाना पपीता का सेवन न करें। हफ्ते में 3 से 4 बार कर सकते हैं।

हल्दी– हल्दी में करक्यूमिन पाया जाता है। हल्दी का सेवन करने से नाक और त्वचा में खुजली की समस्या दूर होती है। हल्दी को गुनगुने पानी या दूध के साथ ले सकते हैं। गरम दूध या पानी में 1 चम्मच हल्दी मिलाएं। रात में इसका सेवन करने से नाक में हो रही खुजली से निजात मिलेगी। नाक की एलर्जी दूर करने में हल्दी का सेवन फायदेमंद माना जाता है।

काली मिर्च– नाक में खुजली की समस्या दूर करने के लिए काली मिर्च का इस्तेमाल कर सकते हैं। एलर्जी के कारण अगर नाम में खुजली हो रही है, तो काली मिर्च का सेवन फायदेमंद साबित होगा। काली मिर्च में एंटीइंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। काली मिर्च के साथ शहद मिलाएं। गुनगुने पानी के साथ काली मिर्च और शहद को मिलाकर खाएं।

कपालभाति प्राणायाम– नाक में खुजली होने पर आप कपालभाति प्राणायाम कर सकते हैं। कई बार नाक का रास्ता ब्लॉक होने के कारण खुजली की समस्या होती है। खुजली दूर करने के लिए नाक का रास्ता खुलना जरूरी है। इसके लिए कपालभाति का अभ्यास 15 मिनट के लिए करें। कपालभाति करने के लिए गहरी सांस लें। सांस को अंदर खींचें। फिर सांस छोड़ते हुए पेट को खींचें। नाक में खुजली होने पर एलर्जी टेस्ट किए जा सकते हैं। वैसे तो एलर्जी के लक्षण एक हफ्ते के अंदर ठीक हो जाते हैं। अगर फर्क महसूस न हो, तो डॉक्टर से मिलें।

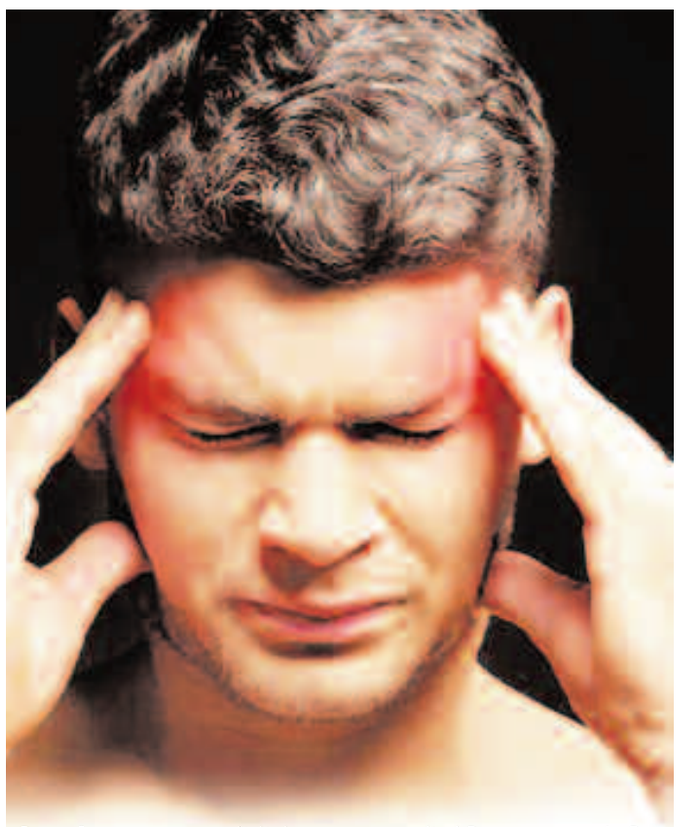

इन आसान उपायों से मिनटों में दूर होगा सिरदर्द

सिर दर्द स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है जो कमोबेश कभी-न-कभी हर किसी को होता रहता है। आम तौर सिर दर्द की समस्या गर्मी के दिनों में ज्यादा परेशान करती है। यह इतना तेज होता है कि बर्दाश्त करना मुश्किल होता है। सिर दर्द को दूर करने के लिए आयुर्वेदिक, होम्योपैथी और एलोपैथी में कई तरह की दवाइयाँ उपलब्ध हैं, लेकिन हर बार इसके लिए दवाईयाँ लेना स्वास्थ्य के लिए सही नहीं होता है। विशेष रूप से एलोपैथी की पैन किलर का प्रभाव शरीर की दूसरी बीमारियों को बढ़ाने का काम कर सकता है। इसलिए आज हम कुछ ऐसे देसी नुस्खे बताने जा रहे हैं जिनको इस्तेमाल करके सिरदर्द की शिकायत को दूर किया जा सकता है।

गर्म पानी में नींबू का रस

आप फटाफट से तैयार होने वाला यह नुस्खा आजमा सकते हैं। इसमें आपको सिर्फ यह करना है कि 1 गिलास में गर्म पानी लीजिए और उसमें नींबू का रस डालकर पी लें। फिर देखिएगा आपको सिर दर्द से कितनी जल्दी राहत मिलती है। कई बार पेट में गैस बनने से भी सिर दर्द होने लगता है। उस स्थिति में भी यह घरेलू उपाय बेहद ही कारगर माना गया है।

लैवेंडर का तेल

लैवेंडर के तेल को सूघने से आपको सिर दर्द की समस्या से बेहद आराम मिलता है। हाल ही में हुए एक शोध के अनुसार लैवेंडर का तेल माइग्रेन के लक्षणों को भी ठीक करने में मदद करता है। एक टिश्यू पेपर पर लैवेंडर के तेल की कुछ बूँदें डाल लें और फिर उस पेपर को सूंघ लें।

लौंग का इस्तेमाल

तवे पर लौंग की कुछ कलियों को गर्म कर लीजिए। इन गर्म हो चुकी लौंग की कलियों को एक रूमाल में बांध लीजिए। थोड़ी-थोड़ी देर पर इस पोटली को सूंघते रहिए। आप पाएंगे कि सिर का दर्द कम हो गया है। लौंग में दर्द खत्म करने के गुण होते हैं।

एक्यूप्रेशर के द्वारा

सालों से लोग सिर दर्द में राहत के लिए एक्यूप्रेशर का प्रयोग करते आ रहे हैं। सिर दर्द होने की स्थिति में आप अपनी दोनों हथेलियों को सामने ले आइए। इसके बाद एक हाथ से दूसरे हाथ के अंगूठे और इंडेक्स फिंगर के बीच की जगह पर हल्के हाथ से मसाज कीजिए। ये प्रक्रिया दोनों हाथों में दो से चार मिनट तक दोहराइए।

तुलसी

तुलसी मांसपेशियों को आराम देने की तरह काम करती है। थकी हुई मांसपेशियों के कारण होने वाले सिर के दर्द का इलाज करने में तुलसी बेहद लाभदायक होती है। इसके साथ ही इसमें आराम देने और एनाल्जेसिक के प्रभाव भी मौजूद होते हैं। एक कप पानी में सबसे पहले तीन या चार तुलसी की पत्तियों को कुछ मिनट तक उबालने के लिए रख दें। आप इसमें कुछ मात्रा में शहद भी मिलाकर चाय को पी सकते हैं।

आप चाहे मानसिक काम अधिक करते हैं या शारीरिक काम। यदि आपको काम करते समय बहुत जल्दी थकान होने लगती है तो इसका एक अर्थ यह होता है कि आपके शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या है। जी हां, केवल पोषण की कमी के कारण ही नहीं बल्कि शरीर में पानी की कमी के कारण भी जल्दी थकान होती है। जो लोग नियमित रूप से जरूरी पानी नहीं पीते हैं, उन्हें काम करते समय अधिक थकान होना और अन्य लोगों की तुलना में जल्दी थकान होने जैसी समस्याएं होती हैं। जानें, जल्दी थकान होने के अन्य कारण और उनके निवारण के तरीके

लगातार बनी रहती है थकान तो ऐसे रखें अपना ध्यान

जल्दी थकने की वजह

- आमतौर पर जो लोग बहुत जल्दी थकान होने की समस्या से पीड़ित होते हैं, उनके शरीर में कुछ खास तत्वों की कमी देखने को मिलती है.
- पानी की कमी
- खून की कमी
- विटमिन-बी12 की कमी
- फोलेट या फॉलिक एसिड की कमी देखने को मिलती है।

जल्दी थकान से बचने के तरीकों में ना केवल अपने खान-पान पर ध्यान देना है बल्कि यह भी ध्यान देना है कि जिस डायट का सेवन आप कर रहे हैं और जिन ड्रिंक्स को आप ले रहे हैं, क्या वे आपके शरीर की जरूरतों को पूरा कर रही हैं। यहां जानें कैसे रखा जाएगा इस बात का ध्यान.

तरल पदार्थों का सेवन

- जल्दी-जल्दी होने वाली थकान की समस्या से बचने के लिए जरूरी है कि आप तरल पदार्थों का सेवन बढ़ा दें। इनमें जूस, सूप, छांछ, दाल इत्यादि शामिल हैं। इसके साथ ही समय-समय सादा पानी पीते रहें। वयस्कों को हर दिन कम से कम 8 गिलास पानी पीना चाहिए।

तनाव को नियंत्रित करना सीखें

- जल्दी थकने की एक बड़ी वजह लगातार बना रहनेवाला तनाव भी होता है। तनाव का कारण चाहे जो भी लेकिन यह व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से जल्द थका देता है। इसलिए तनाव से बचने के लिए हर दिन कुछ समय के लिए मेडिटेशन यानी ध्यान जरूर करें। यह आपको मानसिक रूप से फिट रखने का काम करेगा।

फलियों का सेवन करें

- हरी फलियां कई तरह की वरायटी में आती हैं। खास बात यह है कि मौसम की प्रकृति और उस दौरान शरीर की जरूरत के अनुसार हर सीजन में आनेवाली फलियां पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं।
- हरी फलियां फाइबर युक्त होती हैं और इनका पाचन धीमी गति से होता है। इसलिए ये शरीर को लंबे समय तक ऊर्जा देने का काम करती हैं, जिससे शरीर पर थकान कम हावी होती है।

ड्राईफ्रूट्स

- ऐसा नहीं है कि ड्राईफ्रूट्स का सेवन केवल सर्दियों में ही करना चाहिए। बल्कि सीमित मात्रा में और दूध के साथ ड्राईफ्रूट्स का सेवन गर्मियों में भी हर दिन किया जा सकता है।
- क्योंकि ड्राईफ्रूट्स केवल हमारे शरीर को गर्माहट देने का ही काम नहीं करते हैं बल्कि पोषण देने का काम भी करते हैं। शरीर की कमजोरी को दूर करने में मीट भी अच्छी भूमिका निभाता है। लेकिन कोरोना संक्रमण के दौर में हम आपको मीट खाने की सलाह नहीं देना चाहते हैं। इस समय में आप थकान से बचने के लिए ड्राईफ्रूट्स यानी सूखे मेवों का सेवन कर सकते हैं।

पेंशन नियमों में बड़ा बदलाव, 1 अक्टूबर से बदल जाएगा नियम

नई दिल्ली, एजेंसी। पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डिवेलपमेंट अथॉरिटी ने नेशनल पेंशन सिस्टम से जुड़े नियमों में बड़ा बदलाव किया है। 1 अक्टूबर 2025 से गैर-सरकारी सब्सक्राइबर्स अपनी पूरी पेंशन रकम को 100 प्रतिशत इक्विटी (शेयर बाजार) से जुड़ी स्कीम में निवेश कर सकेंगे। अभी तक इक्विटी में निवेश की सीमा 75 प्रतिशत तय थी, जिसे अब हटा दिया गया है। नए बदलावों के तहत सब्सक्राइबर्स को एक से ज्यादा स्कीमों में निवेश करने की आज़ादी मिलेगी ताकि अब निवेशक अपनी उम्र, जरूरत और जोखिम उठाने की क्षमता के आधार पर अपनी पेंशन राशि को इक्विटी, डेब्ट या बैलेंस्ड फंड जैसी विभिन्न स्कीमों में बांट सकेंगे। इससे एनपीएस पहले की तुलना में कहीं अधिक लचीला हो जाएगा। इसके अलावा, निवेशक चाहें तो 50 या 55 साल की उम्र में ही अपनी पेंशन की रकम निकाल सकेंगे। वहीं अगर कोई निवेश जारी रखना चाहता है तो वह 75 साल तक पैसा जमा कर सकता है। यह बदलाव खास तौर पर उन प्रोफेशनल्स, सेल्फ-एम्प्लॉयड लोगों और कॉरपोरेट सेक्टर में काम करने वालों के लिए फायदेमंद साबित होगा, जिनकी ज़रूरतें और प्लानिंग अलग होती हैं। भले ही एनपीएस में निवेश की नई छूट दी गई है लेकिन सुरक्षा से जुड़े नियम पहले जैसे ही रहेंगे। पेंशन अकाउंट पोर्टेबल होंगे और सब्सक्राइबर्स चाहें तो किसी भी पेंशन फंड मैनेजर के साथ अपना खाता आसानी से ट्रांसफर कर सकेंगे। सबसे अहम बात यह है कि रकम निकालने के समय कुल राशि का कम से कम 40 प्रतिशत हिस्सा अन्युटी में लगाना ज़रूरी होगा, ताकि रिटायरमेंट के बाद नियमित आय सुनिश्चित की जा सके। पेंशन फंड के एमडी और सीईओ श्रीराम अय्यर का कहना है कि यह नया फ्रेमवर्क एनपीएस को रिटायरमेंट प्लानिंग के लिए और आकर्षक बना देगा। उनके मुताबिक 100 प्रतिशत इक्विटी निवेश का विकल्प और 15 साल बाद पैसा निकालने की सुविधा खासकर युवा निवेशकों के लिए बेहद फायदेमंद होगी।

बैन और फ्रॉड के बाद गेमिंग कंपनी की बढ़ी मुसीबत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में रियल मनी गेमिंग पर लगाए गए सख्त प्रतिबंध और कंपनी में सामने आए घोटाले संकट में डाल दिया है। सरकार के बैन और पूर्व सीएफओ पर लगे फ्रॉड के आरोपों के बीच कंपनी ने लगभग 120 कर्मचारियों की छंटनी की है, जिससे उनके करियर और सेक्टर की स्थिरता दोनों प्रभावित हुई हैं। यह फैसला कंपनी-व्यापी पुनर्गठन और सरकारी नियमों में बदलाव के कारण लिया गया। हाल ही में भारत सरकार ने ऐसे ऑनलाइन गेम्स पर रोक लगाई है जिनमें असली पैसे से दांव लगाया जाता है और जीत की संभावना रहती है। रियल मनी गेमिंग प्लेटफॉर्म का बिजनेस मॉडल प्रभावित हुआ है। कंपनी के फाउंडर पृथ्वी सिंह ने कहा कि यह निर्णय उनके लिए कठिन था और उन्होंने छंटनी किए गए कर्मचारियों का योगदान सराहा। प्रभावित कर्मचारियों को उनके पैकेज, छुट्टियों का पैसा और मार्च 2026 तक ग्रुप हेल्थ बीमा जैसी सुविधाएं दी जाएंगी।

पूर्व सीएफओ पर बड़ा आरोप

इस बीच, कंपनी को एक और संकट का सामना करना पड़ रहा है। पूर्व सीएफओ रमेश प्रभु पर 270 करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप लगा है। कंपनी ने उनके खिलाफ बेंगलुरु में एफआईआर दर्ज करवाई है।

अर्बन कंपनी के आईपीओ ने एक्सेल पर बरसा दिया पैसा

14.3 करोड़ लगाकर 390 करोड़ की कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। सिलिकॉन वैली की एक बड़ी कंपनी एक्सेल ने फिर कमाल कर दिया है। एक्सेल पहले फेसबुक में निवेश करने के लिए जानी जाती है। अब अर्बन कंपनी में निवेश करके कंपनी ने बहुत अच्छा मुनाफा कमाया है। अर्बन कंपनी का आईपीओ बुधवार को शेयर बाजार में करीब 58 प्रतिशत प्रीमियम के साथ लिस्ट हुआ।

एक्सेल ने दस साल पहले अर्बन कंपनी में 14.3 करोड़ रुपये का निवेश किया था। तब कंपनी ने शेयर 3.77 रुपये प्रति शेयर के भाव पर खरीदे थे। आईपीओ में शेयर का भाव 103 रुपये था। इस हिसाब से एक्सेल के 14.3 करोड़ रुपये के शेयर अब 390 करोड़ रुपये के हो गए। यानी कंपनी को लगभग 27 गुना फायदा हुआ है।

कुल 55 करोड़ रुपये का निवेश: एक्सेल ने अर्बन कंपनी में कुल 55 करोड़ रुपये का निवेश किया था। इससे कंपनी को 14.56 करोड़ शेयर मिले थे। आईपीओ के भाव के हिसाब से इन शेयरों की कीमत 1,500 करोड़ रुपये से ज्यादा है। ष्फण्ड ने 390 करोड़ रुपये के शेयर बेच दिए हैं। फिर भी उसके पास 1,100 करोड़ रुपये से ज्यादा के शेयर बचे हैं।

पहले भी कमाया है मुनाफा

एक्सेल ने पहले भी कई कंपनियों में निवेश करके अच्छा मुनाफा कमाया है। फेसबुक में कंपनी का निवेश 800 गुना बढ़ गया था। भारत में अर्बन कंपनी से कंपनी का पोर्टफोलियो और मजबूत हुआ है।

कंपनी को हुआ मुनाफा: अर्बन कंपनी पहले अर्बनक्लैप के नाम से जानी जाती थी। यह एक ऐसी कंपनी है जो लोगों को घर पर ही कई तरह की सर्विसेज देती है। जैसे कि ब्यूटी पार्लर, एसी रिपेयर, घर की सफाई आदि। कंपनी को वित्त वर्ष 2025 में 240 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है। पिछले साल कंपनी को 93 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था।

शानदार लिस्टिंग के बाद तेजी

अर्बन कंपनी का आईपीओ करीब 58 प्रतिशत प्रीमियम पर लिस्ट हुआ था। इसके बाद यह शेयर 3.76 प्रतिशत की तेजी के साथ 167.05 रुपये पर बंद हुआ। दिन के कारोबार के दौरान यह शेयर 179 रुपये तक पहुंच गया था। कंपनी के आईपीओ को भी जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था। यह 103.6 गुना सब्सक्राइब हुआ था। सबसे ज्यादा बोलियां क्यूआईबी और गैर-संस्थागत निवेशकों से आई। क्यूआईबी वे निवेशक होते हैं जो शेयर बाजार में बड़ी मात्रा में निवेश करते हैं।

व्यापार से लेकर ऊर्जा क्षेत्र तक दिखी रफ्तार

वैश्विक झटकों के बावजूद मजबूत बना रहेगा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक आर्थिक झटकों के असर से भारत की विकास दर पर अल्पकालिक दबाव दिख रहा है, लेकिन देश की दीर्घकालिक वृद्धि की कहानी बरकरार है। एसएंडपी ग्लोबल इंडिया रिसर्च की एक रिपोर्ट में यह अनुमान जताया गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ने बुनियादी ढांचे के विकास और प्रक्रियाओं में सुधार के माध्यम से अपनी स्थिति मजबूत की है। इससे विकसित देशों की तुलना में भारत ने बेहतर प्रदर्शन किया है। वैश्विक बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच, भारत की वृद्धि मजबूत है और यह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बनी हुई है। वित्त वर्ष 2025-26 में इसकी जीडीपी वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इसमें कहा गया है कि भारत वैश्विक व्यापार में अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित करेगा, जिससे आर्थिक वृद्धि, पूंजी आकर्षण और रोजगार सृजन के अवसर बढ़ेंगे। हालांकि, इसके लिए केंद्र, राज्य और नौकरशाही स्तर पर सुधार जरूरी बताए गए हैं, ताकि एक अधिक संगठित प्रणाली तैयार हो सके। निजी क्रेडिट उद्योग को लेकर भी सकारात्मक अनुमान जताया गया है। इसमें कहा गया है कि पारंपरिक बैंकों द्वारा छोड़े गए फाइनेंसिंग गैप के कारण प्राइवेट क्रेडिट सेक्टर मजबूत विस्तार की ओर बढ़ रहा है। घरेलू दिवाला ढांचा इस क्षेत्र को और मजबूती दे रहा है। जोखिम मौजूद होने के बावजूद, व्यापक वित्तीय प्रणाली से सीमित जुड़ाव इस सेक्टर को सुरक्षा प्रदान कर सकता है।

अमेरिका में बड़ा होटल बेचने की तैयारी में टाटा ग्रुप

दो अरब में हो सकती है डील

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप का ताज ग्रुप न्यूयॉर्क के द पियरे होटल से बाहर निकल सकता है। ब्रुनेई के सुल्तान और सऊदी व्यापारी एस्सम खशोगी मिलकर इसे खरीदना चाहते हैं। यह डील लगभग 2 बिलियन की हो सकती है। अगर यह सौदा हो जाता है, तो ताज लगभग 20 साल के बाद पियरे होटल का प्रबंधन छोड़ देगा। इसके बाद अमेरिका में ताज के पास सिर्फ एक होटल बचेगा, जो सैन फ्रांसिस्को में ताज कैम्पटन प्लेस है। ताज ग्रुप ने इस बारे में कोई भी टिप्पणी करने से मना कर दिया है।

ताज की वेबसाइट के अनुसार, उन्होंने पियरे होटल को साल 2005 में खरीदा था। इसे उन्होंने अमेरिका में अपना सबसे खास होटल बनाया था। इसके बाद 2009 में कंपनी ने इस लग्जरी होटल का 100 मिलियन डॉलर से रिनोवेशन कराया था। न्यूयॉर्क और सैन फ्रांसिस्को के दोनों होटल यूनाइटेड ओवरसीज होल्डिंग के अंतर्गत आते हैं।

आईएचसीएल, ताज ग्रुप की मालिक है और यह .165 बिलियन के ताज ग्रुप का हिस्सा है। कंपनी की रिपोर्ट के अनुसार, आईएचसीएल ने फाइनेंशियल ईयर 2025 में यूओएच में 2,324 करोड़ रुपये का निवेश किया था। हालांकि, यूओएच को उस दौरान 82 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। पियरे होटल में 189 कमरे, रेस्टोरेंट और लग्जरी अपार्टमेंट हैं। इसे पिछले साल बिक्री के लिए रखा गया था। इस होटल में मौजूद अपार्टमेंट के मालिक ही इस प्रॉपर्टी के शेयरधारक हैं। इनमें अमेरिका के कॉमर्स सेक्रेटरी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ट्रेड नेगोशिएन के प्रभारी हावर्ड लुट्निक, जॉर्डन की राजकुमारी फिरयाल, फैशन डिजाइनर टोरी बर्च और डिज्नी के पूर्व प्रमुख माइकल आइजनर शामिल हैं। लुट्निक के पास होटल में एक पेंटहाउस है।

जानी-मानी हस्तियों के अपार्टमेंट

कौन है खरीदार?

न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक ताज ने प्रॉपर्टी की स्टीवर्डशिप का बचाव किया है और ऐसे अपग्रेड्स का प्रस्ताव रखा है जिससे रेजिडेंट्स को बाहर निकलने की जरूरत नहीं होगी। अखबार ने यह भी लिखा है कि पियरे का बोर्ड बिक्री के लिए अंतिम दौर की बातचीत कर रहा है। अगर यह सौदा हो जाता है, तो इसका मैनेजमेंट लग्जरी चेन डोर्चेस्टर कलेक्शन को मिल सकता है। डोर्चेस्टर कलेक्शन के मालिक सुल्तान हसनल बोल्किया हैं। एस्सम खशोगी इस डील को फंड कर सकते हैं। इस डील से ताज का अंतरराष्ट्रीय कारोबार कम हो जाएगा। आईएचसीएल के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने हाल ही में शेयरधारकों को बताया कि कंपनी की विदेश में विस्तार की कोई आक्रामक योजना नहीं है। उन्होंने जुलाई में ज़ूम में कहा था कि विदेशी विस्तार के मामले में हम हर वैश्विक बाजार को नहीं देख रहे हैं।

दीवाली गिफ्ट!, सबसे बड़ा आईपीओ लाई थी कंपनी

हर कर्मचारी की सैलरी में होगा 31,000 का इजाफा

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑटो सेक्टर की दिग्गज कंपनी हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड और यूनाइटेड यूनियन ऑफ हुंडई एम्प्लॉइज के बीच एक समझौता हुआ है। यह समझौता कर्मचारियों की सैलरी को लेकर है। यह तीन साल के लिए किया गया है। यह अप्रैल 1, 2024 से मार्च 31, 2027 तक चलेगा। कंपनी का कहना है कि यह समझौता इंडस्ट्री में सबसे अच्छा है। इसके मुताबिक कर्मचारियों की सैलरी में हर महीने 31,000 की बढ़ोतरी होगी। यह बढ़ोतरी तीन सालों में होगी। पहले साल में 55 प्रतिशत, दूसरे साल में 25 प्रतिशत और तीसरे साल में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी।

एचएमआईएल का कहना है कि वह कर्मचारियों को अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं और वेलनेस प्रोग्राम भी देगी। कंपनी के एक अधिकारी यंगम्युंग पार्क ने कहा, हुंडई में, हमारे लोग हमारी सफलता की नींव हैं। यह समझौता आपसी विश्वास और सम्मान पर बना है। यह दिखाता है कि हम कर्मचारियों के लिए बेहतर माहौल बनाना चाहते हैं।

यूनियन का लेखाजोखा: यूयूएचई यूनियन 2011 में बनी थी। यह एचएमआईएल के कर्मचारियों की आधिकारिक यूनियन है। अगस्त 31, 2025 तक, इसमें 1,981 सदस्य हैं। ये सदस्य कंपनी के 90 प्रतिशत तकनीशियन और वर्कमैन कैडर हैं। इसका मतलब है कि कंपनी के ज्यादातर टेक्नीशियन और कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व यूयूएचई यूनियन करती है। गुरुवार को कंपनी का शेयर बीएसई पर 1.23 प्रतिशत तेजी के साथ 2,684 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 2,711 रुपये है।

हुंडई मोटर इंडिया पिछले साल देश का सबसे बड़ा आईपीओ लेकर आई थी। इसका साइज 27,870 करोड़ रुपये का था। यह 15 से 17 अक्टूबर, 2024 तक खुला था और इसका प्राइस बैंड 1,865-1,960 रुपये प्रति शेयर था। यह इश्यू पूरी तरह ऑफर फॉर सेल था। इसके तहत पैरेंट कंपनी दक्षिण कोरिया की हुंडई मोटर ने अपनी हिस्सेदारी बेची थी।

ट्रंप की फांस से हुआ फायदा, अमेरिका के बाद आयरलैंड कमाई का दूसरा देश, तेजी से बढ़ रहा है एप्पल का हिस्सा

ट्रंप की फांस से टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स को हुआ फायदा, अमेरिका को ही माल बेच कर कर रही कमाई

कोलकाता, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स का नाम जरूर सुना होगा। इस कंपनी की कमाई में एप्पल आईफोन का बहुत बड़ा योगदान है। एफवाय25 में, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स की जितनी भी कमाई हुई, उसका लगभग 37 प्रतिशत हिस्सा अमेरिका को आईफोन भेजने से आया।

आपको पता ही होगा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चीन से आने वाले समानों पर टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। इससे बचने के लिए एप्पल ने भारत में अपना प्रोडक्शन बढ़ाया था। इसी का फायदा भारत की कंपनी टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स को मिला। उसने यहां एप्पल के आईफोन बनाने की फैक्टी लगाई। अब जबकि एप्पल चीन से अपना प्रोडक्शन भारत में शिफ्ट करने लगता है तो इसे फायदा पहुंचना लाजिमी है। तभी तो पिछले वित्तीय वर्ष में, भारत से अमेरिका को आईफोन भेजने से टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स को 23,112 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई हुई।

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए पिछले साल अमेरिका सबसे बड़ा बाजार तो रहा ही, इसके बाद आयरलैंड इसके लिए दूसरा सबसे बड़ा कमाई करने वाला देश रहा। आयरलैंड से

कंपनी को 23 प्रतिशत यानी 14,255 करोड़ रुपये की कमाई हुई। यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि यूरोप में एप्पल का बेस आयरलैंड ही है। इसके बाद ताइवान को आईफोन भेजने से कंपनी को 15 प्रतिशत की कमाई हुई। वहीं, भारत में आईफोनबेचने से कंपनी को 20 प्रतिशत की कमाई हुई। यह जानकारी कंपनी ने कंपनियों के रजिस्ट्रार को दी है।

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स की कमाई में एप्पलका हिस्सा तेजी से बढ़ा है। इससे पता चलता है कि ट्रम्प के टैक्स लगाने की धमकी देने से पहले ही एप्पलने अमेरिका के लिए आईफोन का प्रोडक्शन चीन से भारत में शिफ्ट कर दिया था। पिछले साल, कंपनी सिर्फ ताइवान को आईफोन भेजती थी और भारत में आईफोनबेचती थी। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और ताइवान की फॉक्सकॉन भारत में आईफोन बनाने वाली सबसे बड़ी कंपनियां हैं।

दो फैक्ट्रियों में बनता है आईफोन: भारत में टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने दो फैक्ट्रियों से आईफोनबनाना और निर्यात करना शुरू किया है। इनमें विस्ट्रॉन की वो फैक्ट्री भी शामिल है, जिसे टाटा ने मार्च 2024 में खरीदा था। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम्स सॉल्यूशंस, जो पहले विस्ट्रॉन इन्फोकॉम मैन्युफैक्चरिंग इंडिया के नाम से जानी जाती थी, अब टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स की पूरी तरह से स्वामित्व वाली कंपनी है।

फाइनेंशियल टाइम्स का आकलन

नीतिगत स्थिरता से विदेशी निवेश का नया ग्रोथ इंजन बन सकता है भारत

ई दिल्ली, एजेंसी। श्विक जीडीपी की सुस्त रफ्तार और चीन पर बढ़ती -राजनीतिक आशंकाओं के बीच भारत विदेशी विशेकों के लिए नई उम्मीद बनकर उभर रहा है। इनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट और विश्लेषणों में रत को एशिया का निवेश चुंबक बताया गया है। खबार का कहना है कि अगर नीतिगत स्थिरता और रदर्शिता कायम रखी जाए, तो भारत विदेशी निवेश T नया ग्रोथ इंजन बन सकता है।

भारत की विकास दर अगले पांच वर्षों तक श्विक औसत से अधिक रहेगी। युवा आबादी और जबूत उपभोक्ता बाजार भारत की सबसे बड़ी पूंजी । फाइनेंशियल टाइम्स ने लिखा, भारत का मोग्राफिक डिविडेंड निवेशकों के लिए वह आधार , जो चीन में घट रहा है। चीन में लागत बढ़ने, मेरिकी दबाव और भू-राजनीतिक जोखिमों के लते वैश्विक कंपनियां आपूर्ति श्रृंखला विधीकरण की ओर बढ़ रही हैं। इसलिए, भारत इना+1 रणनीति का सबसे बड़ा लाभार्थी बन रहा । एप्पल, डेल और सैमसंग जैसी कंपनियां पहले ही रत में उत्पादन बढ़ा रही हैं।?यूरोप और जापान की कंपनियां विनिर्माण के लिए भारत पर अपना दांव लगा रही हैं। फाइनेंशियल टाइम्स ने कहा, जीएसटी, दिवालिया कानून और डिजिटल इंडिया जैसे सुधारों की विदेशी निवेश आकर्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका है।?भारत ने डिजिटल भुगतान और यूपीआई के जरिये विदेशी निवेशकों को दिखाया है कि वह तकनीकी बदलावों को बड़े पैमाने पर लागू करने की क्षमता रखता है। सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा और रक्षा विनिर्माण में प्रोत्साहन पैकेजों ने भी वैश्विक निवेशकों का ध्यान खींचा है। अवसर अपार हैं, लेकिन चुनौतियां भी कम नहीं।

अमेरिका में फेड रेट कटौती से धड़ाम हुआ सोना

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने की कीमत में आज शुरुआती कारोबार में गिरावट आई है जबकि शेयर बाजार में तेजी दिख रही है। अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने इस साल पहली बार ब्याज दरों में कटौती की है। एमसीएक्स पर सोने की कीमत में 600 रुपये की गिरावट आई है। 3 अक्तूबर की डिलीवरी वाला सोना सुबह 9.26 बजे 611 रुपये यानी 0.56 फीसदी की गिरावट के साथ 1,09,211 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड कर रहा था। पिछले सत्र में यह 1,09,822 रुपये पर बंद हुआ था और आज 1,09,180 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 1,09,425 रुपये तक हाई और 1,09,157 रुपये तक लो गया।

इस बीच चांदी की कीमत में भी 1000 रुपये से ज्यादा की गिरावट आई है। चांदी 1009 रुपये यानी 0.79 फीसदी की गिरावट के साथ 1,25,975 रुपये किलो पर ट्रेड कर रही थी। पिछले सत्र में यह 1,26,984 रुपये पर बंद हुई थी और आज 1,25,999 रुपये पर खुली। शुरुआती कारोबार में यह 1,26,614 रुपये तक हाई और 1,25,900 रुपये तक लो गई।

शेयर बाजार का हाल

हालांकि शेयर बाजार में शुरुआती कारोबार में तेजी

आई है। बीएसई का सेंसेक्स 344.99 अंक यानी 0.42 प्रतिशत तेजी के साथ 83,038.70 अंक पर ट्रेड कर रहा था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी50 इंडेक्स 89.15 अंक यानी 0.35 प्रतिशत तेजी के साथ 25,419.40 अंक पर आ गया। अमेरिकी फेड रिजर्व के रेट कट के साथ-साथ हालिया जीएसटी सुधारों और भारत-अमेरिका ट्रेड डील में प्रगति से भी निवेशकों की धारणा मजबूत हुई है। सेंसेक्स के शेयरों में इंफोसिस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टेक महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक के शेयरों में 1 प्रतिशत और 2 प्रतिशत के बीच तेजी आई है। सेक्टोरल बेसिस पर आईटी शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी आई है। इन कंपनियों के रेवेन्यू में अमेरिका की बड़ी हिस्सेदारी है। मिड-कैप और स्मॉल-कैप इंडेक्स में तेजी आई।

3 प्लेयर्स का कटेगा पत्ता!

इस फिनिशर की होगी वापसी; ऐसी हो सकती भारत की प्लेइंग 11

एशिया कप में सुपर-4 की दो टीमें फाइनल

एशिया कप में बुधवार को पाकिस्तान ने यूएई को हरा दिया। इसी के साथ यह भी तय हो गया कि टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान एक बार फिर 21 सितंबर को एक-दूसरे का सामना करेंगे। ग्रुप स्टेज में भारत ने पाकिस्तान को आसानी से 7 विकेट से हरा दिया था।

भारत-पाकिस्तान मैच फिर एक बार क्यों

पाकिस्तान ने यूएई को हराकर ग्रुप-ए से भारत के साथ सुपर-4 स्टेज में जगह बना ली। सुपर-4 में अब बाकी 2 टीमें ग्रुप-बी से आएंगी। इस राउंड में हर टीम एक-दूसरे के खिलाफ एक-एक मैच खेलेगी। इस कारण भारत और पाकिस्तान के बीच एक और मुकाबला तय हो गया है।

नईदिल्ली (एजेंसी)। एशिया कप 2025 में अब सुपर-4 की तस्वीर काफी हद तक साफ होती नजर आ रही है। ग्रुप ए से भारत और पाकिस्तान ने सुपर-4 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। ऐसे में दोनों टीम अब रविवार को फिर आमने-सामने होंगी। इस बीच भारतीय टीम अपने आखिरी ग्रुप मैच में ओमान का सामना करेगी। शुक्रवार को शेख जायद स्टेडियम में होने वाले इस मैच की जीत या हार का भारत पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। हालांकि, ओमान की कोशिश जीत का खाता खोलने पर होगी। वहीं भारतीय टीम अपनी बेंच स्ट्रेंथ को आजमा सकती है।

भारतीय टीम ने जीते दोनों मुकाबले

भारत और ओमान ने टूर्नामेंट में अब तक 2-2 मैच खेले हैं। भारतीय टीम ने यूएई और पाकिस्तान को शिकस्त दी थी। वहीं ओमान को पाकिस्तान और यूएई के हाथों हार मिली। अब तक विजयी रथ पर सवार भारतीय टीम ओमान के खिलाफ प्लेइंग 11 में 3 बदलाव कर सकती है। इससे सुपर-4 और फाइनल के लिए प्लेयर तरोताजा रहेंगे।

7 दिन के भीतर खेल सकते 4 मैच

सुपर-4 में भारत के मुकाबले 21, 24 और 26 सितंबर को होंगे। अगर टीम फाइनल में पहुंचती है तो 28 सितंबर को भी खेलना होगा। भारत को सात दिनों के भीतर 4 मैच खेलने पड़ सकते हैं। ऐसे में टीम मैनेजमेंट कुछ प्लेयर्स को आराम दे सकता है। इनमें तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, ऑलराउंडर शिवम दुबे और हार्दिक पांड्या हो सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो पिछले 2 मुकाबलों से पानी पिला रहे तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह की अंतिम 11 में एंट्री होगी। साथ ही शिवम दुबे की जगह फिनिशर रिंकू सिंह और हार्दिक पांड्या की जगह हर्षित राणा को मौका मिला सकता है।

भारत की संभावित प्लेइंग 11

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, संजू सैमसन, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती।

भारतीय टीम इस प्रकार है

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, संजू सैमसन, हर्षित राणा, रिंकू सिंह।

जेवलिन थ्रो-वर्ल्ड चैंपियनशिप फाइनल

नीरज चोपड़ा बाहर, पाकिस्तान के अरशद नदीम भी मेडल से चूके

आठवें नंबर पर नीरज तो सचिन यादव चौथे स्थान पर रहे

टोक्यो (एजेंसी)। टोक्यो में चल रही वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप के जेवलिन थ्रो फाइनल में नीरज चोपड़ा आठवें स्थान पर चल रहे हैं। वहीं, ओलिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट पाकिस्तान के अरशद नदीम मेडल की रेस से बाहर हो चुके हैं। एक अन्य भारतीय थ्रोअर सचिन यादव चौथे नंबर पर रहे। नीरज चोपड़ा ने पहला थ्रो 83.65 मीटर का थ्रो किया। उनका दूसरा थ्रो 84.03 मीटर का रहा और तीसरा थ्रो फाउल रहा। चौथे प्रयास में उन्होंने 82.86 मीटर का थ्रो किया। इस तरह चार राउंड के बाद उनका बेस्ट स्कोर 83.65 मीटर का रहा। नदीम ने पहला थ्रो 82.75 मीटर का थ्रो किया था। नदीम का दूसरा थ्रो फाउल रहा है। तीसरे प्रयास में 82.73 मीटर का थ्रो किया। उनका चौथा प्रयास फाउल रहा और वे 10वें नंबर पर रहते हुए मेडल की रेस से बाहर हो गए। इन दोनों से आगे सचिन यादव हैं। सचिन ने 86.27 मीटर का पहला थ्रो किया। सचिन का दूसरा थ्रो फाउल रहा। तीसरे प्रयास में उन्होंने 85.71 मीटर का थ्रो किया। उनका चौथा थ्रो 84.90 मीटर का रहा। त्रिनिदाद एंड टोबैगो के केशॉर्न वाल्कॉट अपने चौथे प्रयास में 88.16 मीटर के थ्रो के साथ टॉप पर चल रहे हैं। तीन थ्रो के बाद 11वें और 12वें नंबर पर मौजूद थ्रोअर रेस से बाहर हो चुके हैं। चौथे थ्रो के बाद नौवें और 10वें नंबर के थ्रोअर बाहर हो गए।

पहले प्रयास में फाइनल में पहुंचे थे नीरज

एक दिन पहले क्वालिफाइंग राउंड हुआ था। इसमें 84.50 मीटर का मार्क पार करने वाले थ्रोअर को सीधा फाइनल में एंट्री मिलनी थी। नीरज ने पहले ही अटैम्प्ट में ही 84.85 मीटर के थ्रो के साथ फाइनल में जगह बना ली। अरशद को टाइम लगा। उनका पहला थ्रो 76.99 और दूसरा 74.17 मीटर का था। तीसरे थ्रो में उन्होंने 28 मीटर का थ्रो कर फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। भारत के सचिन यादव ने 83.67 मीटर के बेस्ट स्कोर के साथ टॉप-12 में जगह बनाई। नीरज डिफेंडिंग वर्ल्ड चैंपियन हैं। उन्होंने 2023 में हंगरी में हुई वर्ल्ड चैंपियनशिप में 88.17 मीटर थ्रो के साथ गोल्ड जीता था। वहीं, अरशद ने पेरिस ओलिंपिक में 92.97 मीटर थ्रो के साथ गोल्ड जीता था। तब नीरज ने सिल्वर जीता था।

जैस्मिन बोलीं-10 साल की प्रैक्टिस से वर्ल्ड चैंपियन बनीं

ओलिंपिक में गोल्ड मेडल का सपना ; दुबला शरीर देख लोग बोलते थे तुम बॉक्सर हो

भिवानी (एजेंसी)। वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2025 के 57 किलोग्राम भारवर्ग में गोल्ड मेडल जीतने वाली हरियाणा के भिवानी की रहने वाली जैस्मिन लंबोरिया ने मीडिया से कहा मैंने पोलैंड की ओलिंपिक में सिल्वर मेडलिस्ट बॉक्सर को हराया तो मेरे लिए एक भावुक पल था। में बिना प्रेशर के रिंग में उतरी और जीत हासिल की। जैस्मिन ने बताया कि जब वह शुरुआत में बॉक्सिंग करती थी, तो उनका शरीर दुबला-पतला था। इसलिए लोग उसके शरीर को देखकर कहते थे कि तू भी बॉक्सर है। लेकिन उन्होंने इस तरह की बातों को अपने खेल में रोड़ा नहीं बनने दिया। करीब 9-10 साल के अभ्यास के बाद वे वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतकर लाई हैं। इसके अलावा, उनका सपना ओलिंपिक में गोल्ड मेडल जीतना है।

13 वनडे लगातार जीतने के बाद हारी ऑस्ट्रेलिया विमेंस

भारत ने रिकॉर्ड 102 रन से हराया, मंधाना का 12वां शतक, सीरीज 1-1 से बराबर

चंडीगढ़ (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया विमेंस क्रिकेट टीम को वनडे में लगातार 13 मैच जीतने के बाद हार का सामना करना पड़ा है। 7 बार की वर्ल्ड चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को भारत ने दूसरे वनडे में 102 रन के बड़े अंतर से हरा दिया। मोहाली के महाराजा यादवेंद्र सिंह स्टेडियम में इस जीत के साथ इंडिया विमेंस ने 3 मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। इंडिया विमेंस से ओपनर स्मृति मंधाना ने 12वां वनडे शतक लगाया। मंधाना का टीम की जीत में 10वां वनडे शतक रहा। दीप्ति शर्मा ने 40 रन की पारी खेलकर टीम को 292 तक पहुंचा दिया। ऑस्ट्रेलिया से डार्सी ब्राउन ने 3 और एश्ले गार्डनर ने 2 विकेट लिए।

293 रन के टारगेट के सामने ऑस्ट्रेलिया विमेंस ने 12 रन पर 2 विकेट गंवा दिए। एलिस पेरी ने 44 और एनाबेल सदरलैंड ने 45 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया को संभाला, लेकिन दोनों के आउट होते ही टीम बिखर गई। 40.5 ओवर में इंडिया ने 190 रन पर ऑस्ट्रेलिया को समेट दिया। क्रांति गौड़ ने 3 और दीप्ति शर्मा ने 2 विकेट लिए।

पाकिस्तान नहीं खेलता तो उसे 140 करोड़ का नुकसान होता

एशिया कप में पाक के यूटर्न की इनसाइड स्टोरी, रेफरी की माफी पर सवाल

यूएई (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम एशिया कप से हटती तो टीम को करीब 140 करोड़ का नुकसान उठाना पड़ता। एशिया कप में बुधवार को पाकिस्तान-यूएई मैच एक घंटे की देरी से शुरू हुआ। रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि हैंडशेक विवाद से नाराज पाक टीम एशिया कप से बायकॉट करेगी। हालांकि, टीम बाद में खेलने के लिए राजी हो गई और पीसीबी ने दावा किया कि रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट ने माफी मागी, फिर पाकिस्तान टीम खेलने के लिए राजी हुई। लेकिन, अब तक आईसीसी या पाइक्रॉफ्ट की तरफ से इस पर कोई बयान जारी नहीं किया गया है। इसके बाद पीसीबी के माफी वाले बाद पर सवाल उठ रहे हैं।

यह था विवाद - 14 सितंबर को पाकिस्तान का सामना भारत से हुआ था। भारतीय खिलाड़ियों ने पहलगाम हमले के विरोध में पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया था। पीसीबी ने भारतीय खिलाड़ियों के व्यवहार को खेल भावना के विपरीत बताया था और पाइक्रॉफ्ट पर ठीक से काम न करने का आरोप लगाया था। बोर्ड ने आईसीसी के सामने मैच रेफरी को टूर्नामेंट से बाहर करने की डिमांड रखी थी। आईसीसी ने इस मांग को खारिज कर दिया। इसके बाद पाकिस्तान टीम मैनेजमेंट ने मंगलवार रात अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस रद्द कर दी। इससे पाकिस्तान के टूर्नामेंट से हटने की चर्चाओं को और हवा मिलने लगी।

करीब 140 करोड़ का नुकसान होता - एशियाई क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) की सालाना कमाई का 75 प्रतिशत हिस्सा पांच टेस्ट खेलने वाले देशों भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में बराबर-बराबर बांटा जाता है। यानी हर देश को 15 प्रतिशत राजस्व मिलता है। बाकी 25 प्रतिशत सहयोगी सदस्य देशों के बीच बांटा जाता है।

ये कमाई ब्रॉडकास्ट राइट (टीवी और डिजिटल), स्पॉन्सर और टिकट बिक्री जैसे अलग-अलग सोर्स से आती है। अकेले इस एशिया कप से पीसीबी को करीब 12 से 16 मिलियन अमेरिकी डॉलर (140 करोड़ रुपए) की कमाई होने वाली थी। ऐसे में अगर पाकिस्तान टूर्नामेंट से हटता है तो उसके लिए यह बड़ा आर्थिक झटका साबित हो सकता है।

सोनी पिक्चर्स नेटवर्क इंडिया ने 2024 से 2031 तक आठ साल के लिए एसीसी के साथ 170 मिलियन अमेरिकी डॉलर का ब्रॉडकास्ट राइट हासिल किया है।

पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर रमीज राजा ने एंडी पाइक्रॉफ्ट पर बोला हमला, भारत पर भी लगाए आरोप

दुबई (एजेंसी)। पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के पूर्व अध्यक्ष रमिज राजा ने मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट पर तीखा हमला बोला और भारत पर आरोप लगाते हुए उन्हें पसंदीदा बताया। पाइक्रॉफ्ट रविवार को दुबई में भारत-पाकिस्तान मुकाबले के बाद से ही चर्चा में हैं जिसमें भारत ने 7 विकेट से जीत हासिल की थी। मैच के बाद भारतीय टीम के पाकिस्तानी टीम के हाथ नहीं मिलाया और कप्तान ने आरोप लगाया कि पाइक्रॉफ्ट ने मैच के दौरान भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव और उनके समकक्ष सलमान आगा को हाथ मिलाने से मना किया था।

उन्होंने टूर्नामेंट के बाकी मैचों से उन्हें बाहर करने की मांग करते हुए विरोध भी दर्ज कराया जिसे आईसीसी ने अस्वीकार कर दिया। बुधवार को यूएई बनाम पाकिस्तान मैच में नया विवाद खड़ा हो गया जिसके कारण मैच में एक घंटे की देरी हुई। पाकिस्तानी टीम को होटल से बाहर न जाने के लिए कहा गया, क्योंकि पाइक्रॉफ्ट को हटाने की बार-बार मांग की थी।

रमीज ने पाइक्रॉफ्ट पर सीधा हमला बोलते हुए उन्हें भारतीय टीम का पसंदीदा बताया। रमिज ने कहा, दिलचस्प बात यह है कि एंडी पाइक्रॉफ्ट (भारतीयों के लिए) पसंदीदा हैं। जब भी मैं टॉस की मेजबानी करता हूं, वह हमेशा वहां नियमित रूप से मौजूद रहते हैं।

पंजाब के युवा क्रिकेटर को ब्रेन ट्यूमर

इलाज के लिए 70 लाख की जरूरत; पूर्व क्रिकेटर हरभजन ने बीसीसीआई और लोगों से मांगी मदद

जालंधर (एजेंसी)। पंजाब के युवा क्रिकेटर वशिष्ठ मेहरा इस समय जिंदगी की सबसे बड़ी लड़ाई लड़ रहे हैं। 21 साल के वशिष्ठ मेहरा को स्टेज 4 ब्रेन ट्यूमर की गंभीर बीमारी का सामना करना पड़ रहा है। उनका इलाज चेन्नई के अपोलो अस्पताल में होना है, जिसकी अनुमानित लागत लगभग 70 लाख रुपए बताई जा रही है। वशिष्ठ मेहरा ने अपने क्रिकेट करियर की शुरुआत जूनियर स्तर से की थी। वे 2019 से लगातार पंजाब की ओर से विनोद मांकड़ ट्रॉफी, कूच बिहार ट्रॉफी और कर्नल सीके नायडू ट्रॉफी जैसे अहम टूर्नामेंट्स में हिस्सा लेते रहे हैं।

उन्होंने पंजाब के लिए करीब 20 जूनियर मैच खेले और अमृतसर की ओर से जिला टूर्नामेंट्स में भी शानदार प्रदर्शन किया। 2024 में उन्होंने मोहाली में त्रिपुरा के खिलाफ पंजाब की ओर से अपना फर्स्ट क्लास डेब्यू किया।

2003 में हुआ था जन्म - मिली जानकारी के अनुसार वशिष्ठ मेहरा का जन्म नवंबर 2003 में हुआ था। वह मूल रूप से पंजाब के अमृतसर का रहने वाला है और मोहाली में प्रैक्टिस करता था। वशिष्ठ मेहरा राइट हैंड बल्लेबाज और राइट आर्म मीडियम तेज गेंदबाज है। साल 2024 में उसने पंजाब टीम की ओर से अपना डेब्यू किया था।

हरभजन सिंह ने लगाई आर्थिक मदद की गुहार - वर्तमान में वे गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं। ऐसे में पूर्व भारतीय टीम के दिग्गज स्पिनर और आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह ने वशिष्ठ मेहरा की स्थिति को साझा किया और बीसीसीआई, पीसीए, साथी क्रिकेटरों व आम लोगों से आर्थिक मदद की अपील की। हरभजन सिंह ने कहा कि इतनी छोटी उम्र में वशिष्ठ मेहरा जैसे होनहार खिलाड़ी का इस तरह की गंभीर बीमारी से जूझना बेहद दुखद है। उन्होंने कहा कि अब वक्त है जब पूरा क्रिकेट परिवार और समाज एकजुट होकर उनके परिवार का सहारा बने ताकि उनका इलाज समय पर हो सके।

यूएई टीम में कोई भारतीय या पाकिस्तानी नहीं, हम एक परिवार हैं : कप्तान मोहम्मद वसीम

दुबई (एजेंसी)। एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच चल रही तनातनी का असर जहां दोनों टीमों और उनके क्रिकेट बोर्डों पर साफ दिख रहा है, वहीं संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) टीम ने खेल भावना का शानदार उदाहरण पेश किया है। टीम के कप्तान मोहम्मद वसीम ने साफ किया कि उनकी टीम में खिलाड़ी चाहे भारतीय मूल के हों या पाकिस्तानी, सभी खुद को सिर्फ यूएई का प्रतिनिधि मानते हैं।

टीम में बराबर हैं भारतीय और पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ी - यूएई क्रिकेट टीम की खासियत यह है कि इसमें भारतीय और पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ियों की बराबर संख्या है। भारतीय मूल के खिलाड़ियों में सिमरनजीत सिंह, राहुल चोपड़ा, हर्षित कौशिक, ध्रुव पराशर और अलीशान शराफू शामिल हैं। वहीं, दूसरी तरफ पाकिस्तान के मुल्तान में जन्मे कप्तान मोहम्मद वसीम, हैदर अली, जुनैद सिद्दीकी, मुहम्मद रोहिद और आसिफ खान टीम का हिस्सा हैं। हाल ही में पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के खिलाड़ियों ने पाकिस्तान टीम से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया था, जिसके चलते विवाद गहरा गया, लेकिन वसीम ने अपनी टीम के माहौल को सकारात्मक बताया।

हम यूएई टीम के लिए खेलते हैं - तनाव का टीम के रिश्तों पर असर पड़ने के सवाल पर वसीम ने साफ इनकार किया। उन्होंने कहा,नहीं, हम उस तनाव के बारे में बात नहीं कर रहे हैं क्योंकि हम साथ में काफी क्रिकेट खेलते हैं। हम यहां एक परिवार की तरह हैं। यहां कोई भारतीय या पाकिस्तानी नहीं है। हम यूएई टीम के लिए खेलते हैं। हम एक परिवार की तरह खेलते हैं और एक परिवार की तरह रहते हैं। वसीम के इस बयान ने साफ कर दिया कि यूएई टीम ने बाहरी विवादों को अपने ड्रेसिंग रूम में जगह नहीं दी है।

भारत-पाकिस्तान विवाद ने बढ़ाया तनाव - मौजूदा टूर्नामेंट में तनाव तब और बढ़ गया जब रविवार को टॉस के दौरान भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाया। मैच के बाद भी भारतीय खिलाड़ियों ने हाथ मिलाने से इनकार किया, जिससे पाकिस्तान तिलमिला गया। इस घटना के बाद पाकिस्तान ने टूर्नामेंट से हटने की धमकी भी दे डाली थी और यूएई के खिलाफ अपने अगले मैच के लिए देर से स्टेडियम पहुंचा।

वसीम ने वॉकओवर की अपील से किया इनकार - पाकिस्तान के देर से आने के बावजूद यूएई टीम ने वॉकओवर की अपील नहीं की। इस पर वसीम ने कहा, सबसे पहले तो यह हमारी जिम्मेदारी या हमारा काम नहीं है। हम अपने खेल पर ध्यान केंद्रित कर रहे थे। हम यहां खेलने आए थे और हमने वही किया। यह बयान दिखाता है कि यूएई टीम विवाद से दूरी बनाकर खेल पर ध्यान दे रही है।

रऊफ ने भी विवाद को किया नजरअंदाज - पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ ने भी इस मुद्दे पर बोर्ड को जिम्मेदार बताया। उन्होंने कहा, देखिए, मैं दबाव महसूस नहीं कर रहा था क्योंकि ये चीजें मेरे नियंत्रण में नहीं थीं। यह बोर्ड (पीसीबी) का सिरदर्द है और वे इसे अच्छी तरह से संभाल सकते हैं।

सेलेब्स ने पैसे देकर खरीदे फॉलोवर्स

अमीषा पटेल ने बॉलीवुड इंडस्ट्री के बारे में बताया कि कई लोग ऐसे हैं, जो उन्हें पसंद नहीं करते क्योंकि वह उनकी चापलूसी नहीं करती हैं। साथ ही शराब और सिगरेट नहीं पीती हैं। उन्होंने बताया कि कई सेलेब्स के सोशल मीडिया पर फॉलोवर्स पैसे देकर खरीदे गए हैं।

अमीषा पटेल का इनसाइडर्स पर गुस्सा फूटा। एक्ट्रेस अमीषा पटेल बेबाकी से अपनी बात रखती हैं। वह जिस फिल्म में काम करती हैं, उसके भी डायरेक्टर-प्रोड्यूसर की गलती बताने में पीछे नहीं हटतीं। उन्होंने एक इंटरव्यू में बॉलीवुड इंडस्ट्री के बारे में अपनी राय रखी हैं। कहो ना... प्यार है की सफलता के बावजूद, उन्हें उस तरह का फेम नहीं मिला, जिसकी वह हकदार रहीं। उन्होंने बताया कि इंडस्ट्री में कई ऐसे लोग हैं, जो उन्हें पसंद नहीं करते हैं।

एक्ट्रेस ने आगे बताया कि 90 फीसदी सेलिब्रिटीज के सोशल मीडिया फॉलोवर्स खरीदे हुए होते हैं। एजेंसियां लोगों से कॉन्टैक्ट करती है और एक मोटा पैसा मांगती है। साथ ही उसके बदले वह उन्हें लाखों फॉलोवर्स देने का वादा करती है।

हम सभी से उस एजेंसी ने कॉन्टैक्ट किया है। कई सेलिब्रिटी सोशल मीडिया अकाउंट्स के फॉलोवर्स का एक बड़ा हिस्सा पेड है। ये रियल फॉलोवर्स नहीं हैं। मुझसे कई बार पैसे मांगे गए लेकिन हमेशा मेंने मना किया। मुझे अपने असली फैंस पसंद हैं। मैं नहीं चाहती कि लोग मुझे इसलिए फॉलो करें क्योंकि मैंने इसके लिए पैसे दिए हैं। अमीषा पटेल ने बातचीत में कहा, दर्शकों का प्यार मैटर करता है। चाहे आप किसी भी कैंप का हिस्सा हों। हां क्योंकि मैं किसी खास सर्कल में फिट नहीं बैठती और न शराब पीती और न स्मोक करती हूं और न ही काम के लिए चापलूसी करती हूं, जो भी कमाया है वो अपनी काबिलियत के आधार पर ही हासिल किया है। इसके कारण कुछ लोग मुझे पसंद नहीं करते हैं। मैं किसी के आगे पीछे नहीं घूमती।

अमीषा का अकाउंट है रियल

एक्ट्रेस ने बताया, मेरा इंस्टा और ट्विटर अकाउंट रियल है। मैं कभी कोई फोटोशूट नहीं पोस्ट करती। अपनी फोटो जैसी होती है, वैसी ही अपलोड करी हूं। मेरी तस्वीरों में परफेक्ट कंपोजिशन, कैप्शन और फॉन्ट सही नहीं होता। मैं चाहती हूं कि मैं जैसी हूं, वैसी ही दिखूं।

खुद को बताया आउटसाइडर

अमीषा पटेल ने आगे कहा कि खुद को आउटसाइडर कहा और बताया कि उनके लिए कितना चैलेंजिंग रहा, आपके लिए इंडस्ट्री में तब और मुश्किल होती है, जब यहां से आपका कोई बॉयफ्रेंड या फिर पति न हो। बिना खुद को पावर कपल के रूप में पेश करने पर भी मुश्किल हो जाता है। दूसरों से कम सपोर्ट मिलता है। उनके पास भी आपको सपोर्ट करने के लिए कोई खास वजह नहीं है क्योंकि आप एक आउटसाइडर हैं।

विराट कोहली की बायोपिक नहीं बनाएंगे अनुराग कश्यप बताई बड़ी वजह

अनुराग कश्यप इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म निशानची के प्रमोशन में व्यस्त हैं। हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू में विराट कोहली और आलिया भट्ट के बारे में अपने विचार साझा किए हैं। उन्होंने सिनेमा को लेकर अपनी पसंद पर भी बात की है।

विराट कोहली की बायोपिक नहीं बनाएंगे

अनुराग कश्यप से पूछा गया कि क्या वह भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली की जिंदगी पर आधारित फिल्म बनाना पसंद करेंगे। इस पर कश्यप ने ना में जवाब दिया। फिल्मीज्ञान से बातचीत में अनुराग कश्यप ने कहा मुझे नहीं लगता कि मैं ऐसा करूंगा, क्योंकि वह पहले से ही बहुत लोगों के लिए हीरो हैं। कई बच्चों के हीरो हैं। अगर मैं कोई बायोपिक बनाऊंगा तो मैं कोई कठिन विषय चुनूंगा।

विराट कोहली की तारीफ की

अनुराग कश्यप ने विराट कोहली के बारे में कहा वह बहुत खूबसूरत इंसान हैं। मैं उन्हें बहुत अच्छी तरीके से जानता हूं। वह बहुत प्रमाणिक इंसान भी हैं। वह बहुत भावुक हैं। वह अविश्वसनीय इंसान हैं।

आलिया भट्ट की तारीफ की

निर्देशक ने आलिया भट्ट की इसलिए तारीफ की कि वह अपनी शर्तों पर जीती हैं। बॉलीवुड में महिलाओं को शादी के बाद या मां बनने के बाद अलग तरह से देखा जाता है। उन्होंने कहा उन्होंने (आलिया भट्ट) इंडस्ट्री पर इतने वर्षों से जो कर्ज था उसके बारे में कहा भाड़ में जाए। क्योंकि वह आगे बढ़ गईं। वह जिंदगी को उस तरह से जीती हैं जिस तरह से वह चाहती हैं। वह अभिनय करती हैं। उनकी वजह से कई लोगों को साहस मिला है। उन्होंने कई धारणाओं को तोड़ा है। वह बेहतरीन अदाकारा हैं। मैं उन्हें इसके लिए सलाम करता हूं।

निशानची के बारे में

अनुराग कश्यप अपनी अपकमिंग फिल्म निशानची को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म की कहानी 2000 के दशक की है। फिल्म से बाल ठाकरे के पोते ऐश्वर्या ठाकरे डेब्यू कर रहे हैं। वह फिल्म में डबल रोल में नजर आएंगे। निशानची 19 सितंबर को सिनेमाघरों में रलीज होगी।

लोगों को लगता है कि ऐक्टर्स की लाइफ में ग्लैमर है, फेम है तो उन्हें कोई समस्या नहीं

श्रिया पिलगांवकर, एक सशक्त ऐक्ट्रस होने के साथ-साथ कथक डांसर और लेखिका भी हैं, जो मानती हैं कि महिलाओं को अपनी आवाज उठाने का हक है। श्रिया ने कहा- लोगों को लगता है कि ऐक्टर्स की लाइफ में ग्लैमर है, फेम है तो उन्हें कोई समस्या नहीं। हमारा नाइन टु फाइव जॉब नहीं होता है। कई महीने तक लगातार काम होगा।

कैसे एक कलाकार लगातार खुद को खोजता रहता है, कभी कथक के मंच पर, कभी क्राइम ड्रामा की वर्दी में और कभी निर्देशक की कुर्सी पर। बीते दिनों अपनी वेब सीरीज 'छल कपट' के लिए लखनऊ आईं श्रिया ने लखनऊ के साथ अपने पुराने जुड़ाव को याद करते हुए अपनी रचनात्मक यात्रा और भविष्य की योजनाओं पर खुलकर बातचीत की।

फिल्में डायरेक्ट और प्रोड्यूस करनी हैं

श्रिया पिलगांवकर ना केवल एक सशक्त कलाकारा हैं बल्कि एक प्रशिक्षित कथक नृत्यांगना, निर्देशक और उभरती हुई लेखिका भी हैं। उनका मानना है कि महिलाओं को स्क्रीन और सेट दोनों जगह अपनी आवाज बुलंद करने का पूरा हक है। अभिनय के अलावा वे निर्देशन भी पहले कर चुकी हैं और अब लेखन की ओर बढ़ रही हैं।

उनकी यह बातचीत ना केवल इंडस्ट्री के पीछे की असलियत उजागर करती है बल्कि यह भी दिखाती है कि

दबी भावनाएं फूटती हैं तो सारी भड़ास निकल जाती

हमारी सीरीज ह्यूमन रिलेशनशिप की कहानी है। मर्डर हुआ है दोस्तों के बीच। मर्डर जिसका हुआ है, वो इंफ्लुएंसर है। बाकी सब दोस्त हैं। हम यह दिखाना चाहते हैं कि कई बार गहरे रिश्तों में भी बहुत अनकही चीजें होती हैं। कुछ दबी हुई भावनाएं होती हैं। वो एक बार जब फूटती हैं तो सारी भड़ास निकल जाती है। इसमें दोस्ती की कहानी है। इसमें घरेलू हिंसा की भी थीम है। सबसे मजेदार मुझे इसमें अपना देविका राठौड़ का किरदार लगता है क्योंकि वो एक टिपिकल कॉप नहीं है। वो जिस तरह से पब्लिक प्लेस या अपने प्रोफेशन में स्ट्रॉन्ग है, ठीक उसके विपरीत पर्सनल लाइफ में उसने थोड़े इश्यूज फेस किए हैं। उसका पति हमेशा असुरक्षित रहता है। मुझे यह देखने को मिलता है कि जो महिलाएं मजबूत-आत्मनिर्भर होती हैं, ज्यादातर उनके पार्टनर उतने सपोर्टिव नहीं होते हैं। ये भी एक बारीक सी चीज है, जिसमें हमने एक्सप्लोर करने की कोशिश की है।

ऐक्टर को इमोशनली बहुत स्ट्रॉन्ग रहना पड़ता है

आप जब एक ऐक्टर की जिंदगी जीते हो तो आपको इमोशनली बहुत स्ट्रॉन्ग रहना पड़ता है। दरअसल, लोगों को लगता है कि ऐक्टर्स की लाइफ में ग्लैमर है, फेम है तो उन्हें कोई समस्या नहीं। हमारा नाइन टु फाइव जॉब नहीं होता है। कई महीने तक लगातार काम होगा। फिर कहो बहुत टाइम हो जाए काम ही ना मिले। जब कुछ नहीं हो रहा होता है, तब आप अपनी लाइफ कैसे जीते हो, यह बहुत महत्वपूर्ण है। यह मैंने अपने पापा से सीखा है क्योंकि वह खुद एक ऐक्टर-डायरेक्टर-प्रोड्यूसर हैं। कभी-कभी सिर्फ पैसिवली काम के लिए ना रुकना, हमेशा सही रास्ता नहीं होता है। आप उस रास्ते को बनाने की कोशिश कीजिए। दोस्तों के साथ मिलकर उसे बनाइए। इतने अच्छे-अच्छे राइटर्स हैं, जिन्हें मौका नहीं मिलता। मैं अभी बहुत इंडिपेंडेंट राइटर्स के साथ मिलकर काम करने की कोशिश कर रही हूं। मुझे एक रोमांटिक फिल्म करनी है। अगर सामने से वो नहीं आ रही तो कोशिश करूंगी कि मैं खुद के लिए उसे लिखूं। कोशिश आगे पता नहीं क्या रंग ले आए।

निया शर्मा ने किए इंडस्ट्री में 15 साल पूरे

टीवी इंडस्ट्री की चमकती सितारा निया शर्मा ने अपने अभिनय करियर के 15 साल पूरे कर लिए हैं। अपने बिंदास और बेबाक अंदाज के लिए मशहूर निया ने इस खास मौके को धूमधाम से मनाया और सोशल मीडिया पर अपनी जर्नी की शानदार झलकियां साझा कीं।

निया ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर कई वीडियो और तस्वीरें पोस्ट कीं, जो उनकी 15 साल की मेहनत और सफलता को दर्शाती हैं। पहली वीडियो में उनकी करियर की शुरुआत से लेकर अब तक की यात्रा दिखाई गई है, जिसके साथ उन्होंने लिखा, 15 साल पूरे! दूसरी वीडियो उनके किसी फैन ने लगाई थी, जिसको निया ने रिपोस्ट किया। वीडियो में उनके सीरियल्स, म्यूजिक वीडियो और अवॉर्ड शो के खास पल शामिल हैं। तीसरी पोस्ट में निया एक खूबसूरत केक काटती नजर आईं, जिस पर उनकी तस्वीर छपी थी। एक अन्य वीडियो में निया ने मजाकिया अंदाज में कहा, ये केक इतना प्यारा है कि मेरा मन इसे काटने को नहीं कर रहा! निया ने अपने करियर की शुरुआत 2010 में स्टार प्लस के धारावाहिक काली – एक अग्निपरिक्षा से की थी, जिसमें उन्होंने अनु का किरदार निभाया। इसके बाद वह एक हजारों में मेरी बहना है में मानवी चौधरी के किरदार में नजर आई थीं, जिसने उन्हें घर-घर में मशहूर कर दिया था। इसके बाद निया ने जमाई राजा में रोशनी पटेल और इश्क में मरजावां और नागिन 4 में बृंदा पारेख जैसे किरदारों से दर्शकों का दिल जीता। अभिनय के साथ-साथ निया ने रियलिटी शो में भी अपनी प्रतिभा दिखाई। वह खतरों के खिलाड़ी 14 और झलक दिखला जा 10 का हिस्सा रह चुकी हैं। निया हाल ही में लाफ्टर शेफ्स – अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट में नजर आई थीं, जिसमें उनके साथ कृष्णा अभिषेक, राहुल वैद्य, करण कुंद्रा, अंकिता लोखंडे, विक्की जैन, रीम शेख, सुदेश लहरी, एल्विश यादव, रुबीना दिलैक, अली गोनी और कश्मीरा शाह जैसे सितारे शामिल थे।

राघव जुयाल ने बताया क्यों कैमरे के सामने नहीं हंसते हैं आर्यन

शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान का पहला शो 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' अपनी रिलीज से पहले ही लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। शो का ट्रेलर सामने आने के बाद फैंस इसे देखने के लिए काफी उत्साहित हैं। आर्यन खान को कैमरे के सामने मुस्कुराते हुए काफी कम देखा गया है। अब 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' का हिस्सा होने वाले अभिनेता राघव जुयाल ने आर्यन खान के कैमरे के सामने स्माइल न करने के पीछे की वजह का खुलासा किया है।

वह मुस्कुराने से डरते हैं

द बॉलीवुड हंगामा के साथ बातचीत के दौरान राघव जुयाल ने अपने निर्देशक आर्यन खान को लेकर बात की। राघव ने कहा कि आर्यन को कैमरे के सामने मुस्कुराने का डर है। वह कैमरे के सामने मुस्कुराते नहीं हैं। उनको एटीट्यूड में रहना बहुत पसंद है। लेकिन हमारे साथ वह मजे भी करते हैं। उनमें एक बच्चों जैसी ऊर्जा है। लेकिन कैमरे के सामने उनकी आदत है, जो मुझे बहुत अच्छा लगता है और लड़कियों को भी।

मैं एक दिन आर्यन को जरूर हंसाऊंगा

राघव ने आगे कहा कि मैंने उनको बोला है कि मैं एक दिन तुमको हंसाऊंगा जरूर कैमरा के आगे। हालांकि, उन्होंने कहा कि नहीं नहीं भाई ऐसा मत करो। उसके बाद से वो जब भी मुझसे मिलते हैं मैं उनको बोलता हूं मैं तुम्हें पक्का हंसाऊंगा जरूर। इसी दौरान साथ में मौजूद लक्ष्य लालवानी ने आर्यन को लेकर कहा कि अगर वह कभी हंसते भी हैं, तो उसकी तस्वीरें कभी बाहर नहीं आएंगी।